THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 95 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.5 2080 शुक्रवार, 23 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये


## मणिपुर हिंसा, इंफाल में भीड़ और सेना के बीच फायरिंग

### शाह कल ऑल-पार्टी मीटिंग करेंगे, कांग्रेस बोली- मणिपुर में करें बैठक

इंफाल, 22 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 मई से शुरू हुई हिंसा के 50 दिन पूरे हो गए हैं, लेकिन हालात खराब बने हुए हैं। यहां रोजाना ही फायरिंग या ब्लास्ट की घटनाएं हो रही हैं। गुरुवार सुबह 5 बजे इंफाल वेस्ट जिले के नॉर्थ बोलजांग में अज्ञात लोगों और असम राइफल्स ट्रूप के बीच फायरिंग हुई। इसमें दो सैनिक घायल हो गए। दोनों की हालत स्थिर है।

इससे पहले बुधवार रात बिष्णुपुर में कार विस्फोट में 3 लोग घायल हुए, जबकि बुधवार शाम करीब 5:45 बजे इंफाल ईस्ट जिले में ऑटोमैटिक स्मॉल आर्म्स के शॉट फायर किए गए। हालात देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार 24 जून को दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक को कांग्रेस ने बहुत लेट और नाकाफी बताया है। कांग्रेस का कहना है कि अगर मणिपुर के लोगों के साथ बातचीत की कोशिश दिल्ली में बैठकर की जाएगी, तो इसमें गंभीरता नहीं दिखेगी।

**केसी वेणुगोपाल बोले, सोनिया गांधी के संदेश के बाद जागी सरकार**

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार तब जागी है जब सोनिया गांधी ने मणिपुर के लोगों को संबोधित किया। इस गंभीर समस्या पर होनी वाली बैठकों से पीएम का दूर रहना उनकी कायरता दिखाता है। इससे पता चलता है कि वे अपनी असफलताओं का सामना नहीं करना चाहते हैं।

जब कई नेताओं ने कई बार उनसे मिलने की कोशिश की, तब भी वे समय नहीं निकाल सके। उन्होंने कहा कि अमित शाह जब से मणिपुर का दौरा करके लौटे हैं, तब से हालात और बिगड़ गए हैं। उनके दौरे से कोई बात नहीं बनी। वेणुगोपाल ने यह सवाल भी उठाया कि ऐसे हालात में भी मणिपुर की पक्षपात करने वाली सरकार को न हटाना और राष्ट्रपति शासन लागू न करना एक मजाक जैसा लग रहा है।

# पीएम ने बाइडेन को घी-नमक फर्स्ट लेडी को डायमंड दिया

### राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में होस्ट किया प्राइवेट डिनर, मोदी को एंटिक कैमरा गिफ्ट किया

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे के दूसरे दिन रात करीब 9 बजे (अमेरिकी समय के मुताबिक) प्राइवेट डिनर के लिए व्हाइट हाउस पहुंचे। यहां राष्ट्रपति बाइडेन और फर्स्ट लेडी ने उनका स्वागत किया। डिनर में भारतीय एनएसए अजित डोभाल और अमेरिका के एनएसए जेक सुलिवन मौजूद थे। डिनर मेन्यू में बाइडेन का पसंदीदा पास्ता और आइसक्रीम शामिल थी।

बाइडेन दंपती के प्राइवेट डिनर में पहुंचे पीएम मोदी ने उन्हें मैसूर के चंदन से बना एक खास बॉक्स गिफ्ट किया, जिसे जयपुर के कारीगरों ने बनाया है। इस बॉक्स के अंदर भगवान गणेश की एक मूर्ति और एक दिये के साथ छोटी-छोटी डिब्बियों में 10 गिफ्ट्स हैं। ये सभी गिफ्ट्स भारतीय परंपरा के मुताबिक तय किए गए हैं।

**मोदी ने बाइडेन को गिफ्ट किया 10 दानम् का बॉक्स**

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन को दस दानम् की भेंट दी है। दस दानम् के तहत एक हजार फुल मून देखने वाले व्यक्ति को दस चीजें गिफ्ट की जाती हैं। कैलेंडर कैलकुलेशन के मुताबिक किसी भी व्यक्ति की उम्र 80 साल 8 महीने होने पर वह एक हजार पूर्णिमा के चांद (फुल मून) देख चुका होता है। बाइडेन लगभग इसी उम्र के हैं। नवंबर में वे अपना 81वां जन्मदिन मनाएंगे।

**फर्स्ट लेडी को गिफ्ट किया इको-फ्रेंडली डायमंड**

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बाइडेन को '10 प्रिंसिपल्स ऑफ उपनिषद' किताब के फर्स्ट एडिशन भी गिफ्ट किया। वहीं, अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन को 7.5 कैरेट के इको-फ्रेंडली ग्रीन डायमंड की भेंट दी।

**बाइडेन ने मोदी को रॉबर्ट फ्रॉस्ट की कविताओं का पहला एडिशन भेंट किया :**

डिनर के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने पीएम मोदी को 20वीं सदी की एक बुक गैले, विंटेज अमेरिकी कैमरा, अमेरिकी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी से जुड़ी एक किताब और रॉबर्ट फ्रॉस्ट की संग्रहित कविताओं के पहले संस्करण की कॉपी गिफ्ट की।

दूसरे दिन मोदी वॉशिंगटन पहुंचे, फ्लाइट लाइन सेरेमनी के साथ स्वागत, सीईओ से मिले अमेरिका दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी वॉशिंगटन पहुंचे। भारतीय समय के मुताबिक, बुधवार रात करीब 12:00 बजे जॉइंट बेस एंड्रयूज पर मोदी का स्वागत फ्लाइट लाइन सेरेमनी के साथ किया गया। इस दौरान अमेरिकी एयरफोर्स ने दोनों देशों के राष्ट्रगान की धुन बजाई। पीएम मोदी को अमेरिका के चीफ प्रोटोकॉल ऑफिसर रूफस गिफर्ड ने रिसीव किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

**फर्स्ट लेडी के साथ नेशनल साइंस फाउंडेशन पहुंचे पीएम मोदी**

इससे पहले भारतीय समय के मुताबिक, बुधवार देर रात करीब 1:30 बजे, पीएम मोदी ने जिल बाइडेन के साथ अलेक्जेंड्रिया (वर्जीनिया) में नेशनल साइंस फाउंडेशन का भी दौरा किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत और अमेरिका, दो ऐसे इन्क्लूसिव देश हैं जो सस्टेनेबल ग्रोथ का इंजन बनेंगे। इस दौरान अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू और भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने अमेरिका और भारत के छात्रों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि यहां आते ही मुझे इतने युवा और क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का मौका मिला। जिल बाइडेन ने इतना व्यस्त होने के बावजूद इस कार्यक्रम का आयोजन किया, मैं इसके लिए आभारी हूं। उनके साथ शामिल होना सम्मान की बात है।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन कॉर्डिनेटर और व्हाइट हाउस प्रवक्ता जॉन किर्बी ने राष्ट्रपति बाइडेन से पीएम मोदी की होने वाली द्विपक्षीय बैठक पर कहा कि अगले कुछ दिनों में दोनों नेता कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच अगले 10 से 15 सालों की पार्टनरशिप को परिभाषित करने जा रही है।

## बंगाल गवर्नर ने चुनाव आयुक्त का नियुक्ति पत्र लौटाया

### दो बार राजभवन बुलाया, नहीं आए तो एक्शन लिया, टीएमसी बोली- यह संविधान के खिलाफ

**कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल में 8 जून को पंचायत चुनाव होने है। इससे 18 दिन पहले बुधवार को गवर्नर डॉ. सीवी आनंद बोस ने राज्य चुनाव आयुक्त (एसईसी) राजीव सिन्हा की जॉइनिंग रिपोर्ट राज्य सरकार को लौटा दी।

गवर्नर ने सिन्हा को पंचायत चुनाव में नामांकन के दौरान हुई हिंसा को लेकर 17 जून को राजभवन बुलाया था। लेकिन सिन्हा ने नामांकन की जांच का हवाला देते हुए आने से मना कर दिया था।

इससे पहले भी उन्हें एक बार बुलाया गया, लेकिन काम का हवाला देकर सिन्हा ने राजभवन आने से मना कर दिया था। भाजपा ने भी सिन्हा पर टीएमसी का समर्थन करने का आरोप लगाया था।

**सिन्हा पिछले महीने चुनाव आयुक्त बनाए गए थे**

राजीव सिन्हा सितंबर 2019 से सितंबर 2020 तक पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव रह चुके हैं। उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का खास माना जाता है। पिछले महीने ममता सरकार ने राज्य चुनाव आयुक्त के पद के लिए राजीव सिन्हा और तीन अन्य लोगों का नाम गवर्नर को भेजा था। गवर्नर ने ही उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी थी। अब उन्होंने उनका जॉइनिंग लेटर लौटा दिया है।

कानून के मुताबिक, चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया महाभियोग के जरिए होती है। इस मामले में तो खुद गवर्नर ने उन्हें चुना था। ऐसे में इस मामले में आगे क्या होगा यह अभी स्पष्ट नहीं है।

**कलकत्ता हाईकोर्ट ने दी थी हिदायत**

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से पहले राज्य में हो रही हिंसा को लेकर राजीव सिन्हा को हिदायत भी दी थी। चीफ जस्टिस टी.एस. शिवगणनम ने सिन्हा को सलाह देते हुए कहा था कि अगर वह अपने पद का दबाव नहीं झेल पा रहे हैं तो कुर्सी छोड़ दें। राज्यपाल किसी और को नियुक्त करेंगे।

>14

## मोदी ने वायुसेना के लिए कर दी बूस्टर डील

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वॉशिंगटन में जनरल इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष एच. लॉरेंस कल्प जूनियर से मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद बहुराष्ट्रीय समूह की एयरोस्पेस शाखा ने घोषणा की कि उसने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाने की खातिर हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

जीई एयरोस्पेस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इसका समझौता ज्ञापन (एमओयू) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा के बीच 'बड़ा मील का पत्थर' है और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने में अहम तत्व है।

बयान के मुताबिक, समझौते में भारत में जीई एयरोस्पेस के एफ414 इंजन का संभावित संयुक्त उत्पादन शामिल है। इसमें कहा गया, जीई एयरोस्पेस इसके लिए आवश्यक निर्यात अधिकार हासिल करने के लिए अमेरिकी सरकार के साथ काम कर रहा है, यह प्रयास भारतीय वायुसेना के हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके2 कार्यक्रम का हिस्सा है।

जीई के अध्यक्ष तथा जीई एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एच. लॉरेंस कल्प जूनियर ने कहा, यह ऐतिहासिक समझौता भारत और एचएएल के साथ हमारे दीर्घकालिक गठजोड़ के कारण संभव हुआ है।

उन्होंने कहा, हमें (अमेरिकी) राष्ट्रपति जो बाइडेन और (भारत के) प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाने पर गर्व है। हमारे एफ414 इंजन बेजोड़ हैं और दोनों देशों को महत्वपूर्ण आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा लाभ प्रदान करेंगे, क्योंकि हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन क्वालिटी के इंजन तैयार करने में मदद करते हैं, ताकि उनके सैन्य बेड़े की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

इससे पहले गुरुवार को ही प्रधानमंत्री कार्यालय ने जीई प्रमुख के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीरें ट्वीट की थीं। पीएमओ ने ट्वीट किया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनरल इलेक्ट्रिक के सीईओ एच. लॉरेंस कल्प जूनियर के साथ सार्थक चर्चा की। उन्होंने भारत में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए जीई के व्यापक प्रौद्योगिकी सहयोग पर चर्चा की।

## एसएफजे आतंकी गुरपतवंत पन्नू लापता

### अंडरग्राउंड होने से पहले निज्जर की हत्या का आरोप भारत सरकार पर मढ़ा, एनआईए की हिटलिस्ट में है

अमृतसर, 22 जून (एजेंसियां)। पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट और विदेशों में सिख धर्म के लोगों को रेफरेंडम के साथ जोड़ने की कोशिश करने वाला आतंकी सिख फार जस्टिस (एसएफजे) का गुरपतवंत सिंह पन्नू बीते 48 घंटे से लापता हो गया है। दरअसल, आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या के बाद पन्नू को डर सताने लगा है। निज्जर की हत्या पर स्टेटमेंट जारी करने के बाद से ही आतंकी पन्नू लापता है।

दरअसल, आतंकी पन्नू देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी एनआईए की हिटलिस्ट पर है। आतंकी निज्जर की हत्या के बाद से वह अकेला पड़ गया है। निज्जर के साथ मिलकर ही वह रेफरेंडम 2020 चला रहा था। जब एक-एक करके आतंकियों की हत्याएं होने लगीं, पाकिस्तान में आतंकी परमजीत सिंह पंजवड, कनाडा में आतंकी निज्जर की हत्या और यूके में अवतार सिंह खांडा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, तो पन्नू को डर सताने लगा है।

बीते 48 घंटों से आतंकी पन्नू का फोन बंद आ रहा है और वह किसी से मिला भी नहीं है। एनआईए व भारतीय एजेंसियों से बचने के लिए पन्नू ने यह कदम उठाया है।

>14

### बदल रहा है पर्यावरण

## 2025 तक दो-तिहाई लोग रेगिस्तान जैसे हालात में रहने को होंगे विवश

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।** बड़े पैमाने पर प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से मरुस्थलीकरण अर्थात उपजाऊ जमीन के बंजर बन जाने की समस्या विकराल हो रही है। सूखे इलाकों में जब लोग पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत से ज्यादा दोहन करते हैं तो वहां पेड़-पौधे खत्म हो जाते हैं और उस क्षेत्र की जमीन बंजर हो जाती है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से वैश्विक स्तर पर मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में मरुस्थलीकरण रोकथाम का प्रस्ताव रखा था। भारत ने उस पर 14 अक्टूबर 1994 को हस्ताक्षर किए।

आने वाले दिनों में मरुस्थलीकरण कितनी बड़ी समस्या बनकर सामने आ सकता है, यह संयुक्त राष्ट्र के इस अनुमान से भली-भांति समझा जा सकता है कि वर्ष 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को विवश होंगे, जिससे मरुस्थलीकरण के चलते विस्थापन बढ़ेगा और आगामी 25 वर्षों में तेरह करोड़ से भी ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक विश्वभर के कुल क्षेत्रफल का करीब बीस प्रतिशत भूभाग मरुस्थलीय भूमि के रूप में है जबकि वैश्विक क्षेत्रफल का करीब एक तिहाई भाग सूखाग्रस्त भूमि के रूप में है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार गहन खेती के कारण 1980 से अब तक धरती की एक-चौथाई उपजाऊ भूमि नष्ट हो चुकी है और दुनियाभर में रेगिस्तान का दायरा निरंतर विस्तृत हो रहा है।

>14

## बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव की बेटी पुरुष बनेंगी

### सुचेतना बोलीं- सेक्स चेंज कराने के बाद लोग मुझे सुचेतन नाम से जानेंगे

**कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की बेटी सुचेतना भट्टाचार्य सेक्स चेंज कराएंगी। इसके लिए वे सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी कराएंगी। पिछले दिनों एक भाषण के दौरान सुचेतना ने खुद को ट्रांस मैन घोषित किया और कहा कि सर्जरी के बाद वो सुचेतन के तौर पर जानी जाएंगी।

एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता सुपर्वा रॉय ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड कर बताया कि सुचेतना एक ट्रांसवूमन हैं। सुचेतना ने भी इन खबरों को सही बताया और कहा, लड़की से ट्रांसमैन बनने का उनका फैसला निजी है। उन्होंने कहा कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि परिवार अपनी पहचान छुपाता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमैन बनने की दिशा में जो भी जरूरी कानूनी औपचारिकता होगी, उसे वो सर्जरी से पहले पूरा कर लेंगी।

**स्कूलिंग के दौरान हुआ पुरुष होने का एहसास**

सुचेतना ने कहा, स्कूलिंग के दिनों से मैंने खुद को एक पुरुष के रूप में पहचाना। यह एहसास समय के साथ और अधिक विकसित हुआ।

>14

## फास्टैग से दोगुनी हुई सरकार की कमाई

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। इस साल यानी पहले 6 महीनों में 19 जून तक सरकार को फास्टैग से 28,180 करोड़ रुपये की कमाई हुई। 2021 से 2022 के बीच फास्टैग से हुई कमाई में 46 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ये 34,778 करोड़ रुपये से बढ़कर 50,855 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

वहीं बीते 5 साल यानी 2017 से 2022 के बीच फास्टैग कलेक्शन दोगुने से ज्यादा बढ़ा है। ये 22,820 करोड़ रुपये से बढ़कर 50,855 करोड़ पर पहुंच गया। 2021 में फास्टैग कंपलसरी हो गया था, इसलिए कलेक्शन में ये ग्रोथ आई है।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अनुसार मई 2023 तक देश में कुल 7.06 करोड़ व्हीकल्स पर फास्टैग थे। 2019 के बाद से फास्टैग में तेजी देखने को मिली। 2019 में देश में सिर्फ 1.70 करोड़ गाड़ियों पर ही फास्टैग था।

## असम में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को मार डाला

गुवाहाटी, 22 जून (एजेंसियां)। असम के नगांव जिले में एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को मार डाला, एक वन अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। नगांव के कामपुर डिवीजन के वन रेंज अधिकारी रंजीत फुकन ने को बताया, एक हाथी ने इलाके में बड़े पैमाने पर दहशत पैदा कर दी है। बुधवार की सुबह जब वह अपनी दुकान खोलने जा रहा था, तो उसने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। घटना जिले के कोठियाटोली इलाके की है। फुकन ने कहा, हाथी के हमले के कारण वह व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

# झूठ मत बोलिए उद्धव ठाकरे की

## सुरक्षा कम करने के आरोप पर शिंदे सरकार ने दिया जवाब

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार के उद्धव ठाकरे की सुरक्षा कम करने के आरोपों पर संजय राउत के बयान पर अब एकनाथ शिंदे की सरकार ने पलटवार किया है। शिंदे की सरकार ने उद्धव की सुरक्षा में कमी करने को लेकर कहा, झूठ तो मत बोलिए. महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने एक बयान जारी करके कहा, उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनकी सुरक्षा पहले भी जेड कैटेगरी की थी और अभी भी जेड कैटेगरी की ही है। गृह विभाग ने कहा, सीएम रहने के दौरान उनकी सुरक्षा में लगाए गए अतिरिक्त दस्ते को ही वापस पुलिस लाइन बुलाया गया है। गृह विभाग ने कहा, आदित्य ठाकरे को राज्य सरकार द्वारा वाई कैटेगरी सुरक्षा मिली हुई है, उनकी सुरक्षा में भी कोई कटौती नहीं की गई है।

**क्या बोले शिवसेना नेता?**

उद्धव गुट की शिवसेना के नेताओं का आरोप है कि उद्धव ठाकरे, उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे, उनके बेटे तेजस और आदित्य ठाकरे की सुरक्षा में लगे एस्कॉर्ट व्हीकल को हटा लिया गया है, तो वहीं उनके घर मातोश्री की सुरक्षा में लगे गार्ड्स को भी वापस ले लिया गया है। शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि अब उनके घर की सुरक्षा 12 की जगह महज 5 गार्ड्स ही दिए गए हैं। उनके आरोप है कि ठाकरे परिवार की सुरक्षा भी उसी दिन कम की गई जिस दिन ईडी ने राउत और आदित्य ठाकरे के सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

## आशा करता हूं कि अमरनाथ यात्री प्रेम के संदेश के साथ कश्मीर से लौटेंगे: फारूक अब्दुल्ला



पहलगाम, 22 जून (एजेंसियां)। (जम्मू-कश्मीर), 22 जून (भाषा) नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को अमरनाथ यात्रियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वे प्रेम के संदेश के साथ कश्मीर से लौटेंगे। अब्दुल्ला ने इस साल की अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, "यात्रियों को यहां आना चाहिए और प्रेम के संदेश के साथ लौटना चाहिए। उन्हें यह संदेश लेकर लौटना चाहिए कि यह देश हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों और बौद्ध, सभी का है।" जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "हम सभी एक हैं और हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मुसलमान इस यात्रा की शुरुआत से ही यात्रियों का ख्याल रखते आए हैं। अब्दुल्ला ने कहा, "यात्रियों का ख्याल कौन रखता है? स्थानीय मुसलमान। यह लंबे समय से होता आया है। कोई नफरत नहीं है।" अमरनाथ की 62 दिन की यात्रा एक जुलाई से शुरू होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम करने को लेकर सरकार का शुक्रिया अदा किया।

## बकरीद पर मंत्री प्रियांक खड़गे ने बजरंग दल को दी चेतावनी

### कर्नाटक पुलिस को कहा- पीटकर जेल के अंदर डाल दो

बेंगलूरु, 22 जून (एजेंसियां)। बकरीद से पहले कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बड़ा बयान दे दिया है। खड़गे ने अप्रत्यक्ष रूप से बजरंग दल और गौ रक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए पुलिस अधिकारियों से कहा कि जो लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं और कहते हैं कि वे इन 'दल' से हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को पीटकर जेल के अंदर डाल दो। दरअसल बकरीद में एक हफ्ते से कम समय बचा है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और कर्नाटक के सूचना व जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने पुलिस अधिकारियों से कहा है कि वो गौ रक्षा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

**सलाखों के पीछे डाल दो: खड़गे**

बकरीद का त्योहार विश्व स्तर पर मुस्लिम समुदाय मनाता है। वहीं रिश्तेदारों के बीच कुर्बानी के मांस का वितरण और तकबीर का जाप इस दिन की सबसे महत्वपूर्ण प्रथाओं में से कुछ है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान खड़गे ने बजरंग दल के सदस्यों को अप्रत्यक्ष रुप धमकी देते हुए कहा, "जो लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं और कहते हैं कि वे इन दल से हैं, उन्हें लात मारो' और सलाखों के पीछे डाल दो।



**सांप्रदायिकता फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी**

कलबुर्गी में एक बैठक के दौरान मंत्री खड़गे ने कहा कि अगर कोई स्वयंभू नेता है और सांप्रदायिक मुद्दों के नाम पर जहर उगलता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मैं अनावश्यक सांप्रदायिक दंगे नहीं चाहता। मंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पशुधन के परिवहन पर कानून बहुत स्पष्ट है, चाहे वह शहरी सीमा के भीतर हो या ग्रामीण क्षेत्र। यदि उनके पास सही दस्तावेज हैं, तो उन्हें परेशान न करें।

**सीएम ने दिया 25 लाख का मुआवजा**

उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले, एक मवेशी व्यापारी इदरीस पाशा की कथित तौर पर रामानगर में एक हिंदुत्व चरमपंथी, पुनीथ केरेहल्ली द्वारा हत्या कर दी गई थी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उनके परिवार को मुआवजे के तौर पर 25 लाख रुपये दिए।

# मणिपुर हिंसा पर सर्वदलीय बैठक तब बुलाई गई है

## जब राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना

इंफाल, 22 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर के हालात के मद्देनजर केंद्र की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक पर सवाल खड़ा किया है, साथ ही सरकार पर निशाना साधा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर की स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए 24 जून को दोपहर 3 बजे दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बारे में गृह मंत्रालय की ओर से को बयान जारी किया गया था।

**सर्वदलीय बैठक को लेकर क्या बोले राहुल गांधी?**

राहुल गांधी ने गुरुवार को ट्वीट किया, "50 दिनों से जल रहा है मणिपुर, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं! साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं है।' राहुल गांधी ने की थी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को मणिपुर भेजने की मांग करीब एक हफ्ते पहले भी राहुल गांधी ने मणिपुर के हालात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था और एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को राज्य में भेजने की मांग की थी। 15 जून को राहुल गांधी ने ट्वीट किया था, "बीजेपी की नफरत की राजनीति ने मणिपुर को 40 से ज्यादा दिनों तक जलाए रखा, जिसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए। पीएम भारत का विफल कर चुके हैं और पूरी तरह चुप हैं। हिंसा के इस चक्र को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए राज्य में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जाना चाहिए। आइए इस नफरत के बाजार को बंद करें और मणिपुर में हर दिल में मोहब्बत की दुकान खोलें।"

**पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी बोलीं- अब बहुत देर हो चुकी है**



मणिपुर की स्थिति पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि अब बहुत देर हो गई है। सीएम ममता ने कहा, "अब बहुत देर हो चुकी है। मणिपुर जल रहा है। मणिपुर के लोग मुसीबत में हैं। सेंट्रल फोर्स की मौजूदगी में मंत्री का घर जल रहा है। यह पूरी तरह विफलता है। उन्होंने (केंद्र सरकार) बैठक बुलाई है, इसलिए पार्टी की ओर से डेरेक ओ ब्रायन जाएंगे।" बता दें कि मणिपुर में हिंसा के चलते करीब डेढ़ महीने में 100 से ज्यादा लोगों ने जान गंवा दी है। करीब 50 दिन पहले राज्य में मैइती और कुकी समुदाय के बीच हिंसा भड़क गई थी। मैइती समुदाय अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग कर रहा, जिसके विरोध में राज्य के पर्वतीय जिलों में तीन मई को आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था। उसके बाद झड़पें शुरू हो गई थीं।

## डीईआरसी चेयरमैन की नियुक्ति असंवैधानिक सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे : आप मंत्री आतिशी



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) चेयरमैन की नियुक्ति को दिल्ली सरकार ने असंवैधानिक बताया है। दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की अवमानना, लोकतंत्र की हत्या को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। जस्टिस उमेश कुमार को डीआरसी चेयर पर्सन नियुक्त होना गैर कानूनी, असंवैधानिक और दिल्ली के लोगों के खिलाफ फैसला है। आतिशी ने आगे कहा कि डीईआरसी चेयरपर्सन के मुद्दे पर हम सुप्रीम कोर्ट गए थे और कोर्ट ने साफ निर्देश दिया था कि दिल्ली की चुनी हुई सरकार की सलाह मानना उपराज्यपाल के लिए बाध्य है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कल सुबह राजस्थान हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस संगीत लोढ़ा के नाम की सिफारिश की, लेकिन उपराज्यपाल ने सरकार की सिफारिश को अनदेखा करके किसी और को चेयर पर्सन नियुक्त कर दिया। स्पष्ट तौर पर यह सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है। इस फैसले के खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

इससे पहले जानकारी मिली थी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति उमेश कुमार को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया था। उपराज्यपाल कार्यालय ने यह जानकारी दी थी। इस नियुक्ति से उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के बीच टकराव बढ़ सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीईआरसी के अध्यक्ष पद के लिए, न्यायमूर्ति राजीव कुमार श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) के नाम को जनवरी में मंजूरी दी थी।

## सिद्धारमैया ने अमित शाह से कहा है कि गरीबों को चावल देने में नफरत की राजनीति नहीं होनी चाहिए



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कहा है कि गरीबों के लिए बनाई गई योजना के लिए राज्य को चावल की आपूर्ति में कोई घृणा की राजनीति नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार रात शाह से मुलाकात की और राज्य की 'अन्न भाग्य' योजना के लिए चावल की आपूर्ति के संबंध में चर्चा की, जो बीपीएल परिवारों के प्रत्येक सदस्य के लिए 5 किलो अतिरिक्त चावल प्रदान करती है। सिद्धारमैया ने कहा मैं कल रात अमित शाह से मिला। मैंने उनके ध्यान में लाया कि एफसीआई चावल की आपूर्ति करने के लिए सहमत हो गया था और इस संबंध में एक पत्र भी लिखा था, लेकिन अगले ही दिन अचानक उन्होंने कहा कि वे आपूर्ति नहीं कर सकते। ऐसा लगता है जैसे यहां राजनीति खेली गई है। इसमें कोई नफरत की राजनीति न हो, क्योंकि यह गरीबों को चावल उपलब्ध कराने का कार्यक्रम है।

# एक बहन होने के नाते मैं चाहती हूं

## कि भाई अजित पवार की हर इच्छा पूरी हो: सुप्रिया सुले?

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। एनसीपी नेता अजित पवार के विपक्ष के नेता पद से मुक्ति वाले बयान पर उनकी बहन और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को सुप्रिया सुले ने कहा कि एक बहन होने के नाते वह चाहती है कि उनके भाई की सभी इच्छाएं पूरी हों। अजित पवार महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर हैं। उन्होंने मुंबई में एनसीपी के 24 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मांग रखी कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी से उन्हें मुक्त करके पार्टी संगठन में कोई भूमिका सौंपी जाएं।

**अजित पवार को लेकर क्या बोलीं सुप्रिया सुले?**

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रिया सुले ने किसी भी प्रकार के मतभेदों की अफवाह को खारिज करते हुए मीडिया से कहा, "मैं भी चाहती हूं कि अजीत दादा की इच्छाएं पूरी हों। यह संगठन का फैसला होगा कि अजीत दादा को पार्टी में कोई पद दिया जाए या नहीं लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि वह पार्टी के लिए काम करना चाहते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "(अजित पवार के कदम से) हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्हें (एनसीपी का) प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा या नहीं, यह पार्टी पर निर्भर करता है लेकिन एक बहन होने के नाते मैं चाहती हूं कि मेरे भाई की सभी इच्छाएं पूरी हों।"

**अजित पवार ने क्या कहा था?**

अजित पवार ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह सख्त व्यवहार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में काम करने में उन्हें दिलचस्पी नहीं थी लेकिन एनसीपी विधायकों की मांग पर इस भूमिका को स्वीकार कर लिया था। पार्टी संगठन में पद की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जाएगी, उसके साथ पूरा न्याय करेंगे। बता दें कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार गिरने के बाद अजित पवार को पिछले वर्ष जुलाई में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। उससे पहले गठबंधन सरकार में वह उपमुख्यमंत्री के पद पर थे। नियुक्त कर अन्य राज्यों की जिम्मेदारी दी थी।

## क्या कह सकते हैं! 8 साल के बच्चे का आधार कार्ड और फोटो डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक 8 साल के लड़के की खूब चर्चा हो रही है और वजह है उसका आधार कार्ड। आधार कार्ड पर बच्चे की फोटो की जगह उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की फोटो छपी है। खास बात यह है कि इसी आधार कार्ड के जरिए उस बच्चे के सारे सरकारी काम पूरे हो रहे हैं। प्रशासन द्वारा की गई इस गड़बड़ी को सुलझाने के लिए लड़के की मां संघर्ष कर रही है लेकिन फोटो अभी भी वही है। आधार कार्ड धारक का असल नाम जिगल जीवन सावसाकडे है।

**2016 में बनवाया था बच्चे का आधार कार्ड**

गौरतलब है कि सरकार ने सभी के लिए आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है इसलिए, हर किसी के पास आधार कार्ड है। हालांकि, चिमूर तालुका में आधार कार्ड केंद्र द्वारा की गई गड़बड़ी सावसाकडे परिवार के लिए काफी दुखदायी बन गई है। मामला चंद्रपुर के सिंदेवाही तालुका के विरवा गांव का है। यहां आठ साल का बच्चा अपनी मां वनमला जीवनदास सावसाकडे के साथ रहता है। 2016 में बच्चे की मां ने चिमूर तालुका के शंकरपुर के एक कैंप में बच्चे का आधार कार्ड बनवाया था। अभी इसी आधार कार्ड का इस्तेमाल किया जा रहा है।

**ऑपरेटर ने चिपका दी फडणवीस की फोटो**

महाराष्ट्र की राजनीति में 'देवेंद्र फडणवीस' बड़ा नाम है और यह आधार कार्ड उन्हीं की फोटो की वजह से चर्चा में आया है। बच्चे के जन्म के एक साल बाद आधार कार्ड हटा दिया गया था इसलिए ऑपरेटर ने आधार कार्ड पर बच्चे की फोटो प्रिंट करने के बजाय सीधे फडणवीस की फोटो चिपका दी। अब मां आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए दौड़ भाग कर रही है।

## सुरक्षा बलों ने मणिपुर में मोर्टार किया बरामद

इंफाल, 22 जून (एजेंसियां)। असम राइफल्स के जवानों ने गुरुवार को मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में तलाशी अभियान के दौरान मोर्टार बम बरामद किया। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह ऑपरेशन मोंगसम तलहटी में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस कमांडो द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया था। एक रक्षा प्रवक्ता के अनुसार मोर्टार बम की बरामदगी के बाद, अन्य हथियारों और गोला-बारूद के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में मणिपुर में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, लेकिन बुधवार रात विष्णुपुर जिले के क्वाक्टा में एक वाहन में रखे गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में विस्फोट होने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों को विष्णुपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा बुधवार को सुरक्षा बलों ने इम्फाल पश्चिम जिले के लीमाखोंग इलाके में आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए एक बंकर को नष्ट कर दिया। इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में दो स्थानों से प्रतिद्वंद्वी आतंकवादी संगठनों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी की भी सूचना मिली हालांकि, फायरिंग की इन घटनाओं में किसी के मरने या घायल होने की खबर नहीं है।

# यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में होगी सुनवाई



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। महिला पहलवानों ने बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। दिल्ली पुलिस ने

**6 बालिग महिला रेसलर्स की शिकायत पर चार्जशीट**

दिल्ली पुलिस ने 6 बालिग महिला रेसलर्स की शिकायत पर चार्जशीट दाखिल की है। महिला पहलवानों ने कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले को लेकर 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिस पर आज सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट में इस चार्जशीट पर संज्ञान लेने को लेकर 27 जून को दोपहर 2 बजे सुनवाई होगी।

**दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान**

काफी वक्त से सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे थे, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कई लोगों और पीड़िता के बयान दर्ज किए हैं। मामले की अगली सुनवाई 27 जून को होगी। एसीएमएम ने महिला

**लेने पर सुनवाई**

यौन शोषण के मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफ दाखिल चार्जशीट सीएमएम महिमा राय सिंह ने मामले को एमपी-एमएलए अदालत में ट्रांसफर किया है। सीएमएम पहलवानों की उस याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। अदालत ने इस मामले में स्टेट रिपोर्ट मांगी थी। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धारा 354, 354-ए और डी के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है। महिमा राय सिंह ने मामले को एसीएमएम हरजीत सिंह जसपाल के पास भेज दिया है। अब एसीएमएम हरजीत सिंह जसपाल की कोर्ट बृजभूषण सिंह के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर सुनवाई करेगी।

## व्हिस्की की बोतलों में छिपाई थी 38 करोड़ की कोकीन

### कीनिया की नागरिक आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट (आईजीआई) एयरपोर्ट पर कीनिया की नागरिक को कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। शराब की बोतल में ड्रग छिपाकर कीनिया से हिन्दुस्तान लाई गई थी। ग्रीन चैनल क्रॉस कर अराइवल मैन गेट के पास आरोपी को इंटरसेप्ट किया गया। शक की बिनाह पर जब बैग को खंगाला गया, तो ब्लैक लेबल शराब की तीन बोतलों से 2537 ग्राम कोकीन बरामद हुई। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 38.105 करोड़ आंकी गई है। हर बोतल में ड्रग्स भारी गयी थी। आरोपी कीनिया के अदिस अब्बा से हिन्दुस्तान पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला इससे पहले भी कई बार कीनिया से ड्रग्स तस्कर कर हिंदुस्तान ला चुकी है। वहीं, एक दूसरे मामले में एक तंजानिया के रहने वाले शख्स को ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है। आरोपी कैप्सूल में ड्रग्स भरकर उन्हें पेट में निगलकर हिन्दुस्तान लाया था। ये ड्रग तस्कर, जिसे ड्रग तस्करों की दुनिया में सोलीवर के नाम से जाना जाता है युगांडा से वाया दुबई आईजीआई पहुंचा था। इसके पेट से 35 कैप्सूल मिले उनमें करीब साढ़े 59 लाख रुपये की ड्रग्स छिपाई गयी थी।

## भाजपा की बैठक में पदाधिकारियों पर मधुमक्खियों का हमला

सागर, 22 जून (एजेंसियां)। मप्र के सागर जिले में भाजपा की बूथ स्तर की बैठकें चल रही हैं। इसी दौरान रहली विधानसभा के बैदवारा गांव में पीपल के पेड़ के नीचे बैठक चल रही थी। इसी दौरान पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छाते में मौजूद मधुमक्खियों ने अचानक से बैठक कर रहे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों पर हमला कर दिया। मौके पर भगदड़ की स्थिति बन गई।

## अस्पतालों के निर्माण में देरी पर उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने सीएम केजरीवाल को लिखा पत्र



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में अस्पतालों के निर्माण कार्य में देरी के मुद्दे पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। पत्र में कहा गया है कि मीडिया रिपोर्ट से जानकारी मिली है कि दिल्ली के अस्पताल प्रोजेक्ट इसी वर्ष पूरे जाने थे लेकिन नहीं हो सके। 16 जून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट से पता चला है कि नई सुविधाओं और मौजूदा सुविधाओं के विस्तार समेत दिल्ली में कई स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी हुई है, कुछ में तीन साल से ज्यादा की देरी हुई है रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि 18 अस्पतालों के निर्माण के साथ-साथ रोहिणी में एक फोरेंसिक प्रयोगशाला के लिए एक अतिरिक्त भवन का निर्माण कई समय सीमाओं को पार कर चुका है। इन अस्पतालों की कुल लागत 3,1236 करोड़ रुपये बताई गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 23 जून, 2023 

सु वि चा र

रिश्ते निभाने के लिए बुद्धि नहीं, दिल की शुद्धि होनी चाहिए

सत्य कहो, स्पष्ट कहो, सम्मुख कहो,

जो अपना हुआ वो समझेगा, जो पराया हुआ वो छूटेगा

## सीएम केसीआर ने तेलंगाना शहीद स्मारक का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने गुरुवार शाम यहां डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय के सामने, लुंबिनी पार्क के पास 'तेलंगाना शहीद स्मारक केंद्र' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम ने तेलंगाना राज्य गठन के दशकीय समारोह की परिणति को भी चिह्नित किया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए पुलिस ने शहीदों को बंदूक की सलामी दी।

बाद में, मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री, विधायक, एमएलसी, सांसद और मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। केसीआर ने तेलंगाना तल्ली की एक प्रतिमा का अनावरण किया और परिसर में स्मृति दीप जलाया। जनसभा को संबोधित करने से पहले मुख्यमंत्री ने थिएटर हॉल में तेलंगाना के शहीदों के बलिदान पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म देखी।

## गोलकोंडा में बोनालु उत्सव शुरू

### मंत्रियों ने देवी मां को पारंपरिक पट्टू वस्त्र भेंट किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक अषाढम् बोनालु उत्सव गुरुवार को यहां गोलकोंडा के श्री जगदंबिका मंदिर में भव्य पैमाने पर शुरू हुआ।

उत्सव की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए, लंगर हाउस से गोलकोंडा मंदिर तक टोटेला जुलूस निकाला गया और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, इंद्रकरण रेड्डी और मोहम्मद अली ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, राज्य सरकार की ओर से मंत्रियों ने देवी मां को पारंपरिक 'पट्टू वस्त्रालू' भेंट किया।

मीडिया से बात करते हुए, बंदोबस्ती मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से आधिकारिक तौर पर बोनालु त्योहार मना रही है और अब तक उत्सव मनाने के लिए 2014 से 2022 तक 78.15 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मंत्री ने कहा, इस साल राज्य सरकार ने समारोह के लिए पहले ही 15 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं और उत्सव बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है। इस बीच, इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस कर्मियों की टीमों को तैनात किया गया है। इसके अलावा, नजर रखने और लगातार निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी कैमरों का नेटवर्क स्थापित किया गया है।

## कादंबिनी क्लब हैदराबाद की 371वीं मासिक गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कादंबिनी क्लब हैदराबाद के तत्वाधान में आभासी तकनीक के माध्यम से क्लब की 371वीं मासिक गोष्ठी डॉ. मदनदेवी पोकरणा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए डॉ. अहिल्या मिश्र (क्लब अध्यक्ष) एवं मीना मुथा कार्यकारी संयोजिका ने आगे बताया कि प्रथम सत्र का आरंभ शुभ्रा मोहंतो द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुआ। डॉ अहिल्या मिश्र ने स्वागत भाषण दिया। संगोष्ठी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सुनील पारिख (ज्ञानोदय साहित्य संस्था बंगलौर) ने कर्नाटक में हिंदी की स्थिति एवं साहित्य सर्जन विषय पर अपनी बात रखी। डॉ. सुनील पारिख ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी को एक विश्व भाषा के रूप में सम्मान प्राप्त है, पर राष्ट्रभाषा के रूप में कोई स्थान नहीं है। कर्नाटक की भौगोलिक एवं हिन्दी की स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने आगे बताया कि कक्षा प्रथम से यहाँ अंग्रेजी पढ़ाई जा रही है और हिंदी छठी कक्षा से। हिंदी अध्यापकों को पदोन्नति नहीं मिलती है। भाषा राष्ट्र , साहित्य और संस्कृति का निर्माण करती है। उन्होंने प्रेमचंद को कोट करते हुए कहा कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। अतः हिंदी का प्रचार प्रसार घर-घर में होना चाहिए। कर्नाटक भौगोलिक संपदा से बहुत सुंदर राज्य है समृद्ध है। हिंदी, मराठी व कन्नड़ भाषा का त्रिवेणी संगम है।

विशेष अतिथि देवकांत पवार (हिंदी अधिकारी इंडियन बैंक) ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सरकारी कामकाज की भाषा राजभाषा होती है। बैंक, जीवन बीमा दफ्तर, रेलवे आदि कार्यालय विभागों में राजभाषा की उपयोगिता होती है। संघ की भाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होनी चाहिए। केंद्र सरकार का कर्तव्य है कि वह हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार करे और विकास करे। संस्कृत आदि अन्य भाषाओं से भी हमें शब्द लेनी चाहिए। 1963 से पहले हिंदी विरोधी आंदोलन के बाद कई दस्तावेज हिंदी में निकाले गए। हिंदी अनुवादक की भर्ती की जाने लगी। केंद्र सरकार हिंदी ट्रेनिंग की कक्षाएं भी संचालित करती है और कंप्यूटर प्रशिक्षण हिंदी में हो इस बात पर भी विचार किया जा रहा है। डॉ अहिल्या मिश्र ने टिप्पणी देते हुए कहा कि हिंदी के लिए विशेष तौर पर क्या होना चाहिए इसके लिए प्रबुद्ध जानकारों को बुलाया जाना चाहिए। दूसरे सत्र में मीना मुथा के संचालन में कवि गोष्ठी हुई। जिसमें किरण सिंह, मनीषा, तृप्ति मिश्रा, रमा बहेड़, डॉक्टर रमा द्विवेदी, डॉ. इंदू सिंह, रेणु शब्दमुखर, आर्या झा, तरुणा, ज्योति नारायण, अंशुश्री सक्सेना, विनोद गिरी अनोखा, भगवती अग्रवाल, डॉक्टर संगीता शर्मा, आशीष नैथानी, विनीता शर्मा, डॉक्टर सुनील पारीख, देवकांत पवार, डॉ. अहिल्या मिश्र , मीना मुथा, भावना पुरोहित आदि ने काव्य पाठ किया।

## जीएचएमसी की आम सभा में तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की आम सभा की बैठक में महापौर की अध्यक्षता में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, नगरसेवकों और जीएचएमसी के शीर्ष अधिकारियों ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य जन्म दशक समारोह के आखिरी दिन दो मिनट का मौन रखा। शहीद स्मृति दिवस के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि तेलंगाना राज्य का उदय कई शहीदों का सपना और लोगों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा थी। उन्होंने कहा कि इस महीने में जन्मे बच्चों ने 60 साल तक तेलंगाना राज्य के सपने को साकार करने के लिए कई लड़ाईयां लड़ी हैं। चाकली ऐलम्मा, दोड्डी कोमुरैया, फस्ता सयन्ना, हरिजन मुतम्मा, बंडी यादगिरी, शेख बंदगी, सोयब उल्लाह खान जैसे कई नायकों ने इस महीने में 1942 से 1948 तक तेलंगाना के सशस्त्र संघर्ष में पहली बार भूमि, मुक्ति के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। हालाँकि, तेलंगाना की माँ आज़ाद नहीं हुई। 1969 में तेलंगाना मालीदाशा संघर्ष फिर से शुरू हुआ और उस्मानिया विश्वविद्यालय के छात्रों, बुद्धिजीवियों और प्रमुख राजनीतिक नेताओं की भागीदारी से आंदोलन मजबूत हो गया। आंदोलन का पहला शहीद 17 वर्षीय शंकर नामक छात्र का बलिदान था। उन्होंने कहा कि गन फाउंड्री में बने स्मारक से उस समय के शहीदों की प्रतिकृति का प्रमाण मिलता है।

1956 से 2001 तक, तेलंगाना आंदोलन संस्कृति, परंपराओं, पानी, धन और भर्ती के लिए लोगों की आकांक्षा के खिलाफ कई युवाओं के बलिदान से भरा था। उन्होंने कहा कि जन आंदोलन के बलिदान के परिणामस्वरूप केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना हासिल हुआ। सीएम केसीआर के नेतृत्व में नवनिर्मित सचिवालय का नाम डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर रखा गया और शहीद स्मारक लोगों की आकांक्षाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक परंपराओं का भी गवाह है और तेलंगाना देश के लिए एक उदाहरण बनकर खड़ा हुआ है। गरीबों और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन को जीवन देने वाले जलक्षेत्र में अमरुला के स्मारक की स्थापना शहीदों के बलिदान के प्रति केसीआर की श्रद्धांजलि थी। तेलंगाना राज्य के सपने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मालिदास के पहले अमर श्रीकांताचारी ने कहा कि दशक के जश्न के मौके पर तेलंगाना शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका आला, जोनल आयुक्त ममता, श्रीनिवास, पंकजा, श्रीनिवास रेड्डी, शंकरैया, सीसीपी देवेंदर रेड्डी और विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

## साइबराबाद पुलिस ने तेलंगाना शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य स्थापना के दशक समारोह के हिस्से के रूप में गुरुवार को साइबराबाद पुलिसकर्मियों ने साइबराबाद सीपी कार्यालय के लॉन में तेलंगाना के शहीदों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संपदा अधिकारी एसीपी मटैया ने कहा कि साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र के निर्देशानुसार, तेलंगाना राज्य जन्म दशक समारोह के हिस्से के रूप में आज शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना शहीदों के बलिदान और कार्यकर्ताओं के संघर्ष से 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य अस्तित्व में आया। दशकों के संघर्ष और कई जिंदगियों के बलिदान के परिणामस्वरूप, तेलंगाना का सपना साकार हुआ। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना पुलिस आज देश के सभी विभागों में अग्रणी है। खासकर तेलंगाना पुलिस देश के लिए एक मिसाल बनकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस लोगों की शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश में सबसे सुरक्षित जगह है। श्रद्धांजलि देने वालों में सीएओ अकाउंट्स चंद्रकला, आरआई एडमिन अरुण कुमार, आरआई हिमाकर, आरआई यादैया, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य लोग शामिल थे।

## शहीदों के बलिदान से हुआ तेलंगाना का निर्माण : कलेक्टर

मंचेरियल, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर बी. संतोष ने कहा कि शहीदों के बलिदान के कारण तेलंगाना राज्य का निर्माण हुआ। वह विधायक दिवाकर राव के साथ शहीद दिवस में भाग लेने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। संतोष ने कहा कि बलिदान अविस्मरणीय और अतुलनीय है। उन्होंने देखा कि अब हम शहीदों के बलिदान का फल प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के गठन में उनकी भूमिका को पहचानने के हिस्से के रूप में, शैक्षणिक संस्थानों, गांवों, नगर पालिकाओं और मंडल परिषद और जिला परिषद के कार्यालयों में शहीद स्तंभों पर माला चढ़ाकर और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। दिवाकर राव ने कहा कि जहां 1969 में तेलंगाना आंदोलन के पहले चरण में 369 लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने राज्य के लोगों को एकजुट करके और कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को आगे बढ़ाकर अपना सपना पूरा किया। उन्होंने कहा कि राव नवीन कल्याणकारी योजनाएं शुरू करके और विकासात्मक गतिविधियां चलाकर तेलंगाना को विकसित करने के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहे थे। बाद में जिला परिषद कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर व विधायक ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया।

## बंडी ने घायल युवक को अस्पताल भेजा

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भूपालपल्ली जिले के कमलापुर मंडल के मुक्तयालापल्ली में दुर्घटना में घायल एक युवक को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सजय बंडी ने अस्पताल भेजा। अज्ञात वाहन की टक्कर से डिवाइडर पर गिरकर युवक प्रभाकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

बंडी संजय भूपालपल्ली सार्वजनिक बैठक में भाग लेने जा रहे थे। इसी बीच खून से लथपथ प्रभाकर उनकों दिखाई दिया। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ घायल युवक को प्राथमिक उपचार दिया। बंडी के स्टाफ ने ही 108 पर कॉल कर सूचना दी। कुछ देर इंतजार करने के बाद सजय ने वहां से गुजर रहे एक ऑटो से घायल युवक को अस्पताल भेजा।

## गुरु-पूर्णिमा-महोत्सव 25 जून को

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग तथा मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा ने बताया कि विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में "गुरु-पूर्णिमा-महोत्सव" संपूर्ण वर्ष का लेखा-जोखा गुरुजी के प्रति अपना समर्पण, कर्तव्य, निष्ठा और श्रद्धा का परिचय देने का और गुरूवर जी से अपनी भक्ति-शक्ति से सुपथ मार्ग को सरल करने का पावन महोत्सव रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में रविवार 25 जून को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मंचीरेउला नरसिंगी स्थित अमृतधाम आश्रम में गुरु-पूर्णिमा महोत्सव बडे धूमधाम से मनाया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया है कि सुबह ठीक 10:30 बजे अमृतधाम आश्रम में गुरु पूजन और चरण-पादूका पूजन, गुरू पादुका स्तोत्रं का सामुहिक पठन, भजन-कीर्तन, वीडियो सत्संग सुबह ठीक 11:30 बजे रहेगा। 12:00 बजे गुरुदेव जी का पावन संदेश नई दिल्ली से फोन द्वारा लिया जाएगा। 12:30बजे गुरु-वंदना व गुरु-आरती की जाएगी। दोपहर 1 बजे भंडारा-महाप्रसाद रहेगा। मशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर नें नगरद्वय के समस्त भक्तों से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I GATIKE MANASWINI, R/o .1-149, Nekkonda, Warangal-506122, Changed My Name as GATIKA MANASWINI, D/o. VIJAY KUMAR.

I GATIKE SREEGUNA, R/o.1-149, Nekkonda, Warangal-506122, Changed My Name as GATIKA SRIGUNA D/o. VIJAY KUMAR.

सावधान

पाठकों को सूचेत किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## कांग्रेस नेताओं ने सीएम केसीआर का पुतला फूंका

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं ने आज करीमनगर जिले के चोप्पाडांडी विधानसभा क्षेत्र में दस सिरों वाले केसीआर का रावण के रूप में पुतला जलाया और आरोप लगाया कि उनकी सरकार दशकीय तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के नाम पर सार्वजनिक धन बर्बाद कर रही है। पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी मेडिपल्ली सत्यम और पार्टी के अन्य नेताओं ने सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार के कृत्यों की निंदा करते हुए पीसीसी के आह्वान पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि बीआरएस पार्टी सरकार पिछले 21 दिनों से राज्य भर में दशकीय समारोह के नाम पर जश्न मना रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार की विफलताओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए जलाया गया पुतला सीएम केसीआर द्वारा नजरअंदाज किए गए 10 वादों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वे बीआरएस सरकार से सवाल कर रहे हैं कि वह कृषि ऋण माफी, बेरोजगारी भत्ता, बेरोजगारों के लिए नौकरियां, आदिवासी और अल्पसंख्यकों के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण, शुल्क प्रतिपूर्ति और पोडु भूमि के पट्टों के वितरण जैसे कई वादों को लागू किए बिना किस मुंह से जश्न मना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य कांग्रेस पार्टी के आह्वान पर सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में सीएम केसीआर का पुतला जलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस विचार के साथ सोनिया गांधी ने तेलंगाना राज्य दिया था, उसके अनुरूप वे तेलंगाना के लोगों को सामाजिक कल्याण प्रदान करने के लिए कांग्रेस पार्टी की कार्रवाई के बारे में लोगों को सूचित करेंगे।

## गौ रक्षकों पर हमले के आरोपियों को हिरासत में लिया गया

### एसआईटी की टीम ने 12 घंटो में 6 को धरा

निर्मल/भैंसा, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिला कुंटाला मंडल के सीमा प्रांत महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला किनवट तालुका शिवनी में गौ रक्षक शेखर रापेल्ली और उसके साथियों पर हमला किया, जिसमें शेखर की मौत हो गई थी और अन्य घायल हुए। इस्लापुर पुलिस स्टेशन के सपोनी रवि वाहुले को जिला पुलिस अधीक्षक कोकाटे ने निलंबित कर दिया है। इस दौरान अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने वाले अधिकारी के निलंबन पर स्थानीय नागरिक नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। अप्पारावपेट में हुए हमले की व्यापक रूप से रिपोर्ट की जा रही है। पिछले दो-तीन दिनों से आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और याचिकाएं दी जा रही हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए राज्यों के अलग-अलग हिस्सों में टीमें तैनात की हैं। माना जा रहा है कि 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बीच, जिला पुलिस अधीक्षक कोकाटे ने मामले में इस्लापुर पुलिस स्टेशन के सपोनी रवि वाहुले को निलंबित कर दिया है। इंस्पेक्टर विलास गोबडे को इस्लापुर का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

## तेलंगाना राज्य के लिए शहीदों का बलिदान अविस्मरणीय : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य के लिए शहीदों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। गुरुवार को जिला केंद्र के चिल्ड्रेन पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में जिले के अतिरिक्त कलेक्टर राजेशम, एसपी सुरेश कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी, आसिफाबाद, कागज नगर के विधायकों के साथ अतराम सक्कू और कोनेरू कोनप्पा ने शहीद स्तूप पर श्रद्धांजलि अर्पित की। तेलंगाना अवतरण दसाब्दी समारोह का हिस्सा। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि तेलंगाना राज्य की प्राप्ति में शहीदों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि उस समय के आंदोलन में शहीदों के बलिदान के परिणामस्वरूप तेलंगाना राज्य का गठन हुआ और आज हम स्वराष्ट्र का फल भोग रहे हैं। बाद में मृतक के परिजनों को सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में जिला परिषद के उपाध्यक्ष कोनेरू कृष्ण राव, संबंधित विभागों के अधिकारी, जन प्रतिनिधि, शहीदों के परिजन और अन्य लोग शामिल हुए।

# विपक्षी दलों की बैठक आज, बिहार में बनेगा राष्ट्रीय महागठबंधन

## पीएम फेस ना सही नीतीश बनेंगे संयोजक?

पटना, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के अथक प्रयास के बाद 23 जून को बीजेपी विरोधी दल एक साथ बैठने के लिए तैयार हुए हैं। पटना में शुक्रवार को 17 से 18 पार्टियां एक साथ केंद्र की सत्ता से नीतीश कुमार को बेदखल करने के लिए बैठेगी। इन सभी पार्टियों की राजनीतिक विचारधार अलग है। इनके एजेंडे अलग हैं। अपने-अपने क्षेत्र में राजनीति करने का इनका तरीका अलग है। बैठक में शामिल होन वाले कई दल तो ऐसे हैं जो राज्यों में एक दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं। इसके बाद भी ये सभी एक साथ बैठने के लिए तैयार हुए हैं तो यह नीतीश कुमार की लगातार कोशिश का ही नतीजा है। दरअसल पिछले साल अगस्त में जब नीतीश कुमार पाला बदलकर महागठबंधन के साथ हुए, उसके बाद से ही उन्होंने बीजेपी विरोधी दलों को एक मंच पर लाने की कवायद शुरू कर दी। नीतीश कुमार इसके लिए तीन बार दिल्ली गए, कोलकाता, लखनऊ मुंबई भी नापा

23 जून को पटना में महाजुटान

नीतीश कुमार बनेंगे संयोजक

उन्होंने करीब 10 महीने तक एक-एक दल के नेताओं से मुलाकात की। कई दलों ने साथ आने से मना कर दिया तो कई दलों को बीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस से भी परहेज था। नीतीश कुमार ऐसे कई दलों को (ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल) को मनाने में कामयाब हुए तो कई दलों (केसीआर, जगन रेड्डी, नवीन पटनायक) को साथ नहीं ला सके। 10 महीने पहले विपक्षी एकता की कवायद में निकले नीतीश कुमार के कुनबे में अभी 17 पार्टियां जिसमें कांग्रेस, टीएमसी, सपा, आप, एनसीपी, शिवसेना (उद्धव गुट), पीडीपी, जेएमएम और वाम पार्टियां शामिल है।

नीतीश कुमार के मैराथन प्रयास के बाद अगर पहले दौर का बैठक कामयाब रहता है तब इस महाजुटान को एक गठबंधन का रूप दिया जाएगा। फिर गठबंधन किस तरह बीजेपी के खिलाफ मोर्चा लेगी यह तय होने से पहले गठबंधन का नाम तय हो सकता है। साथ ही सभी को साथ रखने के लिए एक संयोजक भी विपक्षी पार्टियां चुन सकती है। बिहार की राजनीति को नजदीक से जानने समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी कहते हैं 23 जून को बीजेपी विरोधी दल एकसाथ एक टेबल पर होंगे यह सीएम नीतीश कुमार की कोशिशों का नतीजा है

### नए गठबंधन का क्या होगा नाम

पहले दौर का बैठक अगर सफल रहता है तो एक गठबंधन तैयार होगा जिसे बीजेपी विरोधी मोर्चा या राष्ट्रीय महागठबंधन नाम दिया जा सकता है। एनडीए के विरोध में पहले यूपीए का गठन हुआ था जिसका नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही है। इस गठबंधन के नीचे सभी दल आए यह संभव नहीं है क्योंकि कई दलों को कांग्रेस के नेतृत्व करने तो कई को काग्रेस से ही दिक्कतें हैं। ऐसे में सभी की सलाह से एक नया नाम भी दिया जा सकता है। रही बात नीतीश कुमार को संयोजक बनाने की तो वह अभी संयोजक की भूमिका में ही हैं।

### नीतीश के लिए किसी का दिल बड़ा नहीं'

जबकि वरिष्ठ पत्रकार रवि कहते हैं पटना में अलग-अलग पार्टियों ने बैठक से पहले पोस्टर लगाए हैं। कई राजनीतिक दलों के पोस्टर से नीतीश गायब हैं, कुछ ने जगह दी भी है तो बस औपचारिकता पूरी की है। इससे लगता है कि बैठक का श्रेय नीतीश को देने में किसी का दिल बड़ा नहीं है। रही बात गठबंधन के नाम का,तो ये तय है कि एनडीए के खिलाफ बन रहा ये गठबंधन यूपीए नहीं होगा। क्योंकि यूपीए में यह तय था कि नेतृत्व कांग्रेस के हाथों में रहेगा, बिहार में जिस गठबंधन की कवायद हो रही है उसका चेहरा कौन होगा यह तय नहीं है।

## बर्थडे पार्टी में आई थी लड़की, चोरी के शक में पीट-पीट कर हत्या

गाजियाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद में बहन के ननदोई के घर में आयोजित बर्थडे पार्टी में शामिल होने आई लड़की की चोरी के शक में बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने ननद, ननदोई समेत 8 लोगों को हिरासत में लिया है। देर रात तक उनसे पूछताछ चलती रही। आरोपी युवती को डंडे और लोहे की रॉड से तब तक पीटते रहे, जब तक वो मर नहीं गई। पिटाई से जब वो युवती चीखने चिल्लाने लगी, तो आरोपियों ने तेज आवाज में गाने बजा दिए, ताकि पड़ोसियों को शक न हो। हत्या के बाद आरोपियों ने सुबूत नष्ट करने के लिए मृतका के कपड़े बदले, खून साफ किया और चोरी हुए जेवरात ढूंढने के लिए करीब पौने 200 किलोमीटर दूर उसके घर सहारनपुर पहुंच गए, लेकिन वहां भी कुछ नहीं मिला।

## विपक्ष की बैठक पर मायावती का तंज

### दिल मिले न मिले हाथ मिलाते रहिए' की कहावत चरितार्थ हो रही

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती ने 23 जून को होने जा रही विपक्षी पार्टियों की बैठक पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक 'दिल मिले ना मिले हाथ मिलाते रहिए' की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करती है। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, शिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक उन्माद और हिंसा आदि से देश में बहुजन के हालात त्रस्त हैं । इससे स्पष्ट है कि बाबासाहब भीमराव अंबेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस और बीजेपी जैसी पार्टियों के पास नहीं है। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि वैसे अगर लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले यह पार्टियां जनता में उनके प्रति आम विश्वास जगाती तो ठीक होता। अपने गिरेबान में झांक कर अपनी नीयत को साफ करतीं तो सही होता। मुंह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी हैं लेकिन विपक्षी पार्टियों के रवैए से ऐसा नहीं लगता। वह यहां अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर या सही मायने में चिंतित नहीं हैं। बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यह लोकसभा चुनाव की तैयारियां क्या वाकई बदलाव ला पाएंगी।

## पटना में विपक्षी दलों की बैठक को झटका

### रालोद प्रमुख जयंत चौधरी नहीं होंगे शामिल, नीतीश कुमार को लिखी चिट्ठी

पटना, 22 जून (एजेंसियां)। 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक को बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने इस बैठक में शामिल होने पर अपनी असमर्थता जाहिर की है। रालोद अध्यक्ष ने इसे लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखी है, जिसमें उन्होंने बताया कि वो अपने पूर्व में निर्धारित कार्यक्रमों की वजह से इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे।

हालांकि इस चिट्ठी के बाद एक बार फिर से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ उनकी अनबन को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं। आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी ने नीतीश कुमार को लिखी चिट्ठी में कहा है कि वो पूर्व निर्धारित पारिवारिक कार्यक्रम की वजह से इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस बैठक को अपना समर्थन भी दिया है और कहा कि विपक्षी दलों का एकजुट होना समय की मांग है। इसके साथ ही उन्होंने इस बैठक के लिए सीएम नीतीश कुमार को अपनी शुभकामनाएं भी दी है।

### चिट्ठी में लिखी ये बात

जयंत चौधरी ने चिट्ठी में लिखा कि, 'अधिनायकवादी और सांप्रदायिक शक्तियां जिस तरह से लोकतंत्र और सामाजिक समरसता के लिए खतरा पैदा कर रही हैं, उसे देखते हुए समानधर्मी विपक्षी दलों का एकजुट होना समय की मांग है। देश की समस्याओं और चुनौतियों पर संवाद कर समूचा विपक्ष जनता के सामने एक दूरगामी व्यावहारिक योजना प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे हम साथ मिलकर युवा, महिलाएं, किसान और वंचित समाज की आकांक्षाओं और विश्वास के साथ देश में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं।

## विपक्षी बैठक से पहले ईडी और आयकर विभाग की रेड

### सीएम नीतीश के मंत्री के साले के यहां छापेमारी

बेगूसराय, 22 जून (एजेंसियां)। राजधानी पटना में शुक्रवार (23 जून) को विपक्षी एकता की बैठक होनी है तो वहीं दूसरी ओर बेगूसराय में नीतीश कुमार के करीबी मंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विजय चौधरी के साले अजय के यहां छापेमारी हो रही है। छापेमारी करने के लिए सुबह-सुबह ईडी और इनकम टैक्स (आईटी) की टीम ने धावा बोल दिया। अजय सिंह उर्फ कारू सिंह उद्योगपति हैं। उनकी अपनी लोहे की फैक्ट्री है। ठेकेदार भी हैं।

### सुबह करीब छह बजे के आसपास पहुंची है टीम

फिलहाल किस मामले में जांच एजेंसियों की टीम पहुंची है यह अभी साफ नहीं हो पाया है। कहा जा रहा है कि आज गुरुवार की सुबह करीब छह बजे के आसपास जांच एजेंसियों की टीम अजय कुमार सिंह उर्फ कारू सिंह के बेगूसराय के श्रीकृष्णा नगर स्थित आवास पहुंच गई थी। हालांकि छापेमारी के करीब चार घंटे होने को चला है लेकिन अब तक कोई जानकारी बाहर निकल कर नहीं आई है।

### शुरू करने वाले थे इथेनॉल की फैक्ट्री

जानकारी के अनुसार, विजय चौधरी के साले अजय सिंह उर्फ कारू सिंह बिहार के चर्चित उद्योगपति हैं। मुख्य पेशा ठेकेदारी रहा है। हालांकि इनके पास कुछ फैक्ट्री भी हैं। फैक्ट्री में मुख्य रूप से ये छड़ का धंधा करते हैं। चर्चा ये भी है कि हाल के दिनों मे ये इथेनॉल की फैक्ट्री भी शुरू करने वाले थे। ठेकेदारी भी बड़े पैमाने पर चलती है। अब अचानक छापेमारी से जिले में हड़कंप मच गया है।

### एक साथ कई ठिकानों पर हो रही छापेमारी

बताया जा रहा है कि श्रीकृष्णा नगर स्थित आवास के अलावा टीम मटिहानी थाना क्षेत्र के मटिहानी गांव और फुलवरिया थाना क्षेत्र स्थित फैक्ट्री पर एक साथ छापेमारी कर रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह होने से पहले ही करीब एक दर्जन से अधिक गाड़ी अजय सिंह के आवास के आसपास आई और रुक गई। फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि जांच एजेंसियों के पहुंचने की टाइमिंग पर भी सवाल उठ रहे हैं। कल पटना में नीतीश कुमार की अध्यक्षता में विपक्षी दलों की बैठक है। विपक्षी पहले से ही आरोप लगा रहा है कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को परेशान किया जा रहा है।

## 2024 में तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी

### सहारनपुर में बीजेपी नेता अरुण सिंह ने लोगों से मांगे वोट

सहारनपुर, 22 जून (एजेंसियां)। पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पीएम मोदी की शान में कसीदे गढ़े। उन्होंने मोदी सरकार के 9 साल को बेमिसाल बताया। बीजेपी नेता कहा कि कांग्रेस ने जो काम 60 वर्षों में नहीं किया, प्रधानमंत्री मोदी ने 9 वर्षों में कर दिखाया। इसलिए साधु-संत भी पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ और समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 9 वर्षों के दौरान पीएम मोदी की अगुवाई में ऐतिहासिक काम हुए। 9 वर्षों में भारत का मान सम्मान बढ़ा है, गरीबों के लिए अनेक योजनाएं चलाई गईं। 9

वर्षों का हिसाब किताब जनता को दिया जा रहा है।

### महा जनसंपर्क अभियान के तहत जनसभा को संबोधित किया

समाज के प्रबुद्धजनों को सरकार की उपलब्धियों से जुड़ी एक किताब दी जा रही है। उन्होंने बताया कि बीजेपी के सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता लोगों से मुलाकात कर हैं। उन्होंने पीएम मोदी को समर्थन मिलने पर खुशी जताई। अरुण सिंह ने कहा कि एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी के नाम पर वोट पिछली बार से भी ज्यादा मिलेगा। 2024 में नरेंद्र मोदी ज्यादा से ज्यादा मतों से जीतकर प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

### अरुण सिंह ने गिनाईं नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह लेबर कॉलोनी में महा जनसंपर्क अभियान के तहत जनसभा को संबोधित करने सहारनपुर पहुंचे थे। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर बीजेपी महा जनसंपर्क अभियान चला रही है। महा जनसंपर्क अभियान के तहत बीजेपी नेता लोगों से मुलाकात कर मोदी सरकार की उपब्धियों को गिनाते हुए 2024 के लिए वोट भी मांग रहे हैं। बीजेपी का महा जनसंपर्क अभियान 30 जून को खत्म होगा।

### पूर्व प्रधान की हत्या का एक और आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

कन्नौज, 22 जून (एजेंसियां)। सदर कोतवाली इलाके के जलालपुर अमरा गांव में बीते दिनों हुई पूर्व प्रधान की हत्या में वांछित अपराधियों की धरपकड़ की जा रही है। इसी क्रम में एसओजी और सदर कोतवाली पुलिस की सयुंक्त कार्रवाई में बुधवार को एक और आरोपित को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। सदर कोतवाली प्रभारी अजय अवस्थी ने बताया कि बुधवार को पूर्व प्रधान की हत्या में शामिल फरार आरोपित रामसेवक की लोकशन करीमपुर मार्ग के आसपास मिली। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपित को आत्मसमपर्ण के लिए कहा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। इसमें वह घायल हो गया।

## शौहर ने दिया तलाक तो बदला धर्म

### श्रीकृष्ण भक्ति से नाराज पति ने घर से भगाया

बरेली, 22 जून (एजेंसियां)। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से नाराज शौहर ने शहनाज को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। शहनाज ने बचपन के साथी पवन को आपबीती सुनाई तो दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थामने का फैसला कर लिया। इसके बाद मढ़ीनाथ स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम में दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। फरीदपुर के गांव ढहरी निवासी शहनाज की शादी 2018 में हुई थी। मिश्रित आबादी का गांव होने के कारण शहनाज हिंदुओं के धार्मिक कार्यक्रमों में भी शामिल होती थी। इस दौरान शहनाज की आस्था भगवान श्रीकृष्ण में बढ़ती गई। शादी के बाद भी शहनाज भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करती थी। ससुरालियों और पति ने कई बार इसका विरोध किया। शादी के दो महीने बाद ही पति ने शहनाज को भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करते हुए देख लिया। इससे नाराज होकर उसे तीन तलाक दे दिया। पति और ससुराल वालों को उसने समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद शहनाज मायके में रहने लगी। मायके में रहने के दौरान गांव के ही बचपन के साथी पवन से उसकी मुलाकात हुई। सोमवार को पवन और शहनाज मढ़ीनाथ स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम पहुंचे। यहां शुद्धीकरण के बाद शहनाज ने हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली। दोनों ने सात फेरे लेकर साथ रहने का संकल्प लिया।

### नाबालिग से सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो सेवानिवृत्त शिक्षकों को 20 साल की जेल

मुजफ्फरनगर, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की एक पॉक्सो अदालत ने मार्च 2022 में नौ साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो सेवानिवृत्त शिक्षकों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला सरकारी वकील (एडीजीसी) दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षक 72 वर्षीय राजकुमार शर्मा, लड़की के इलाके में एक स्कूल चलाते थे। वह स्कूल के प्रिंसिपल थे और 65 वर्षीय एक अन्य सेवानिवृत्त शिक्षक उदयपाल धीमान वहां पढ़ाते थे। उन्होंने 2 मार्च, 2022 को नाबालिग के साथ वारदात को अंजाम दिया।

## सुशील कुमार मोदी ने कहा- जिसके एक एमपी नहीं वो 303 सांसदों वाली पार्टी को दे रहा चुनौती, बताया क्यों हो रही विपक्षी बैठक

पटना, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान विपक्षी एकता की बैठक पर तीखा हमला किया। सुशील मोदी ने कहा कि इससे बिहार की जनता को कोई संदेश नहीं मिलने वाला है। तंज कसते हुए कहा कि जेल जाने के डर से यह बैठक बुलाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष लाख प्रयास कर ले लेकिन जनता ने मन बना लिया है और बिहार में 40 की 40 सीट बीजेपी को ही मिलेगी। एक सवाल पर कि तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि यह बैठक बदलाव के लिए हो रहा है और बिहार सेंटर रहा है। इस पर सुशील कुमार मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि बदलाव का सेंटर तो रहा ही है इसलिए नरेंद्र मोदी को पिछले लोकसभा चुनाव में 39 सीट मिली और तेजस्वी यादव का तो खाता नहीं खुला। जिस पार्टी का एक भी एमपी नहीं है वह 303 सांसदों वाली पार्टी को चुनौती दे रहा है।

### 'नीतीश कुमार का और बुरा हाल'

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने तो पहले प्रयास किया था कि जनता परिवार एकजुट हो जाए, लेकिन वह कहां कर पाए। उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब लालू यादव बिहार में 150 सीट जीते थे। बाद में घटकर 22 पर पहुंच गए। तो लालू यादव में वोट ट्रांसफर करने की क्षमता नहीं है। नीतीश कुमार का और बुरा हाल है। 115 विधायक थे 2010 में और अब घट कर 44 हो गए हैं।

### जेल जाने के डर से हो रही बैठक

कांग्रेस और आरजेडी पर हमला करते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि इन सबको डर है कि कहीं नरेंद्र मोदी आ गए तो कोई बचेगा नहीं। सब जेल चले जाएंगे। जेल जाने के डर से ये एक हो रहे हैं। अब तो जीतन राम मांझी हमारे साथ आ गए, उपेंद्र कुशवाहा और आरसीपी सिंह भी आ गए हैं। लाख प्रयास कर लें लेकिन बिहार की जनता 40 की 40 सीट नरेंद्र मोदी को ही देगी।

## नोएडा में अब अपराधियों की खैर नहीं, महिला पुलिस के साथ काम करेंगी शक्ति दीदी

नोएडा, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुध नगर में अब महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालो की खैर नहीं होगी। नोएडा पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत नोएडा में मिशन शक्ति दीदी कार्यक्रम लॉच किया है। इस कार्यक्रम के तहत समाज की कुछ जागरूक महिलाओं को शक्ति दीदी का बैच दिया गया है। जो महिलाओं को कानूनी मदद करेंगी।

नोएडा के सेक्टर 108 स्तिथ पुलिस

कमिश्नर दफ्तर में महिलाओं को सशक्तिकरण करने के लिए मिशन शक्ति के तहत नोएडा पुलिस कमिश्नरेट ने शक्ति दीदी कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में नोएडा पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों के सैकड़ों महिलाओं को शक्ति दीदी का बैच दिया है। शक्ति दीदी महिलाओं की मदद करेंगी। खास कर उत्पीड़न झेल रहीं वो महिलाएं जो समाज के कारण पुलिस तक नहीं जा पाती हैं। उन महिलाओं को शक्ति दीदी पुलिस से मदद दिलवाएगी। शक्ति दीदी बनाए जाने से महिला बिट पुलिसिंग में भी आसानी होगी। अपने-अपने इलाको में घूमने वाली महिला बिट पुलिस शक्ति दीदी के सहारे महिलाओं से बात करेंगे उन्हें जागरूक करेंगी। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि एक सेमिनार महिला बिट अधिकारियों के साथ किया गया है। वो किस तरह काम करती हैं। आगे कैसे काम करेंगी। इस विषय पर बातचीत की गई है। साथ ही जिले के गांवों और सेक्टरों से कुछ महिलाएं आई थीं। जिनको शक्ति दीदी का बैच दिया गया है। ये महिला बिट अधिकारियों के मिशन शक्ति को जन जन तक पहुचाने में विभाग के साथ काम करेगी। आने वाले दिनों में उम्मीद है कि इन शक्ति दीदी के माध्यम से मिशन शक्ति अच्छे से काम करेगा। नए क्रांतिकारी रिजल्ट आएगा। 23 विभागों को जोड़कर मिशन शक्ति कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। सभी 23 विभागों की जनाकरी महिला बिट अधिकारी शक्ति दीदी को देंगी ताकि महिलाओ को मदद मिल सके।

## ज्वैलर व व्यापारियों के 17 ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी, छानबीन जारी

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ सहित देश के अलग-अलग शहरों में ज्वैलर व व्यापारियों के 17 ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की है। ये छापेमारी, दिल्ली एनसीआर, लखनऊ, कानपुर और कोलकाता में की गई है। कानपुर में राधा मोहन पुरषोत्तम दास ज्वैलर और एमरल्ड गार्डन हाउसिंह सोसाइटी के प्रमोटर संजीव झुनझुनवाला सहित कई व्यापारियों व ज्वैलर के ठिकानों पर छापे मारे गए हैं।

## सूफी संत की दरगाह पर करवाया गया योग कार्यक्रम नाखुश उमर अब्दुल्ला ने दिया बड़ा बयान

श्रीनगर, 22 जून (एजेंसियां)। बगडाम की एक दरगाह पर योग कार्यक्रम करवाए जाने से जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला काफी खफा नजर आ रहे हैं। दरअसल, बडगाम जिले में एक सूफी संत की दरगाह के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उमर अब्दुल्ला ने इस कार्यक्रम की आलोचना करते हुए इसे 'तस्वीर खिंचवाने का मौका' करार दिया। चरार-ए-शरीफ में सेना ने शासन के साथ मिलकर योग कार्यक्रम का आयोजन किया था। अब्दुल्ला के अलावा श्रीनगर के मेयर ने भी इस कार्यक्रम पर आपत्ति जताई है। बता दें कि सेना ने शासन के साथ मिलकर मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में स्थित चरार-ए-शरीफ में शेख-उल-आलम और आलमदार-ए-कश्मीर के नाम से मशहूर सूफी संत शेख नूर-उद-दीन-नूरानी की दरगाह के प्रांगण में स्कूली छात्रों के लिए एक योग सत्र आयोजित किया था।

# सीएम विजयन के पीएस की पत्नी को केरल एचसी से राहत

### सिंगल बेंच का आदेश खारिज, नियुक्ति को लेकर क्यों मचा था बवाल

तिरुअनंतपुरम, 22 जून (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निजी सचिव की पत्नी प्रिया वर्गीज की कन्नूर विश्वविद्यालय में मलयालम की सहायक प्रोफेसर के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति के खिलाफ अपने सिंगल बेंच के जस्टिस के आदेश को बृहस्पतिवार को रद कर दिया। जस्टिस ए के जयशंकरन नांबियार और जस्टिस मोहम्मद नियास सीपी की बेंच ने सिंगल बेंच के 17 नवंबर को जारी आदेश के खिलाफ दायर प्रिया वर्गीज की याचिका को स्वीकार कर लिया। डबल बेंच ने कहा कि रिट स्वीकार की जाती है। विजयन के निजी सचिव केके रागेश की पत्नी प्रिया वर्गीज ने सिंगल बेंच के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि उनके पास विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियम 2018 के तहत निर्धारित अवधि के अनुसार वास्तविक शिक्षण अनुभव नहीं है। सिंगल बेंच के जस्टिस ने यह भी कहा था कि कन्नूर विश्वविद्यालय में एनएसएस समन्वयक या छात्र सेवा निदेशक (डीएसएस) के रूप में प्रिया वर्गीज की सेवा की अवधि और उनका रिसर्च में बिताया गया समय एक अच्छे शिक्षक के रूप में उनकी पदोन्नति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। लेकिन यह शिक्षण में अपेक्षित अनुभव के अभाव में पर्याप्त नहीं होगा।

**सीएम के निजी सचिव की पत्नी को इंटरव्यू में मिले थे सबसे ज्यादा नंबर**

सिंगल बेंच के आदेश को रद करने के आदेश से प्रिया वर्गीज को बड़ी राहत मिलेगी, जिनकी प्रस्तावित नियुक्ति ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। उनके शोध कार्य के अंक सबसे कम थे। लेकिन साक्षात्कार के चरण में उन्होंने सबसे ज्यादा नंबर हासिल किए थे। चयन प्रक्रिया में उन्हें अव्वल घोषित किया गया था।

**राज्यपाल ने नियुक्ति पर रोक लगाकर कहा था- विवि का फैसला राजनीति से प्रेरित**

केरल में विश्वविद्यालयों के चांसलर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने प्रिया वर्गीज की नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रिया वर्गीज को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त करने का कन्नूर विश्वविद्यालय का फैसला राजनीति से प्रेरित था। राज्यपाल के आदेश के बाद सिंगल बेंच का फैसला प्रिया के लिए खासी परेशानी पैदा करने वाला था। फिलहाल डबल बेंच के फैसले से उनको खासी राहत मिली है।

# दिल्ली में मंदिर पर 'महाभारत

### अवैध ग्रिल तोड़ने पहुंची टीम से भिड़े प्रदर्शनकारी, भारी सुरक्षाबल की तैनाती

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मंडावली इलाके में गुरुवार को शनि मंदिर के बाहर अवैध रेलिंग को तोड़ने पहुंची टीम को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमण विरोधी प्रशासन की टीम का लोगों ने जबरदस्त विरोध किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान स्थानीय पुलिस के साथ पैरामिलिट्री फोर्स सुरक्षा में तैनात थे। मौके पर बीजेपी के स्थानीय पार्षद रवि नेगी भी मौजूद थे। मंडालवी में अतिक्रमण विरोधी दस्ता द्वारा मंदिर का ग्रिल हटाने की कार्रवाई का लोगों ने जमकर विरोध किया। इस दौरान सुरक्षा बलों के जवानों और महिलाओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई है। बताया जा रहा है कि महिलाओं ने कार्रवाई का डटकर विरोध किया। मुहिलाओं ने पुलिसकर्मियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिलाओं का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के कपड़े तक भी फाड़ दिए।

**पुलिस ने भीड़ को हटाया**

दूसरी तरफ महिलाओं के विरोध के बावजूद प्रशासनिक दस्ते में मंदिर के ग्रिल को हटा दिया है। इस बीच नाराज महिलाओं ने डंडे और फावड़े आदि लेकर पुलिस की तरफ आगे बढ़ी थीं, लेकिन पुलिस ने भीड़ को मौके से हटा दिया है। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के खिलाफ जुटी महिलाओं में से एक महिला ने कहा कि प्रशासनिक दस्ते ने किसी की शिकायत के आधार पर ये कार्रवाई की है। महिलाओं का कहना है कि यहां किसी भी स्तर पर कोई अतिक्रमण नहीं है।

# शहडोल में पीएम नरेंद्र मोदी लखपति दीदी

### फुटबाल प्लेयर्स और जनजातीय समाज के मुखिया से करेंगे संवाद

भोपाल, 22 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून मध्य प्रदेश आ रहे है। प्रधानमंत्री भोपाल और शहडोल के कार्यक्रम में शामिल होंगे। शहडोल में पीएम लखपति दीदी, फुटबाल प्लेयर्स और जनजातीय समाज के मुखिया से बातचीत करेंगे। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश को फिर सौगात देने पधार रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को स्मार्ट सिटी पार्क में मीडिया से बातचीत में कहा कि यह वैभवशाली, गौरवशाली भारत के निर्माण के 9 वर्ष है। उसी के उपलक्ष्य में बालाघाट में बड़ी जनसभा का आयोजन है। वीरागंना रानी दुर्गावती भारत के स्वाभिमान की प्रतीक है। उन्होंने पराधीनता स्वीकार नहीं की। अकबर और उसके सेनापति से लड़ी और बलिदान दिया। वह वीरता और शौर्य की प्रतीक थी। उनको पूरा मध्य प्रदेश देवी की तरह श्रद्धा की दृष्टि से देखता है। 24 जून को उनका बलिदान दिवस है। इस दिन कई कार्यक्रम होते है। इसलिए इसलिए 27 को शहडोल में बड़ा कार्यक्रम मनाया जाएगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश आ रहे है। पहले भोपाल में दो वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। फिर भोपाल से बूथ पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद होगा। इसके बाद शहडोल में प्रधानमंत्री का कार्यक्रम है। 22 जून को प्रारंभ होने वाली पांच गौरव यात्राएं 27 जून को शहडोल पहुंचेगी। जिनका समापन कार्यक्रम प्रधानमंत्री की मौजूदगी में होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री दो अभियान लांच करेंगे। पहला सीकल सेल एनीमिया मिशन का शुभारंभ करेंगे। इसमें सीकल सेल एनीमिया से पीड़ितों की स्क्रीनिंग और इलाज की व्यवस्था का अभियान होगा। दूसरा मध्य प्रदेश में एक करोड़ से ज्यादा हमारे आयुष्मान कार्ड का वितरण प्रतीकात्मक रूप से कार्यक्रम होगा। उसी समय सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और उसके साथ-साथ गांव, शहर और पंचायतों में कार्ड का वितरण किया जाएगा। आयुष्मान योजना में परिवार का साल भर में पांच लाख तक का इलाज निःशुल्क किया जाता है।

शहडोल में शाम को प्रधानमंत्री लखपति दीदी से बातचीत करेंगे। सीएम ने लखपति दीदी का के बारे में बताया कि सेल्फ हेल्प ग्रुप की ऐसी महिलाएं जिनकी एक साल में आय एक लाख से ज्यादा हो गई है। उन्होंने अपनी मेहनत से अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारा है। सीएम ने बताया कि प्रदेश में पैसा एक्ट लागू हो चुका है। कई ग्राम सभाओं ने तेंदूपत्ता तोड़ा है। पीएम उनके सदस्यों, शहडोल के आसपास के फुटबाल के खिलाड़ियों और जनजाति समाज के मुखिया से भी बातचीत करेंगे। वहीं, उनका भोजन होगा।

## कठुआ की पंचायत धनोड से जंग लगा ग्रेनेड बरामद, बम निरोधक दस्ते ने किया निष्क्रिय

कठुआ, 22 जून (एजेंसियां)। जिला कठुआ के प्रवेशद्वार लखनपुर थाना क्षेत्र के अधीन पड़ती बसंतपुर चौकी के अधिकार क्षेत्र की पंचायत धनोड के वन क्षेत्र में गुरुवार सुबह जंग लगा जिंदा ग्रेनेड मिलने से सनसनी फैल गई। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंच कर ग्रेनेड को निष्क्रिय कर दिया। हालांकि, अभी तक इससे संबंधित कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पंचायत धनोड के सरपंच ने बताया कि गांव का एक युवक वन क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी आज सुबह एक स्थानीय युवक की नजर जंग लगे ग्रेनेड पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर बाद कठुआ पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता भी मौके पर पहुंच गया। बम निरोधक दस्ते ने ग्रेनेड को एक सुरक्षित स्थान पर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया। क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय स्कूल और आर्मी एरिया चारों ओर बसा हुआ है, लेकिन आज तक इस क्षेत्र में कोई भी आतंकी वारदात नहीं हुई है। इस क्षेत्र में सेना और पुलिस प्रशिक्षण भी करते हैं। माना जा रहा है कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हीं से यह ग्रेनेड काफी समय पहले इस क्षेत्र में छूट गया होगा।

# दिग्विजय सिंह का आरोप

### मंत्री गोविंद राजपूत के इशारे पर तुड़वा दिए दलितों के पीएम आवास

भोपाल, 22 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और बुलडोजर की एंट्री एक बार फिर मप्र की राजनीति में हुई है। मामला सागर जिले के सुरखी विधानसभा से जुड़ा हुआ है, जहां प्रशासन ने रैपुरा गांव में 10 अहिरवार समाज के पीएम आवास योजना में बने मकानों को अतिक्रमण बताकर तोड़ दिया। दिग्विजय सिंह ने सीधा आरोप राजस्व मंत्री गोविंद राजपूत पर लगाते हुए कहा कि उनके इशारे पर दलितों के मकानों पर बुलडोजर चड़ा दिया गया है, क्योंकि वे मंत्री से डरते नहीं हैं। दोपहर में दिग्गी रैपुरा गांव भी पहुंचे थे। दिग्विजय सिंह ने प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जो दलित उनसे डरे नहीं, इसलिए उनके मकानों को अतिक्रमण बताकर बुलडोजर चलवा दिया है। दिग्विजय सिंह गुरुवार दोपहर सागर जिले के सुरखी विधानसभा के रैपुरा गांव पहुंचे थे। यहां प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद मलबे में तब्दील मकानों को देखा और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को जाना। दिग्विजय सिंह ने बताया कि लोगों का कहना है कि वे 50 साल से अधिक से यहां रह रहे हैं। बिना नोटिस दिए सीधे घर और गृहस्थी पर बुलडोजर चला दिया। गृहस्थी का सामान तक नष्ट कर दिया। सामान निकालने तक का मौका नहीं दिया।

**पीएम आवास की राशि स्वीकृत कर बनाए थे मकान**

दिग्विजय सिंह गुरुवार दोपहर सागर होते हुए सुरखी के रैपुरा गांव पहुंचे थे। यहां जेसीबी से ढहाए गए मकानों के बीच खड़े होकर उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की तो लोगों ने बताया कि उन्होंने पीएम आवास योजना की राशि से यह मकान बनाए थे। सभी परिवार 50 साल से अधिक समय से यहां रह रहे हैं। हमें बगैर नोटिस दिए ही अचानक जेसीबी लाकर मकान धराशायी कर दिए। घर-गृहस्थी का पूरा सामान मलबे में दम गया हैं। दिग्विजय सिंह ने इसे मंत्री गोविंद सिंह के इशारे पर की गई कार्रवाई बताया। मामले में दिग्गी की एंट्री ने मामले ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है।

# उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में 600 मीटर गहरी खाई में बोलेरो गिरने से 9 की मौत, 2 घायल

पिथौरागढ़, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एक बोलेरो के करीब 600 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से करीब नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि बोलेरो में करीब 11 लोग सवार थे, जिनमें से करीब नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य बुरी तरह से घायल हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि यह घटना पिथौरागढ़ के मनुस्यारी ब्लॉक के होकरा में घटी है। इस घटना में मरने वाले लोग उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के सामा गांव से कोकिला देवी मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे।

**कोकिला देवी का दर्शन करने जा रहे थे लोग**

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी ब्लॉक के होकरा गांव के पास एक बोलेरो करीब 600 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे करीब नौ लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप

से घायल बताए जा रहे हैं। कुमाऊं के महानिरीक्षक (आईजी) नीलेश आनंद भरणे ने कहा कि बोलेरो में करीब 11 लोग सवार थे, जिनमें से करीब नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य बुरी तरह से घायल हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना में मरने वाले लोग उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के सामा गांव से कोकिला देवी मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे।

**बागेश्वर जिले के सामा गांव के निवासी थे मृतक**

कुमाऊं के महानिरीक्षक (आईजी) नीलेश आनंद भरणे ने कहा कि कोकिला देवी मंदिर के दर्शन के लिए जाने वाले लोग बागेश्वर के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर हैं। आईजी नीलेश आनंद भरणे ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या तीन लोगों की मौत की जानकारी मिली थी। पुलिस के टीम के मौके पर पहुंचने के बाद ही मरने वालों के सही आंकड़ों की जानकारी मिल सकेगी।

## वृद्ध जंगली भालू से भिड़ा, आंख निकलने के बाद 2 किमी पैदल चला

उत्तर कन्नड़, 22 जून (एजेंसियां)। (कर्नाटक) कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार को 70 वर्षीय एक व्यक्ति पर जंगली भालू ने हमला कर दिया। व्यक्ति ने हिम्मत से भालू का सामने किया और उसकी जान बच गई। हालांकि, व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका बेलगावी के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल व्यक्ति का नाम विट्ठू शलाके है और वह महाराष्ट्र का रहने वाला है।इसी दौरान भालू ने शालके पर हमला कर दिया। इस हमले में भालू ने व्यक्ति की एक आंख निकाल दी और दूसरी को घायल कर दिया। हालांकि, वृद्ध शख्स ने हिम्मत दिखाई और चीखते-चिल्लाते हुए भालू के चंगुल से भागने में सफल रहा। भालू जब व्यक्ति को छोड़कर जंगल में भाग गया, तब वह खून से लथपथ होने के बावजूद करीब दो किलोमीटर तक पैदल चला। रामनगर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद शलाके को बेलगावी के एक अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया।

# क्लासमेट, अफेयर फिर अधिकारी बनने के बाद दूरी तो इस वजह से राहुल ने की दर्शना की हत्या

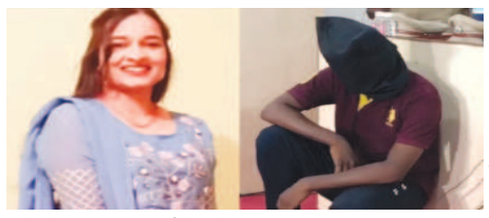

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कथित दर्शना पवार मर्डर केस में पुलिस ने आरोपी राहुल हंडोरे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी अंधेरी रेलवे स्टेशन से हुई है। पुणे एसपी अंकित गोयल ने बताया कि कथित तौर पर दर्शना ने अधिकारी बनने के बाद राहुल से दूरी बना ली थी और शादी करने से भी इनकार कर दिया था। इसके चलते उसने हत्या कर दी। बता दें कि इस मामले की जांच के लिए पुलिस की 5 टीमें गठित की गई हैं, जिसमें 25 पुलिसकर्मी हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटे हुए हैं। वेल्हे पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर किया है। गौरतलब है कि एमपीएससी परीक्षा में तीसरा स्थान पाने वाली दर्शना पवार 12 जून को लापता हो गई थीं। उन्होंने अपने दोस्त और परिवार को बताया था कि वो राहुल के साथ राजगढ़ किले जा रही हैं। इसके बाद 18 जून को वेल्हा पुलिस को राजगढ़ किले की तलहटी में एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी, जिसकी पहचान दर्शना पवार के रूप में हुई थी। शव पर कई चोटें थीं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट की पुष्टि हुई। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि हुई कि राहुल और दर्शन बाइक से राजगढ़ किले पहुंचे थे। 12 जून की सुबह करीब 6.30 बजे दोनों को बाइक पर देखा गया था। सुबह 10.30 बजे के आसपास एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में राहुल को अकेले बाइक चलाते हुए देखा गया है। मामले में जानकारी देते हुए एसपी अंकित गोयल ने बताया कि दर्शना और राहुल एक-दूसरे को बचपन से जानते थे। ग्रेजुएशन के बाद दोनों ने अहमदनगर जिले के कोपरगांव से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पुणे आने का फैसला किया। पिछले कुछ सालों से दोनों रिलेशनशिप में थे। हाल ही में दर्शना ने एमपीएससी परीक्षा अच्छे नंबरों के साथ पास की थी। उन्होंने राज्य में तीसरे स्थान पाया था।

इसके बाद राज्य वन विभाग में क्लास-1 अधिकारी के रूप में नियुक्ति भी मिली। एसपी अंकित गोयल ने ये भी बताया कि अंधेरी रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार होने से पहले राहुल ने पश्चिम बंगाल और कुछ अन्य स्थानों की यात्रा की थी। उधर, राहुल के दोस्तों ने बताया कि क्लास-1 अधिकारी के रूप में नियुक्ति के बाद दर्शना ने राहुल से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। इतना ही नहीं उसने शादी का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया था। इससे वो नाराज हो गया था। यही कारण था कि वो उसे ट्रैकिंग के बहाने रायगढ़ किले में ले गया। पुलिस के मुताबिक, किले पर आने के बाद दर्शना का फोन ऑफ हो गया था। परिवार के लोग तीन दिन तक उसकी तलाश करते रहे। इसके बाद सिंहगढ़ थाने में मिसिंग रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। सूचना के बाद दर्शना की तलाश शुरू की गई।

## वैवाहिक विवाद में अदालत की सुनवाई से नाखुश व्यक्ति ने न्यायाधीश की कार में तोड़फोड़ की

तिरुवल्ला, 22 जून (एजेंसियां)। केरल में पतनमतिट्टा जिले के तिरुवल्ला में एक व्यक्ति ने एक पारिवारिक अदालत के न्यायाधीश की कार में तोड़फोड़ की। वह उसके तथा उसकी पत्नी के बीच वैवाहिक विवाद की सुनवाई से नाखुश था। पुलिस ने बताया कि 55 वर्षीय व्यक्ति अदालत की सुनवाई के दौरान आग-बबूला हो गया और अदालत से बाहर आने के बाद उसने न्यायाधीश की कार पर अपना गुस्सा निकाला जो बुधवार को यहां तिरुवल्ला अदालत परिसर के भीतर खड़ी थी। टीवी चैनलों पर दिखाए गए फुटेज के अनुसार, उसने कार की सभी खिड़कियां तोड़ दीं और विंड स्क्रीन को भी नुकसान पहुंचाया। कार को उसने क्षतिग्रस्त कर दिया। तिरुवल्ला पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया और अदालती कामकाज में बाधा डालने, धमकाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए उसके खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा, ''अपनी पत्नी के साथ विवाद में खुद अपनी पैरवी कर रहे आरोपी ने दावा किया कि उसे अदालत से न्याय नहीं मिल रहा है। उसकी पत्नी ने अदालत में तलाक की याचिका दायर की थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''वह आरोप लगा रहा है कि उसकी पत्नी का वकील और न्यायाधीश एक साथ मिलकर उसके खिलाफ काम कर रहे हैं और उसका पक्ष उचित तरीके से सुना नहीं जा रहा है।" उन्होंने बताया कि शुरुआत में दंपती के बीच यह मामला 2017 में पतनमतिट्टा की एक अदालत में चल रहा था लेकिन आरोपी ने बाद में मामले को स्थानांतरित कराने के लिए केरल उच्च न्यायालय का रुख किया और दावा किया

# भाजपा छोड़ कांग्रेस का दामन थामेंगे शंकर महतो, कभी कांग्रेसी प्रत्याशी को हराने में निभाई थी अहम भूमिका

कटनी, 22 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को बंटाधार कहने वाले वीडी शर्मा इन दिनों अपनी ही पार्टी के लिए खुद बंटाधार बने हुए हैं, ये कहना है कटनी के भाजपा नेताओं का। दरअसल कटनी में एक के बाद एक कई दिग्गज नेताओं ने अपनी अनदेखी और उपेक्षा का शिकार बताते हुए बीजेपी छोड़ने का निर्णय कर लिया है। जिसका असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने मिलेगा। बता दें, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हुई थी, जिसमें बहोरीबंद विधानसभा के प्रभावी नेताओं में शुमार शंकर महतो की फोटो दिग्विजय सिंह, जयवर्धन सिंह के साथ सामने आई हैं, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। शंकर महतो बहोरीबंद विधानसभा के दिग्गज नेताओं में गिने जाते हैं, जिनके केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल से गहरे संबंध भी है। 2018 के विधानसभा चुनाव में शंकर महतो ने बहोरीबंद के कांग्रेस प्रत्याशी सौरभ सिंह को हराने में अहम भूमिका निभाई थी। शंकर महतो बताते हैं कि बीजेपी के पुराने कार्यकर्ताओं की इससे ज्यादा दुर्गति उन्होंने कभी नहीं देखी। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा उनकी उपेक्षा कर दरकिनार किया जा रहा था, बीजेपी से मेरी कोई नाराज़गी नहीं, लेकिन बीजेपी में बदली रीति-नीति प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के आने के बाद से चल रही है, जिससे मैं काफी उपेक्षित चल रहा हूं, जहां सम्मान मिलेगा वहां मैं जाऊंगा। शंकर महतो का राजनैतिक सफर काफी लंबा है,

जिसमें वो नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल से शुरुआत करते हुए बीजेपी में जा पहुंचे। उन्होंने जनपद अध्यक्ष, भाजपा जिला उपाध्यक्ष से लेकर कई अहम पदों में रहकर अपने दायित्व निभाए, लेकिन अब कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय ले लिया है। बताया जाता है कि शंकर महतो का प्रभाव लोधी समुदाय में अधिक है, इन्हीं वोटों के बल पर कांग्रेस प्रत्याशी सौरभ सिंह को 2018 में हार का सामना करवाया था। लेकिन उनके कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर कितना फायदा और बीजेपी को कितना नुकसान होगा ये आने वाला वक्त ही बताएगा।

# जम्मू-कश्मीर सरकार ने दो डॉक्टर किए बर्खास्त, साजिश रचने का है आरोप

जम्मू, 22 जून (एजेंसियां)। कश्मीर सरकार ने गुरुवार को 2 डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया। इनमें डॉ। बिलाल अहमद दलाल और डॉ। निघाट शाहीन चिल्लो का नाम शामिल है। दोनों को पाकिस्तान के साथ सक्रिय रूप से काम करने और शोपियां की आसिया और नीलोफर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को गलत साबित करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है। सूत्रों का कहना है कि इन दोनों डॉक्टरों का उद्देश्य सुरक्षा बलों पर बलात्कार और हत्या का झूठा आरोप लगाकर असंतोष पैदा करना था। सरकार ने जांच के बाद दोनों डॉक्टरों को बर्खास्त करने के लिए भारत के संविधान की धारा 311 (2) (सी) का इस्तेमाल किया है, क्योंकि जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि डॉ। बिलाल और डॉ। निगहत ने पाकिस्तान आईएसआई और आतंकवादी संगठनों की तरफ से काम किया था। सूत्रों के मुताबिक, जांच से पता चलता है कि तत्कालीन सरकार के शीर्ष अधिकारियों को तथ्यों के बारे में पता था, जिसे आसानी से दबा दिया गया। शोपियां साजिश के बाद कश्मीर घाटी 7 महीने तक सुलगती रही। यहां बड़े पैमाने पर दंगे हुए, करीब 600 छोटी-बड़ी कानून-व्यवस्था की घटनाएं सामने आईं, दंगा, पथराव, आगजनी से जुड़ी घटनाओं की पुलिस स्टेशनों में कुल 251 एफआईआर दर्ज की गईं। दरअसल, शोपियां में साल 2009 में नीलोफर और आसिया नाम की दो महिलाओं की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत होने की खबर सामने आई थी। इन्ही महिलाओं की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को गलत दिखाने के आरोप में दोनों डॉक्टरों को बर्खास्त किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 23 जून- 2023

## पंचायत चुनाव पर सुप्रीम हथौड़ा

जब से सुप्रीम कोर्ट ने यह तय कर दिया है कि पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को केंद्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में पंचायत चुनाव कराए जाएंगे, तभी से कई राजनीतिक दलों में खलबली मची है। इसके पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि पंचायत चुनाव केंद्रीय सुरक्षा बलों की देखरेख में कराया जाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार करते हुए जो टिप्पणी की है, उसपर राजनीतिक दलों के साथ ही चुनाव कराने वाले नियामक तंत्र को भी गंभीरता से सोच विचार करने की जरूरत है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव कराना 'हिंसा का लाइसेंस' प्राप्त करना कदापि नहीं है। देखा जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव सबसे अहम प्रक्रिया है। अगर चुनाव को धनबल, बाहुबल या अन्य किसी भी तरीके से प्रभावित करने की कोशिश की जाती है तो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठना लाजमी है। बता दें कि पंचायत चुनाव की घोषणा के बाद से ही बंगाल में राजनीतिक हिंसा काफी जोर पकड़ने लगी है। यहां तक कि नामांकन की प्रक्रिया के चलते भी हिंसा की खबरें आए दिन आ रही हैं। इसके पहले वर्ष 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव के समय केंद्रीय बलों की तैनाती नहीं हुई थी तब एक तिहाई से ज्यादा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए थे। मामला कितना खतरनाक रहा होगा कि अधिकांश सीटों पर विपक्षी दल अपने उम्मीदवार ही नहीं खडे कर सके थे। हालाकि इस बार हाल कुछ बेहतर है। विपक्षी दलों को 341 ब्लाक में से सिर्फ लगभग 50 में परेशानी हुई है। बंगाल के राज्य चुनाव आयुक्त ने सरकार के आदेश का इंतजार करना बेहतर समझा। फिर राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग- दोनों ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। जाहिर है किसी फैसले से सहमत नहीं होने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है, लेकिन क्या इतने भर से चुनाव आयोग के दायित्व बोध का प्रमाण मिल जाता है? क्या नागरिक इस बात के लिए निश्चिंत हो सकते हैं कि चुनाव आयोग की निगरानी में वे सुव्यवस्थित तरीके से मतदान कर सकेंगे। ज्यादा अच्छा होता कि राज्य चुनाव आयोग संवेदनशील इलाकों की सूची तैयार करता और हिंसा की घटनाओं पर नजर रखता। अपने दल की राजनीतिक पकड़ के लिए सभी दल हर हथकंडे अपनाने को तैयार रहते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी लोकतांत्रिक व्यवस्था के उद्देश्य की पूर्ति हो जाएगी। बंगाल एक ऐसा संवेदनशील राज्य है, जहां प्रत्येक चुनाव में बड़े पैमाने पर हिंसा होती है। वहां पंचायत चुनावों को लेकर शुरू हुई हिंसा जिस तरह थमने का नाम नहीं ले रही है, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि पश्चिम बंगाल सरकार या तो इस हिंसा को रोकने में समर्थ नहीं है या फिर वह इसके लिए इच्छुक ही नहीं है। इसका संकेत नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही हिंसा और हत्या के सिलसिले पर मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के बयानों से मिल जाता है। वे या तो हिंसा से इनकार कर रहे हैं या फिर उसके लिए विपक्षी दलों पर दोष मढ़ रहे हैं। जाहिर है ऐसा संवेदनहीन रवैया उपद्रवियों का दुस्साहस बढ़ाने वाला है। ऐसे रवैए का परिचय तब दिया जा रहा है, जब अभी तक कम से कम आठ लोगों की जान चुनावी हिंसा की भेंट चढ़ चुकी है।

## मेडिकल क्षेत्र के शिखर पर जाता यूपी

आर.के. सिन्हा

बीते दिनों उत्तर प्रदेश (यूपी) को लेकर दो बड़ी खबरें आईं, जिसने देश के सबसे बड़े सूबे की एक अलग ही छवि दुनिया के समक्ष पेश की। पहली खबर आई कि बीते अप्रैल महीने में शेयर बाजार से जुड़ने वाले नए निवेशकों की संख्या के मामले में यूपी ने देश की आर्थिक राजधानी वाले राज्य महाराष्ट्र तक को पीछे छोड़ दिया है। बॉम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) के मुताबिक, नए डीमैट खाते खोलने में यूपी ने महाराष्ट्र के अलावा भी सभी अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। इस तरह से यू.पी. की एक साल में 37% की बढ़त हुई है। इसी अवधि में महाराष्ट्र की ग्रोथ 20%, गुजरात की 15%, राजस्थान की 26% और कर्नाटक की 20% ही रही है। शेयर बाजार में यूपी की ठसक लगातार ही बढ़ रही है। शेयर बाजार के गढ़ महाराष्ट्र को ही यूपी वालों ने सीधी टक्कर दे दी है। बीएसई के मुताबिक एक साल में यूपी से 35 लाख नए निवेशकों ने शेयर बाजार में प्रवेश किया है। हालांकि एक समय था जब महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों राज्यों को शेयर बाजार की जान माना जाता था। शेयर बाजार में यूपी के बढ़ते कदम के लिए राज्य की जनता की आय बढ़ने, महिलाओं का बाजार में रुझान और जोखिम की क्षमता उठाने की प्रकृति प्रमुख वजहें हैं। शेयर बाजार के कुल कारोबार में सालाना 1.28 लाख करोड़ का धंधा मात्र यूपी से हो रहा है। इसमें भी 30% की वृद्धि हुई है। इस बीच, अगर हम बीते कुछ सालों पर नजर दौड़ाएं तो यूपी से 2021-22 में 92 लाख निवेशक थे। यह आंकड़ा 2022-23 में हो गया 1.27 करोड़। दूसरी खबर नीट-यूजी से जुड़ी है। डॉक्टरी में दाखिले के लिए आयोजित इस परीक्षा में यूपी के अभ्यार्थियों ने सर्वाधिक बाजी मारी। इस वर्ष के परिणाम में सबसे ज्यादा संख्या यूपी के विद्यार्थियों की रही। महाराष्ट्र और राजस्थान दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इन दोनों खबरों ने बदलते हुए उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास की प्रत्यक्ष तस्वीर हमारे सामने रख दी है।इस बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के नीट-यूजी रिजल्ट में इस साल सबसे अधिक यूपी के स्टूडेंट पास हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और राजस्थान का स्थान है। लगभग 20.38 लाख में से कुल 11.45 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। बात संख्या की करें तो यूपी की इस सफलता का वजन और चमक दोनों ज्यादा महूसस होगा। यूपी में सबसे अधिक 1.39 लाख, महाराष्ट्र में 1.31 लाख और राजस्थान में एक लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के दो सबसे अधिक आबादी वाले राज्य हैं, जबकि राजस्थान भी जनसंख्या के मामले में शीर्ष दस राज्यों में आता है।

शीर्ष पांच में केरल और कर्नाटक दो अन्य राज्य हैं, जिनमें से प्रत्येक ने 75,000 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। नीट-यूजी देश की बड़ी और प्रतिष्ठित प्रतियोगिता परीक्षा है। यह परीक्षा भारत के बाहर 14 शहरों – आबूधाबी, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह, सिंगापुर, दुबई और कुवैत सिटी में आयोजित की गई थी। गौरतलब है कि नीट-यूजी के अंकों के आधार पर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। परीक्षा 13 भाषाओं असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी। बेशक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के लिए भी यह बड़ी उपलब्धि है। दिलचस्प है कि कुछ वर्ष पहले तक बीमारू राज्यों में शामिल यूपी आज एक अग्रणी और स्मार्ट नीति के सफल कार्यान्वयन के साथ तेजी से विकास कर रहा है। देश के जीडीपी में राज्य आठ प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है।

# कोई भी धार्मिक उन्माद पसंद नहीं करता है

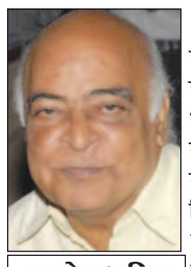

अशोक भाटिया

भारत सहित पूरी दुनिया में जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय, गोत्र आदि को लेकर किसी न किसी रूप में उथल-पुथल मची हुई है। उथल-पुथल के कारणों पर बारीकी से यदि नजर डाली जाये तो स्पष्ट रूप से देखने में आता है कि उथल-पुथल का सबसे प्रमुख कारण धार्मिक उन्माद है। जहां तक भारत की बात है तो यहां का स्वरूप धर्मनिरपेक्ष है किन्तु उथल-पुथल न हो, इसके लिए आवश्यकता इस बात की है कि सभी धर्म के लोग सभी धर्मों का सम्मान करें और दूसरे धर्म में हस्तक्षेप एवं तोड़-फोड़ की कोशिश न करें। इसके अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण बात यह है कि सोचने-समझने का नजरिया सबका इंसानियत एवं मानवता के आधार पर हो।वैसे भी देखा जाये तो विभाजन की कोई सीमा नहीं है। उदाहरण के तौर पर जब कोई व्यक्ति विदेश में जाता है तो उसकी पहचान उसके अपने देश से होती है और जब उसके देश में होता है तो उसकी पहचान अपने प्रांत से होती है। व्यक्ति जब अपने प्रांत में होता है तो उसकी पहचान जिले, तहसील, ब्लाक एवं गांव से होती है। जब गांव की बात आती है तो उसकी पहचान परिवार, कुल-खानदान एवं गोत्र के आधार पर होती है।कहने का आशय यह है कि विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति की पहचान विभिन्न रूपों में होती है किन्तु अंत में उसकी पहचान एक इंसान के रूप में होती है। इसी प्रकार धार्मिक एवं जातीय आधार पर व्यक्ति के अस्तित्व की चर्चा की जाये तो लोग पहले धार्मिक आधार पर विभाजित होते हैं। उसके बाद जातीय आधार पर, फिर विभाजित होते-होते कुल, खानदान एवं गोत्र तक पहुंच जाते हैं। अंततः विभाजित होते-होते एक दिन ऐसा भी आता है जब पति-पत्नी भी आपस में अलग-अलग हो जाते हैं। यह बात सरलता से कही जा सकती है कि भारत में जिस प्रकार से धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है उससे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसके साथ ही हमें यह भी विचार करना होगा कि 'धर्मांधता' को समाप्त करके हम किस प्रकार सभी धर्मों के लोगों के भीतर वैज्ञानिक सोच को पैदा करें। इस सन्दर्भ में हमें सबसे पहले धार्मिक कट्टरता पैदा करने वाले संस्थानों पर संविधान के प्रावधानों के तहत लगाम कसनी होगी। यह लगाम निरपेक्ष रूप से कसी जानी चाहिए जिससे प्रत्येक धर्म के अनुयायी नागरिक की पहली पहचान 'भारतीय' ही हो सके। इस मामले में किसी भी मजहब को कोई रियायत नहीं दी जा सकती। आजादी के बाद हमने जिस धर्मनिरपेक्षता को स्वीकारा, उसका मतलब किसी भी मजहब के लोगों का तुष्टीकरण नहीं था बल्कि प्रत्येक धर्म को एक समान दृष्टि से देखना था। भारत में यह कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता क्योंकि यहां की संस्कृति ही मानवीयता को सर्वोच्च पायदान पर रखने वाली संस्कृति है। क्या इसका प्रमाण स्वयं ख्वाजा की दरगाह नहीं है जहां हिन्दू यह जानते हुए भी एक मुस्लिम फकीर की मजार पर चादर चढ़ाने सिर्फ इसलिए जाते हैं कि उसने कभी मानव कल्याण का मार्ग अपनाया था। किसी भी धर्म के आराध्य के विरुद्ध गलत टिप्पणी करना भी भारत की संस्कृति नहीं रही है। इस देश ने तो अनीश्वरवादी धर्मों के प्रवर्तकों को भी भगवान की संज्ञा दी है।भारत में जिस प्रकार से धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है उस पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि इसमें यदि और इजाफा होता है तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसके साथ ही हमें यह भी विचार करना होगा कि 'धर्मांधता' को समाप्त करके हम किस प्रकार सभी धर्मों के लोगों के भीतर वैज्ञानिक सोच को पैदा करें। इस सन्दर्भ में हमें सबसे पहले धार्मिक कट्टरता पैदा करने वाले संस्थानों पर संविधान के प्रावधानों के तहत लगाम कसनी होगी। यह लगाम निरपेक्ष रूप से कसी जानी चाहिए जिससे प्रत्येक धर्म के अनुयायी नागरिक की पहली पहचान 'भारतीय' ही हो सके। इस मामले में किसी भी मजहब को कोई रियायत नहीं दी जा सकती। आजादी के बाद हमने जिस धर्मनिरपेक्षता को स्वीकारा, उसका मतलब किसी भी मजहब के लोगों का तुष्टीकरण नहीं था बल्कि प्रत्येक धर्म को एक समान दृष्टि से देखना था। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोग किसी भी तरह के उन्माद से बचें, क्योंकि उन्माद से सिर्फ समस्याएं पैदा होंगी और उससे किसी भी समस्या का समाधान होने वाला नहीं है। वैसे भी देखा जाये तो जब से सृष्टि की स्थापना हुई है तब से लेकर आज तक जब भी धर्म पर अधर्म भारी पड़ा है तब-तब किसी न किसी महापुरुष ने धरती पर अवतरित होकर धर्म की रक्षा की है। यहां पर धर्म का आशय हिंदू, मूस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य किसी धर्म से नहीं है बल्कि 'असत्य पर सत्य', 'हिंसा पर अहिंसा' की विजय से है। इंसानियत एवं मानवता की रक्षा हो, उसे धर्म कहा जाता है। धार्मिक आधार पर सबकी पूजा-पद्धति अलग-अलग हो सकती है किन्तु ईश्वर तो सभी के लिए एक ही है, बस उस तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग भले ही हैं। त्रेता युग में जब अधर्म बढ़ा तो प्रभु श्रीराम को धरती पर स्वयं आना पड़ा और उन्होंने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना की।

इसी युग में महा प्रतापी रावण एवं बाली जैसे योद्धा प्रभु श्रीराम के हाथों मारे गये। इसी तरह द्वापर युग में अधर्म की अति होने पर नारायण को भगवान श्रीकृष्ण के रूप में आना पड़ा। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के माध्यम से अधर्मियों का नाश किया और धर्म की स्थापना की। पितामह भीष्म, गुरु द्रोणाचार्य एवं दानवीर कर्ण जैसे योद्धा इसलिए वीरगति को प्राप्त हुए क्योंकि वे दुर्योधन जैसे अधर्मी के साथ खड़े थे। बात सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि धर्म की स्थापना हेतु समय-समय पर हिरण्यकश्यप एवं कंस जैसे आततायियों का नाश करने के लिए भी नारायण को पृथ्वी लोक पर आना पड़ा है। द्रौपदी की लाज बचाने के लिए नारायण को स्वयं सामने आना पड़ा। इन सभी मामलों में अधर्म पर धर्म की स्थापना धार्मिक आधार पर या किसी विशेष पूजा-पद्धति के आधार पर नहीं हुई थी। त्रेता एवं द्वापर युग में धर्म की स्थापना का आधार ही कुछ और था किन्तु आज जो कुछ भी हो रहा है, उसका स्वरूप निहायत ही दूषित हो गया है। आज धर्म का मूल्यांकन विशेष प्रकार की पूजा-पद्धति के आधार पर किया जा रहा है। आज हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी, यहूदी या अन्य धर्मों के आधार पर उन्माद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इजरायल और फिलीस्तीन के संघर्ष का आधार धार्मिक है।

कुल मिलाकर कहने का आशय यह है कि धार्मिक आधार पर जिन लोगों को किसी न किसी रूप में उन्माद फैलाने की महारथ हासिल है, उन्हें इस बात पर विचार करने की नितांत आवश्यकता है कि आखिर वे क्या कर रहे हैं? रोहिंग्या मुसलमान जिस धार्मिक उन्माद के चलते म्यांमार से भागने के लिए विवश हुए हैं कहीं पूरी दुनिया में ही उनका यही हश्र न हो जाये क्योंकि अपने देश में कोई भी किसी भी रूप में धार्मिक उन्माद पसंद नहीं करता है इसलिए यह सभी की जिम्मेदारी बनती है कि धार्मिक उन्माद से स्वयं बचें और दूसरों को भी बचायें क्योंकि इसके अलावा अमन-चैन का कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

# दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 103 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक भारत की झोली में डाले थे। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोटर्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है।

**प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे।**

ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

# क्या आस्था मनोरंजन का विषय है?

रजनीश कपूर

पिछले कुछ दिनों से एक फ़िल्म को लेकर देश भर में काफ़ी विवाद चल रहा है। कारण है इस फ़िल्म में दिखाए गए भ्रामक दृश्यों और आपत्तिजनक डायलॉग। समाज का एक बड़ा हिस्सा, धार्मिक गुरु व संत और राजनैतिक दल फ़िल्म के निर्माताओं को हर मंच पर घेर रहे हैं। विवादों के चलते सोशल मीडिया पर इस फ़िल्म को दुनिया भर से काफ़ी ट्रोल भी किया गया है। सवाल उठता है कि क्या मनोरंजन के लिए आप आस्था से खिलवाड़ कर सकते हैं? क्या आस्था मनोरंजन का विषय है? रामायण पर आधारित फ़िल्म 'आदिपुरुष' के निर्माताओं ने इस फ़िल्म में कुछ पात्रों का विवादास्पद चित्रण किया है, जो हिंदुओं की भावना को ठेस पहुँचा रहा है। इसके साथ ही इस फ़िल्म में बोले गये कई ऐसे डायलॉग भी हैं जो कि सभ्य नहीं माने जा सकते। जैसे ही विवाद बढ़ा तो फ़िल्म के निर्माता व संवाद लेखक ने अपने पुराने बयानों से पलटते हुए यह सफ़ाई दी कि "यह फ़िल्म रामायण पर आधारित नहीं बल्कि रामायण से प्रेरित है।" इसके बाद लेखक मनोज मुंतशिर ने विवादित डायलॉगों में संशोधन करने का ऐलान भी कर दिया है। देश भर के कई हिंदू संगठन इस फ़िल्म के विरोध में खुलेआम उतर आए हैं। कई संगठनों ने तो फ़िल्म के निर्माताओं को फ़िल्म के आपत्तिजनक डायलॉग की भाषा में ही धमकी तक दे डाली है। इन सबके चलते मुंबई पुलिस ने लेखक व निर्माता को सुरक्षा भी दे दी है। पड़ोसी देश नेपाल से भी इस फ़िल्म के विरोध की खबरें आ रहीं हैं। कहा जाता है कि 'बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा'। तो क्या फ़िल्म के निर्माताओं ने इसी मंशा से इस फ़िल्म को बनाया? या फिर किसी अन्य एजेंडे के तहत ऐसी फ़िल्में योजनाबद्ध तरीक़े से बनाई जाती हैं जो समाज में मतभेद पैदा करने का कम करती हैं? यहाँ पर यह कहना ठीक होगा कि ऐसी फ़िल्में न सिर्फ़ एक तरफ़ा होती हैं बल्कि तथ्यों से भी काफ़ी दूर होती हैं। वृंदावन में कई वर्षों से भजन कर रहे रसिक संत श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण जी ने हाल ही में फ़िल्म 'आदिपुरुष' और इसी तरह की अन्य फ़िल्मों पर अपनी कठोर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि, "आस्था मनोरंजन का विषय नहीं है। मनोरंजन कभी आस्था नहीं हो सकती और आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। भगवान की लीलाएँ हमारी आस्था का विषय हैं। जो भी इन्हें मनोरंजन की दृष्टि से बनाता है वो हमारी आस्था के साथ खिलवाड़ करता है।" इस विषय पर स्वामी जी आगे कहते हैं कि, "श्री कृष्ण लीला हो या श्री राम लीला, यह एक मर्यादा के तहत ही दिखाई जाती हैं। यदि कोई इसका चित्रण मनोरंजन की भावना से करता है, उनका उपहास करता है या उसे मर्यादा रहित ढंग से पेश करता है तो वह जो कोई भी हो अपराधी है, जिसका दंड उसे अवश्य मिलेगा। इन लीलाओं को बड़े-बड़े ऋषियों ने जैसा समाधि लगा कर देखा, वही लिखा। इन्हीं लीला चरित्रों के बल पर संतगण भक्तों को सही मार्ग पर चलने का उपदेश देते हैं। ऐसे सत्संगों या धार्मिक सम्मेलनों में जाने वालों को एक अलग अनुभूति होती है।" स्वामी जी कहते हैं कि "भगवान और उनकी लीला मनोरंजन की चीज़ नहीं है। प्रायः यह देखा गया है कि सामने वाले को रिझाने की दृष्टि से सत्संग और लीला गायन को मनोरंजन बनाया जा रहा है।" सभी से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि, "शास्त्र सम्मत भगवत् चरित्र सुने जाएँ, शास्त्र सम्मत भगवत् लीला अनुकरण के दर्शन किए जाएँ, मनमानी न की जाए।" इस विषय पर श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण स्वामी जी का विस्तृत वीडियो यूट्यूब पर उपलब्ध है। एक समय था जब 'जय संतोषी माँ', 'संपूर्ण रामायण' जैसी धार्मिक फ़िल्में श्रद्धा के साथ बनाई जाती थीं। इन फ़िल्मों को लोग पूरी आस्था के साथ देखने जाते थे। सिनेमा हॉल में चप्पल बाहर उतारते थे, फ़िल्म को देखते हुए भक्ति रस में डूब कर रो पड़ते थे और फ़िल्म के समापन के बाद श्रद्धा से पैसे भी चढ़ाते थे। आपको याद होगा कि जब दूरदर्शन पर रामानन्द सागर और बी आर चोपड़ा निर्मित 'रामायण' व 'महाभारत' का टेलीकास्ट होता था तब सड़कों पर ऐसा सन्नाटा छा जाता था जैसे कि सरकार ने कर्फ़्यू लगा दिया हो। अभी हाल ही में कोविड महामारी के चलते जब रामायण का दोबारा टेलीकास्ट हुआ तो भी उसे उतनी ही श्रद्धा से देखा गया जितना दशकों पहले देखा जाता था। जब इन धारावाहिकों के कलाकार सार्वजनिक स्थलों पर दिखाई देते थे तो ऐसा प्रतीत होता था कि अरुण गोविल में साक्षात 'प्रभु श्री राम' व दीपिका चिखलिया में 'सीता जी' के दर्शन हो रहे हैं। यहाँ तक कि रामायण में 'वीर हनुमान' की भूमिका करने वाले दारा सिंह व महाभारत में 'गदाधारी भीम' का किरदार निभाने वाले प्रवीण कुमार को लोग असल जीवन में भी उनके किरदार में ही देखते थे। परंतु जिस तरह धार्मिक चोला ओढ़ कर मनोरंजन और एजेंडे के तहत बनाई जाने वाली फ़िल्में आजकल बनाई जा रही हैं वे केवल विवाद भड़काने का काम कर रही हैं।

# सबसे बड़ा ब्रह्मास्त्र जुगाड़

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वैसे मैं एक सरकारी कर्मचारी हूँ। सरकारी कर्मचारी बिरादरी अपनी लेटलतीफी के लिए बड़ी बदनाम है। सबकी तरह मैं भी स्वयं को इस बदनामी से अलग रखता हूँ। सबके सामने भला कौन इसमें शामिल होना चाहेगा। हाँ हमाम में जैसे सब नंगे होते हैं ठीक उसी तरह मुझे भी इतना यकीन है कि मैं भी हमाम में नंगा हूँ, लेकिन बरसाती ओढ़कर नहाता हूँ।

कहते हैं ब्रह्मा का लिखा मिट सकता है, थूका भी चाटा जा सकता है, किंतु सरकारी कर्मचारी का काटा पानी कभी नहीं माँग सकता। कल की ही बात है। मैं किसी काम से सरकारी दफ्तर गया था। वहाँ जाकर मैंने सबसे बड़ी भूल यह की कि स्वयं को सरकारी कर्मचारी बता बैठा। कार्यालय के कर्मचारियों ने मुझे सरकारी काम की कार्यशैली का हवाला देते हुए मुझे शाम तक लटकाए बैठा।

मैं उन्हें समझा भी नहीं सकता था, क्योंकि आज मैं जिनका भुक्तभोगी हूँ, कल तक कोई मेरा भुक्तभोगी था। सच है यहाँ के कर्मों का फल यहीं मिलता है। सो मुझे भी मिल रहा था। हमारे देश में विविधता में एकता की बात तब सच साबित हुई जब कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी सरकारी दफ्तरों की कार्यशैली एक सी दिखी। सच है विविधता में एकता हमारे देश की शान है। कानून की दरार में जब गोली चलाई गई तब मैं वहीं चुपचाप लेटा हुआ था। मैं अपने फाइलों के जंगल जाकर खुद की बिरादरी के कुछ नृशंस प्राणियों द्वारा शिकार हो गया। वैसे मैंने इनका क्या बिगाड़ा था? फिर याद आया, मेरे पास भी जो लोग आए थे, उन्होंने भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ा था। बस मेरा यही अपराध था कि मैं भारतीय तो हूँ पर फलाना प्रान्त के कर्मचारी के क्षेत्र का नहीं हूँ। इससे भी जरूरी मेरे पास सरकारी व्यवस्था का सबसे बड़ा ब्रह्मास्त्र जुगाड़ नहीं है।

# कावड़ यात्रा 4 जुलाई से होगी शुरु

सावन का पवित्र महीना जल्द ही शुरू होने जा रहा है। 4 जुलाई से सावन की महीना शुरु होगा। भगवान शिव का प्रसन्न करने के लिए यह महीना उत्तम माना जाता है। कहते हैं जो व्यक्ति सावन के महीने में भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना करता है उसकी मनोकामना जल्द पूरी होती है। सावन में कई शिव भक्त कावड़ यात्रा पर जाते हैं। कावड़ यात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं हर साल कावड़ लेने के लिए जाते हैं। आइए जानते हैं कब शुरू होगी कावड़ यात्रा, साथ ही जानें सावन का जलाभिषेक किस दिन किया जाएगा और कावड़ यात्रा का महत्व।

**शिवरात्रि जलाभिषेक तारीख**

हर साल सावन में लाखों की तादाद में कावड़ियां पदयात्रा करके कावड़ लेकर आते हैं और गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक करते हैं। वैसे तो आप पूरे सावन में कभी भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं लेकिन, सावन की शिवरात्रि पर लाखों की संख्या में लोग जलाभिषेक करते हैं। इस बार सावन शिवरात्रि 15 जुलाई 2023 को है। इस दिन जलाभिषेक किया जाएगा।

**कैसा हुई कावड़ यात्रा की शुरुआत**

कावड़ यात्रा को लेकर कथा है कि भगवान परशुराम भगवान शिव के परम भक्त थे। एक बार भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर पूरा महादेव के मंदिर में जल चढ़ाया था। इस समय श्रावण मास ही चल रहा था। इसके बाद ही कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई थी। इसके बाद से ही कावड़ की यात्रा शुरू हुई थी।

**कावड़ यात्रा को लेकर दूसरी मान्यता**

इसके अलावा एक अन्य मान्यता है कि जब समुद्र मंथन हुआ था। तब सावन का महीना चल रहा था। मंथन के दौरान जो विष निकला था उसे भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए अपने कंठ में समाहित किया था। इसके बाद वह नीलकंठ महादेव कहलाए थे। विष के कारण उनके अंदर काफी गर्मी हो गई थी। भगवान शिव की गर्मी को शांति करने के लिए सभी देवी देवताओं ने उनपर विभिन्न नदियों से जल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाया और इसी के साथ कांवड़ में जल लाकर भगवान शिव को अर्पित करने की परंपरा शुरू हुई।

**कावड़ यात्रा को लेकर तीसरी मान्यता**

कावड़ यात्रा को लेकर तीसरी मान्यता है कि सबसे पहले त्रेता युग में श्रावण मास में अपने माता पिता की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने कावड़ यात्रा की थी। अपने माता पिता को कांवड़ में बैठाकर वह हरिद्वार लेकर आए थे। यहां से लौटते समय वह अपने साथ गंगाजल लेकर आए थे। जिसे उन्होंने अपने माता पिता के साथ मिलकर शिवलिंग पर चढ़ाया था। कहा जाता है कि तभी से कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई थी।

# हरी-भरी हों तुलसी तो बढ़ता है धन

तुलसी के पौधे का हरा-भरा होना संपन्नता की निशानी माना जाता है। जिन घरों में तुलसी का पेड़ हरा-भरा होता है उन घरों पर मां लक्ष्मी खूब कृपा बरसाती हैं और ऐसे घरों में सुख-शांति के साथ प्रेम और स्नेह बना रहता है। जो लोग तुलसी नियमित रूप से पूजा करते हैं और जल अर्पित करते हैं उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त होती है और नाम रुपया-पैसा शौहरत सब कुछ हासिल होता है। घर में लगा तुलसी का पौधा आपके आने वाले जीवन के बारे में कुछ संकेत देता है। आइए जानते हैं क्या है इनका अर्थ।

अगर आपके घर में तुलसी के आस-पास अन्य छोटे-छोटे पौधे उगने लगें तो ये बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपकी कमाई में वृद्धि होने वाली है और आपके लिए आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। ऐसा होना आपकी आने वाली तरक्की का संकेत देता है। अगर ये छोटे-छोटे पौधे तुलसी के हों तो और भी अच्छा है। इसका अर्थ है कि जल्द ही आपको धन लाभ होने वाला है।

अगर आपके घर में तुलसी का पौधा हरा-भरा होकर उस फूल और मंजरी आने लगें तो समझ लीजिए मां लक्ष्मी आपसे बेहद प्रसन्न हैं। ऐसे में आपको नियमित रूप से मां लक्ष्मी का ध्यान करना चाहिए। बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। मां लक्ष्मी की पूजा नियमित रूप से करनी चाहिए।

अगर आपके घर में तुलसी का पौधा अचानक से सूखने लगता है तो यह आने वाली विपत्ति की ओर इशारा करता है। तुलसी के पौधे का सूखना बताता है कि आपके घर में नकारात्मक शक्तियां बढ़ रही हैं। ऐसे में आपके परिवार की सुख शांति छिन जाती है। आपस में क्लेश और झगड़ा रहने लगता है। इसलिए तुलसी के पौधे का विशेष ध्यान रखना चाहिए और पानी देने में लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

तुलसी के हरे-भरे पत्ते भी अचानक से पीले होकर गिरने लगें तो यह अशुभता की निशानी माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको आने वाले समय में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपको सतर्क हो जाना चाहिए और धन का खर्च सोच समझकर कर करना चाहिए।

# 84 लाख योनियों के बाद मिलता है मानव जीवन

हिंदू धर्म में कई शास्त्र ग्रंथ और पुराण हैं, जिनमें 84 लाख योनियों की अवधारणा का उल्लेख है। हालाँकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह एक तथ्यात्मक विश्वास है। हिंदू धर्म के अनुसार केवल मनुष्य ही ईमानदारी और बेईमानी जैसे नैतिक कार्यों को करने में सक्षम हैं और उनके कर्म स्वर्ग या नरक में उनके अंतिम गंतव्य को निर्धारित करते हैं। किसी की आर्थिक स्थिति से अधिक उसका चरित्र महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इतिहास व्यक्तियों को उनके व्यवहार के आधार पर याद रखता है। यही कारण है कि भगवान राम और दुर्योधन जैसे विभूतियों को आज भी याद किया जाता है।

जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है, महिला प्रजनन अंग, जिसे योनि के रूप में जाना जाता है, आत्मा के जन्म का स्रोत है। यह विभिन्न प्राणियों जैसे कि जानवरों, पक्षियों, कीड़ों, सांपों और मनुष्यों सहित अन्य पर लागू होता है। ठीक 84 लाख योनियाँ हों, यह आवश्यक नहीं है, क्योंकि समय के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के जीवों का उदय हुआ है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार अमीबा से मनुष्य तक की यात्रा में लगभग 1 करोड़ 04 लाख योनियां शामिल हैं। ब्रिटिश वैज्ञानिक रॉबर्ट एम. में का अनुमान है कि दुनिया में जानवरों, कीड़ों, पक्षियों, पौधों और जलीय और स्थलीय जानवरों सहित 87 लाख प्रजातियां हैं। गिनती में थोड़ा अंतर हो सकता है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हजारों साल पहले, बिना किसी तकनीकी साधन के, ऋषियों और बुद्धिमान व्यक्तियों ने पता लगाया कि लगभग 84 लाख योनियां हैं।

धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि 84 लाख योनियां हैं, जिनमें जलीय जानवर, कीड़े-मकोड़े, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य और बंदर शामिल हैं। योनियों में मनुष्य योनि सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। योनियों को दो भाग योनिज और आयोजित में बांटा गया है। जबकि जीवों को जलीय, स्थलीय और जलीय जीवों में वर्गीकृत किया गया है। जैसे वृक्ष के रूप में 30 लाख बार जन्म लिया गया, जल जीव के रूप में 9 लाख बार, कीड़े-मकौड़े के रूप में 10 लाख बार, किसी अन्य की योनि में 11 लाख बार। पशु और पक्षी की योनि में 20 लाख बार। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मनुष्य के रूप में जन्म लेने के लिए इन सभी प्रजातियों का अनुभव करना आवश्यक है। इसलिए आत्मा के जीवन के प्रकार को निर्धारित करने में कर्म के महत्व पर जोर दिया जाता है।

# ऋषि पुलस्त्य के श्राप से तिल-तिल छोटा हो रहा है गोवर्धन पर्वत

भगवान श्रीकृष्ण ने इसी पर्वत को इंद्र का मान-मर्दन करने के लिए अपनी सबसे छोटी उंगली पर सात दिन तक उठाकर रखा था और सभी ब्रजवासियों की रक्षा इंद्र के कोप से की थी। तब से लगातार इसकी पूजा की जा रही है। लेकिन, ऋ षि पुलस्त्य ने इस पर्वत को तिल-तिल घटते जाने का श्राप दिया था।

एक पौराणिक कथा के अनुसार श्रीकृष्ण ने अपने अवतरण से पहले निज-धाम चौरासी कोस भूमि, गोवर्धन और यमुना नदी को पृथ्वी पर भेजा था। गोवर्धन भारत के पश्चिम प्रदेश के शालमली द्वीप में द्रोण पर्वत के पुत्र के रूप में अवतीर्ण हुए थे। एक समय तीर्थ यात्रा करते हुए ऋ षि पुलस्त्य गोवर्धन पर्वत के पास पहुंचे तो इसकी सुंदरता देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गए।

उन्होंने गोवर्धन जनक द्रोण पर्वत से निवेदन किया कि वे काशी में रहते हैं। आप अपने पुत्र गोवर्धन को मुझे दे दीजिए, मैं उसे काशी में स्थापित कर वहीं रहकर इसकी पूजा करूंगा। ऋ षि का अनुरोध सुनकर द्रोण पर्वत अपने पुत्र गोवर्धन के लिए दुखी हो उठे, लेकिन गोवर्धन पर्वत ने ऋ षि से कहा कि मैं आपके साथ चलूंगा, लेकिन मेरी एक शर्त है। आप मुझे जहां भी रख देंगे, मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा।

पुलस्त्य ने गोवर्धन की यह बात मान ली। यह जानकर गोवर्धन ने ऋ षि से कहा कि मैं दो योजन ऊंचा और पांच योजन चौड़ा हूं। आप मुझे काशी कैसे ले जाएंगे? पुलस्त्य ने कहा कि मैं अपने तपोबल से तुम्हें अपनी हथेली पर उठाकर ले जाऊंगा। रास्ते में ब्रज भूमि आई। उसे देखकर गोवर्धन सोचने लगे कि भगवान श्रीकृष्ण यहां बाल्यकाल और कैशौर्यकाल की बहुत सी लीलाएं करेंगे। अगर मैं यहीं रह जाऊं तो उनकी लीलाओं को देख सकूंगा।

यह सोचकर गोवर्धन पर्वत पुलस्त्य ऋषि के हाथों में और अधिक भारी हो गया। इससे, ऋ षि को विश्राम करने की आवश्यकता महसूस हुई तो वे गोवर्धन पर्वत को जमीन पर रखकर विश्राम करने लगे। ऋ षि यह बात भूल गए थे कि उन्हें गोवर्धन पर्वत को जमीन पर रखना नहीं है। कुछ देर बाद ऋ षि पर्वत को वापस उठाने लगे तो गोवर्धन ने कहा कि ऋ षिवर अब मैं यहां से कहीं नहीं जा सकता। मैंने आपसे पहले ही आग्रह किया था कि आप मुझे जहां रख देंगे, मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। तब पुलस्त्य उसे ले जाने की हठ करने लगे, लेकिन गोवर्धन वहां से नहीं हिले।

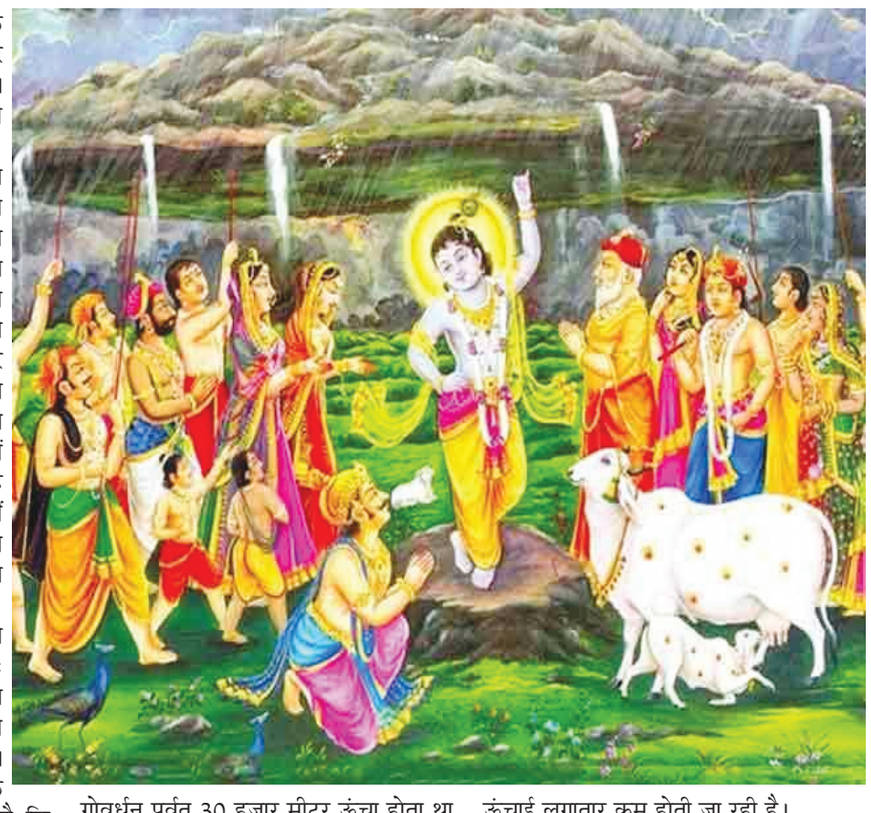

आहत ऋषि ने उन्हें श्राप दिया कि तुमने मेरा मनोरथ पूर्ण नहीं होने दिया है, अतः आज से प्रतिदिन तिल-तिल कर तुम्हारा क्षरण होता जाएगा और एक दिन तुम पूरी तरह धरती में समाहित हो जाओगे। तभी से गोवर्धन पर्वत तिल-तिल करके धरती में समा रहा है। माना जाता है कि कलयुग के अंत तक यह धरती में पूरी तरह विलीन हो जाएगा। पांच हजार साल पहले यह गोवर्धन पर्वत 30 हजार मीटर ऊंचा होता था और अब यह 30 मीटर ही रह गया है। पुलस्त्य ऋषि के श्राप के कारण इस पर्वत की ऊंचाई लगातार कम होती जा रही है।

एक मान्यता यह भी है कि रामायण काल में जब राम सेतुबंध का कार्य चल रहा था तो हनुमान इस पर्वत को उत्तराखंड की ओर से ला रहे थे, लेकिन तभी देववाणी हुई कि सेतुबंध का कार्य पूर्ण हो गया है, तो यह जानकर हनुमान इस पर्वत को ब्रज में ही स्थापित कर दक्षिण की ओर पुनः लौट गए। वल्लभ संप्रदाय के वैष्णवमार्गी लोग इसकी परिक्रमा अवश्य करते हैं क्योंकि वल्लभ संप्रदाय में भगवान कृष्ण के उस स्वरूप की आराधना की जाती है जिसमें उन्होंने बाएं हाथ से गोवर्धन पर्वत उठा रखा है और उनका दायां हाथ कमर पर है।

गौर से देखने पर पता चलता है कि पूरा कस्बा पर्वत पर बसा हुआ है, जिसमें दो हिस्से छूट गए हैं, उसे ही गिरिराज पर्वत कहा जाता है। इसके पहले हिस्से में जतीपुरा, मुखारविंद मंदिर व पूंछरी का लौठा प्रमुख स्थान है तो दूसरे हिस्से में राधाकुंड, और मानसी गंगा प्रमुख स्थान है। बीच में शहर की मुख्य सड़क है।

उस सड़क पर एक भव्य मंदिर हैं जिसमें पर्वत की शिला के दर्शन करने के बाद मंदिर के सामने के रास्ते से यात्रा प्रारंभ होती है। गोवर्धन पर्वत मथुरा से 22 किमी की दूरी पर है और इसका परिक्रमा मार्ग लगभग 21 किलोमीटर लंबा है। इसे पूरा करने में पांच से छह घंटे का समय लगता है। यह पर्वत दो राज्यों, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विभाजित है। कुछ दूर चलने के बाद राजस्थान वाले हिस्से में दाखिल होना पड़ता है।

गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा के लिए समूचे विश्व से कृष्ण भक्त, वैष्णवजन और वल्लभ संप्रदाय के लोग आते हैं। परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख स्थल आन्यौर, जतीपुरा, मुखारविंद मंदिर, राधा कुंड, कुसुम सरोवर, मानसी गंगा, गोविन्द कुंड, पूंछरी का लौठा, दानघाटी इत्यादि हैं। गोवर्धन में सुरभि गाय, ऐरावत हाथी तथा एक शिला पर भगवान कृष्ण के चरण चिह्न हैं।

परिक्रमा की शुरुआत वैष्णवजन जतीपुरा से और सामान्यजन दान घाटी से करते हैं और पुनः वहीं पहुंच जाते हैं। पूंछरी का लौठा में दर्शन करना आवश्यक माना गया है, क्योंकि यहां आने से इस बात की पुष्टि मानी जाती है कि आप यहां परिक्रमा करने आए हैं। पूंछरी का लौठा क्षेत्र राजस्थान में आता है। वैष्णवजन मानते हैं कि गोवर्धन पर्वत के ऊपर श्रीनाथ जी का मंदिर है। इस मंदिर में भगवान कृष्ण का शयनकक्ष है।

यहीं मंदिर में स्थित गुफा है जिसके बारे में कहा जाता है कि यह राजस्थान स्थित श्रीनाथद्वारा तक जाती है। गोवर्धन की परिक्रमा का पौराणिक महत्त्व है। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी से पूर्णिमा तक लाखों भक्त यहां की सप्तकोसी परिक्रमा करते हैं। प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा पर यहां की परिक्रमा लगाने का विशेष महत्त्व है। श्रीगिरिराज पर्वत की तलहटी समस्त गौड़ीय सम्प्रदाय, अष्टछाप कवि एवं अनेक वैष्णव रसिक संतों की साधाना स्थली रही है। पर्वत को चारों तरफ से गोवर्धन कस्बा और कुछ गांवों ने घेर रखा है।

हिंदू धर्म में बेलपत्र काफी शुभ माना जाता है। भगवान शिव को बेलपत्र अति प्रिय है। बेलपत्र ही नहीं इसका फल भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। ये औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ-साथ भगवान शिव को भी पसंद है। शिव पुराण में बेल की महिमा को बताया गया है। मान्यता है कि इसकी छाव में बैठकर भोजन करने से व्यक्ति को हर तरह के दुखों और पापों से मुक्ति मिल जाती है। जानिए बेल के फल से कौन सा उपाय करना होगा लाभकारी।

बेलपत्र के फल से करें ये खास उपाय

शिव पुराण के अनुसार, किसी कारण मां लक्ष्मी की कृपा नहीं हो रही है और हर चीज में असफलता हासिल हो रही है। हर काम में अड़चन आ रही है, तो बेल के फल से ये उपाय कर सकते हैं। इसके लिए एक बेल का फल ले आएं और उसका गुदा निकाल लें। इसके बाद इस गुदे को सुखा लें। सूख जाने के बाद इसे जाकर इसकी राख इकट्ठा करके छलनी से छान लें। इसके बाद लगातार 5 प्रदोष, सोमवार या फिर मासिक शिवरात्रि को भगवान शिव मंदिर जाकर शिवलिंग में ये भस्म अर्पित करें। इसके बाद इस भस्म का थोड़ा सा भाग घर ले आएं और इसमें थोड़ा सा गाय का घी मिलाकर काजल की तरह तैयार कर लें। जब भी किसी शुभ काम के लिए निकल रहे हैं, तो माथे में या फिर छाती में टीका लगा लें। ऐसा करने से भगवान शिव के साथ-साथ मां लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होगी और सुख-समृद्धि, धन-संपदा हमेशा बनी रहेगी।

अगर आपको बिजनेस में लगातार घाटा हो रहा है, तो बेलपत्र के फल की इस भस्म को लेकर अपनी दुकान या फिर ऑफिस में एक जगह पर सफेद फलू के साथ इस भस्म को लगाकर श्री चंपेश्वर भगवान का नाम लेकर लगा दें। कुछ ही दिनों में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

बहुत सारे लोग अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं, कामयाब बन सकते हैं, धनवान बन सकते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे हैं जो परिवार बना सकते हैं।

छोटी-छोटी कोशिशों से छोटे-बड़े अवसर मिलते हैं और अवसरों को स्वीकार करने से ही बड़ी सफलता मिलती है।

कर्म करते रहें और नदी की तरह आगे बढ़ते रहें, एक दिन सफलता जरूर मिल जाएगी।

# क्या आप भी ब्रह्म मुहूर्त में उठते हैं? होता है बल बुद्धि का विकास, घर की होगी उन्नति

हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त का बहुत महत्व बताया गया है। इस समय उठना बेहद शुभ माना गया है। वेद-पुराणों में ऋषि मुनियों के ब्रह्म मुहूर्त में उठने का जिक्र किया गया है। ब्रह्म मुहूर्त में उठने के कई लाभ बताए गए हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर स्नान, ध्यान और पूजा करने से हमारी प्रार्थना सीधे परमात्मा तक पहुंचती है। इसके अलावा इस शुभ मुहूर्त में उठने के कई स्वास्थ्य लाभ भी बताए गए हैं। इससे सुबह सुबह ताजी हवा मिलती है जिससे सेहत को भी कई लाभ होते हैं। आइए आज हम भोपाल के रहने वाले ज्योतिषी एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से जानते हैं कि कब होता है ब्रह्म मुहूर्त और इस मुहूर्त में उठने के क्या फायदे हैं।

**कब होता है ब्रह्म मुहूर्त**

ब्रह्म मुहूर्त दो शब्दों से मिलकर बना है। जिसमें ब्रह्म का मतलब परमात्मा और मुहूर्त अर्थात समय। यानी इसका अर्थ हुआ परमात्मा का समय। यह मुहूर्त रात के अंतिम पहर यानी जब रात खत्म होने लगतीऔर सुबह शुरू होती है तब होता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक सुबह 4 से 5:30 तक का समय ब्रह्म मुहूर्त का माना जाता है।

**ब्रह्म मुहूर्त में उठने के फायदे**

**1.घर की उन्नति:** हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक ब्रह्म मुहूर्त में देवी-देवता और पितृ हमारे घर में आगमन करते हैं। जिसके कारण इस मुहूर्त में जगने से उनका आशीर्वाद मिलता है और घर की उन्नति होती है।

**2.बल-बुद्धि की प्राप्ति:** रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में उठने से शारीरिक शक्ति में वृद्धि होती है। इससे लोगों में सहनशीलता बढ़ती है। मान्यता है कि नियमित तौर पर इस मुहूर्त में उठने से बल, बुद्धि और विद्या भी प्राप्त होती है।

**3.अच्छा स्वास्थ्य:** जो भी व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में उठता है उसे अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त होता है। इस मुहूर्त में उठने से लोग जीवन में ज्यादा सफल होते हैं।

**4.ध्यान सर्वोत्तम माना जाता है:** हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक ब्रह्म मुहूर्त में किया गया ध्यान आत्म विश्लेषण और ब्रह्म ज्ञान के लिए सर्वोत्तम है। इस समय ध्यान लगाने करने के लिए सर्वोत्तम वातावरण होता है।

**5.सकारात्मक ऊर्जा:** ब्रह्म मुहूर्त में उठने वाले व्यक्ति को समय वातावरण में फैली सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। जिसके कारण मन में अच्छे विचार उत्पन्न होते हैं।

# सुपरस्टार पति से अमीर हैं साउथ हीरो की वाइफ 100 अरबपतियों में शामिल हैं इनके नाना

**साउथ सिनेमा** के सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कामिनेनी के लिए साल 2022 और 23 बेहतरीन रहा है. हाल ही में स्टार कपल को शादी के 10 साल बाद एक बेटी का आशीर्वाद मिला है. ये दोनों 20 जून 2023 को अलसुबह एक बेटी के माता-पिता बन गए. बच्ची के आगमन मेगा फैमिली में खुशियां ही खुशियां छाई हैं और चारों ओर जश्न का माहौल बना हुआ है. राम चरण और उपासना कामिनेनी ने 2012 में शादी की और वे मेगास्टार चिरंजीवी के बेटे हैं. दोनों ने पेरेंट्स बनने का फैसला तब लिया था जब सोचा था कि वे आने वाली संतान को एक शानदार लाइफ दे सकते हैं. अब ये दोनों ही अपने- अपने करियर में अच्छी ग्रोथ पर हैं और इनमें से स्टार वाइफ अपने पति से काफी ज्यादा अमीर हो चुकी हैं. यहां हम आपको उपासना की कुल संपत्ति के बारे में जानकारी देंगे.

उपासना कामिनेनी एक सक्सेसफुल बिजनेसवुमन हैं और उनकी लाइफस्टाइल के आगे सिनेमा की बड़ी- बड़ी हीरोइनें फीकी पड़ जाएंगी. आपको बता दें कि उपासना के नाना बिजनेस टायकून प्रताप सी. रेड्डी हैं, जो अपोलो हॉस्पिटल्स के चेयरमैन हैं. इसी अस्पताल में रामचरण की बेटी का जन्म हुआ है.

उपसना के नाना प्रताप रेड्डी की कुल संपत्ति 21,000 करोड़ रुपए है और वे भारत के 100 अरबपतियों में शामिल हैं. अपोलो हॉस्पिटल्स का मार्केट कैप 70,000 करोड़ रुपए है. इसमें राम चरण की वाइफ का भी हिस्सा है और वे अपोलो अस्पताल की उपाध्यक्ष हैं और उनकी मां शोभना अपोलो अस्पताल की कार्यकारी उपाध्यक्ष हैं. उपासना ने इंटरनेशनल बिजनेस मार्केटिंग और मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है और पढ़ाई पूरी करने के बाद वह फैमिली बिजनेस से जुड़ गईं. उपासना अपोलो अस्पताल में वरिष्ठ पद पर रहने के अलावा 'बी पॉजिटिव' नामक पत्रिका की प्रधान संपादक भी हैं.

उपासना कामिनेनी एक पारिवारिक स्वास्थ्य योजना बीमा कंपनी टीपीए की प्रबंध निदेशक भी हैं. उपासना के पिता अनिल कामिनेनी KEI ग्रुप के संस्थापक हैं. कह सकते हैं कि राम चरण की वाइफ पैदायशी अमीर हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले उपासना कामिनेनी फैशन डिजाइनर बनना चाहती थीं. लेकिन फिर उन्होंने अपना निर्णय बदल दिया और हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में महाप्रबंधक के रूप में शामिल हो गईं. उपासना अपने चैरिटी कार्यों के लिए भी जानी जाती हैं. उपसना संपत्ति के मामले में अपने पति से भी ज्यादा रिच हैं. स्टार वाइफ की खुद की कुल संपत्ति 1,130 करोड़ रुपए है जबकि उनके हसबैंड राम चरण की कुल संपत्ति 1,370 करोड़ रुपए है. दोनों की कुल मिलाकर संपत्ति 2500 करोड़ रुपए है. उपासना कामिनेनी एक बहुत बड़े बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखती हैं जबकि चरण का पूरा परिवार सिनेमा से जुड़ा हुआ है.

# 'वीरा' की 'गुंजन' अब टीवी छोड़ फिल्मों में बना रही हैं पहचान

**भाई-बहन के प्यारे** से रिश्ते पर बना सीरियल 'वीर की अरदास वीरा' काफी पॉपुलर हुआ था. इस सीरियल में पूरे देसी अंदाज में नजर आई पंजाबी कुड़ी गुंजन याद है आपको? 'गुंजन' की एक झलक ही फैंस का दिल जीत लेती थी. मासूमियत से भरी देसी कुड़ी गुंजन का लुक अब काफी बदल चुका है. सीरियल 'वीरा' में एक्ट्रेस फरनाज शेट्टी ने 'गुंजन' का किरदार अदा किया था. सीरियल में उनके अपोजिट एक्टर शिविन नारंग नजर आए थे. दोनों की केमिस्ट्री पर ऑडियंस ने दिल खोलकर प्यार लुटाया था.

फरनाज शेट्टी 'वीरा' से पहले भी कई सीरियल्स में नजर आ चुकी थीं. उन्होंने कई सीरियल में काम किया, लेकिन 'वीरा' ने उन्हें खास पहचान दिलाई थी. इस शो में फरनाज शेट्टी जितनी भोली- भाली लड़की के लुक में नजर आई थीं, असल जिंदगी में उनकी पर्सनैलिटी इसके बिल्कुल विपरीत है. रियल लाइफ में फरनाज काफी ग्लैमरस हैं. ये एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी स्टाइलिश फोटोज शेयर करती रहती हैं. फरनाज शेट्टी छोटे पर्दे पर तो कई सीरियल्स का हिस्सा रह चुकी हैं. सीरियल्स की दुनिया में अच्छा - खासा नाम कमाने के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों का रुख कर लिया था. फरनाज इन दिनों साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सिक्का जमाने की कोशिश में हैं. ये एक्ट्रेस पिछले साल रिलीज हुई तेलुगू फिल्म

**8 सालों में बदल गया है लुक, अब ऐसी दिखती हैं एक्ट्रेस**

रियल लाइफ में अपनी फिटनेस का काफी ध्यान रखती हैं. ये एक्ट्रेस अक्सर फिटनेस वीडियोज शेयर कर अपने फैंस को भी फिट रहने के लिए प्रेरित करती हैं.

'इन्दुवदना' में नजर आई थीं. फरनाज शेट्टी

# श्वेता तिवारी की पानी में भीगते हुए हॉट तस्वीर हुई वायरल

42 साल की उम्र में टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी जितनी हॉट और सैक्सी लगती हैं उतनी शायद ही कोई एक्ट्रेस लगती होगी. अगर शक है तो इन फोटोज़ को देखकर आप भी यही कहेंगे. टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' की प्रेरणा आज भी उतनी ही खूबसूरत है, बस पहले से की गुना ज्यादा सैक्सी हो गई है. ये सिर्फ हम नहीं कह रहे बल्कि लोगों का भी यही कहना है. 42 साल की उम्र में भी श्वेता जितनी फिट और हॉट हैं उन्हें देखकर तो 24 साल की लड़कियां भी शर्मा जाएं. लोगों का कहना है कि इन्हें देखकर लगता है इनकी उम्र बढ़ने की जगह घटती जा रही है. श्वेता वैसे तो एक से एक फोटोशूट करवाती ही रहती हैं, लेकिन अभी एक्ट्रेस ने जो फोटोशूट करवाया है वो तो गर्मी में तापमान और बढ़ाने का काम करेगा. आप देख सकते हैं कि श्वेता ने ये फोटोशूट बाथरूम में करवाया है. एक्ट्रेस ने लाइट ब्राउन रंग की डीप नेक वनपीस ड्रेस पहन रखी है जिसमें वो काफी हॉट लग रही हैं. इस फोटोशूट के लिए श्वेता ने काफी सेंशुअस पोज़ भी दिए हैं. एक्ट्रेस की ये फोटोज़ देख तो फैंस हैरान रह गए हैं. फोटोज़ देख लोग कमेंट करने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं. कोई श्वेता को पलक से भी ज्यादा हॉट बता रहा है तो कोई फिटनेस का राज़ पूछ रहा है. एक यूज़र ने तो लिखा है इनकी उम्र घटती जा रही है 42 से 32...32 से 22. वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा है, 'अगले 10 साल में पलक मां लगेगी और श्वेता अपनी बेटी जैसी लगेंगी'।

# पलक के साथ नजर आए सैफ अली खान के लाड़ले

**इब्राहिम को** बॉलीवुड की एक हसीना के साथ स्पॉट किया गया वो और कोई नहीं बल्कि पलक तिवारी निकली. दरअसल, इब्राहिम का नाम पलक के साथ बार बार जुड़ रहा है, आखिर इसकी कोई तो वजह होगी. वो कहते हैं ना बिना आग के धुआ नहीं उठता.

सैफ अली खान के लाड़ले इब्राहिम खान ने बॉलीवुड में अभी तक कदम भी नहीं रखा है, लेकिन उनके चर्चे इंडस्ट्री में जोरोशोरों से होते रहते हैं. लोगों को सैफ के नवाबजाादे की पर्सनल लाइफ में काफी दिलचस्पी है. वो किसे डेट कर रहे हैं, वो किसके साथ लंच पर जा रहे है किसके साथ डिनर पर जा रहे हैं. लोगों को इब्राहिम की छोटी सी छोटी चीजों में काफी दिलचस्पी है. ऐसे में एक बार फिर इब्राहिम को बॉलीवुड की एक हसीना के साथ स्पॉट किया गया वो और कोई नहीं बल्कि पलक तिवारी निकली. दरअसल, इब्राहिम का नाम पलक के साथ बार बार जुड़ रहा है, आखिर इसकी कोई तो वजह होगी. वो कहते हैं ना बिना आग के धुआं नहीं निकलता.

पिछले दिनों पलक और इब्राहिम के डेटिंग की अफवाहें खूब उड़ी थीं. दोनों के रिश्ते होने की अफवाहें जोर पर थी. ऐसे में एक बार फिर दोनों को एक ही पार्टी में जाते हुए स्पॉट किया गया. जिसके बाद उनके रिश्ते पर एक बार फिर सवाल उठने लगे है.

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. जिसमें देखा जा सकता है कि पलक और इब्राहिम एक ही पार्टी में जाते दिखाई दें रहे है.

पलक ने ब्लैक कलर की छोटी सी ड्रेस पहनी है जिसमें वो बहुत हॉट लग रही हैं. किसी का भाई किसी की जान एक्ट्रेस ने जैसे एंट्री ली वैसे ही इब्राहिम ब्लैक कलर के शर्ट में पार्टी में एंटर किए. ऐसा लगा मानो दोनों ने ट्विनिंग करने का फैसला किया है. बता दें एक एक इंटरव्यू में पलक ने इब्राहिम के साथ अपनी डेटिंग की अफवाहों के बारे में जवाब देते हुए कहा था कि, हम अच्छे दोस्त हैं. वह बहुत प्यारा लड़का है. हम कभी-कभी बात करते हैं और बस इतना ही''.

# भोजपुरी सिनेमा की महंगी एक्ट्रेस हैं अक्षरा सिंह, बैक टू बैक दे रहीं फ्लॉप गाने

**भोजपुरी सेंसेशन** अक्षरा सिंह भले ही किसी पहचान की मोहताज न हों लेकिन उनके गानों पर उतने व्यूज नहीं आते जैसे दूसरे स्टार्स के आते हैं. अभिनेत्री अपने गानों को अलग ढंग से फिल्माती हैं और उनके वीडियो के लोकेशन भी शानदार हेते हैं और वे खुद भी ग्लैमरस दिखती हैं. बावजूद इसके उनके कई म्यूजिक एल्बम्स फ्लॉप चले जाते हैं.. हाल ही में उनका मगही गाना 'लड़का के ड्रेस' रिलीज हुआ है. यह गाना उनके ऑफिसियल यूट्यूब से हुआ है लेकिन इसे उनके चाहने वालों ने ज्यादा नहीं देखा. इस पर सिर्फ 20 हजार ही व्यूज आए जो कि अक्षरा जैसी हीरोइन के लिए कोई मायने नहीं रखते.

अक्षरा सिंह का गाना 'लड़का के ड्रेस' एक रोमांटिक गाना है, इस गाने को अक्षरा सिंह और रौशन सिंह ने मिलकर गाया है. यह गाना दो प्रेमियों की केमेस्ट्री पर आधारित है, जिसमें अक्षरा का प्रेम उसे मिलने के लिए बुला रहा है. लेकिन वो घर में रहती है और अपने मां – बाप की वजह से मिलने आ नहीं सकती है. तो उसका प्रेमी उसे 'लड़का के ड्रेस' में आने को प्रेरित करता है. गाने में दिखने वाली यह छोटी सी प्रेम कथा वी डि यो में है और कई लोगों से रि ले ट करती है .

अक्षरा ने इसको लेकर कहा कि गाना मजेदार है. सुनकर और देखकर सबों को मजा आने वाला है. मेरे लिए भाषा कोई परेशानी नहीं है. अच्छा काम मैं हर भाषा में करना पसंद करूंगी और मगही तो मेरे प्रदेश की भाषा है. इसमें यह गाना करके खूब मजा भी आया. आपको बता दें कि अक्षरा सिंह का गाना 'लड़का के ड्रेस'के गीतकार अमन अलबेला हैं. इस गाने के संगीत निर्देशक रौशन सिंह हैं, जिनके साथ अक्षरा का कॉलेबरेशन लोगों में पहले भी पसंद किया जाता रहा है.

इससे पहले भोजपुरी सिने जगत में वुमन पावर को रिप्रेजेंट करने वाली सेंसेशनल एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह का 'अखियां घायल करे' रिलीज हुआ था. इसमें वे अपने प्रेमी की अदाओं का बखान कर रही हैं. अक्षरा का यह रोमांटिक गाना उनके फैंस और भोजपुरी म्यूजिक लवर्स को खासा पसंद आ रही है. इस गाने में अक्षरा की सुरीली आवाज लोगों के दिल तक पहुंच रही है तो इसका म्यूजिक वीडियो भी बेहद आकर्षक और मनोरंजक बनाया गया है. गाना 'अखियां घायल करे' अक्षरा सिंह ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है लेकिन इसके जरिए वे लोगों को इंप्रेस नहीं कर सकीं. इसे 2 वीक से ज्यादा वक्त बीत चुका है, फिर भी इसे सिर्फ 1 लाख लोगों ने ही देखा.

# गर्लफ्रेंड तमन्ना भाटिया की इस आदत से बहुत चिढ़ते हैं विजय वर्मा

**'बाहुबली' एक्ट्रेस** तमन्ना भाटिया और 'डार्लिंग्स' एक्टर विजय वर्मा इन दिनों बी टाउन के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं.विजय और तमन्ना की डेटिंग की खबरें तो लंबे समय चल रही थीं, लेकिन इन खबरों पर मुहर खुद कपल ने लगाई और बताया कि दोनों इस वक्त पूरी तरह से एक दूसरे के प्यार में डूबे हुए हैं. विजय और तमन्ना अब खुलकर अपने रिलेशनशिप के बारे में बात करते हैं. हाल ही में एक्टर ने खुलासा किया कि तमन्ना की कौन सी आदत से उन्हें सबसे ज्याद चिढ़ है. एक इंटरव्यू में एक्टर से पूछा गया कि तमन्ना की वो कौन सी आदत है जिससे आप सबसे ज्यादा चिढ़ते हैं? इस सवाल के जवाब में विजय ने तपाक से जवाब दिया, 'ये वर्कआउट को लेकर कुछ ज्यादा ही जुनूनी है. मतलब ये अपना दिन तक वर्कआउट के हिसाब से प्लान करती हैं. जिम जाने की वजह से ये अपनी नींद तक पूरी नहीं करती हैं, मैं बोलता हूं इनको कि एक अच्छे लाइफ स्टाइल के लिए आपको नींद पूरी करना बहुत जरूरी है पर नहीं ये सिर्फ 4 घंटे सोएंगी और फिर जिम करने चली जाएंगी.' विजय वर्मा के इस खुलासे के बाद तमन्ना ने अपनी सफाई में कहा कि वो बहुत खाती हैं इसलिए वर्कआउट मिस नहीं कर सकतीं. इसके बाद जब तमन्ना से पूछा गया कि वो कौन सी आदत है जो उन्हें विजय की बिल्कुल पसंद नहीं इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि एक्टर के बारे में ऐसा कुछ है नहीं उनके पास कहने के लिए, लेकिन खुलास किया कि वो विजय को परेशान करने के लिए नए-नए आइडिया तलाशती रहती हैं. एक्ट्रेस ने कहा, 'सच तो ये है कि मैं इन्हें परेशान करना चाहती हूं इसके लिए मैं कुछ आइडिया भी सोचती रहती हूं. लेकिन ये बहुत शांत स्वभाव के हैं.

इनकी फिल्मों के रोल्स पर मत जाइए ये शांति की मूरत हैं'. बात करें वर्क फ्रंट की तो तमन्ना और विजय जल्द ही नेटफ्लिक्स की नई सीरीज़ 'लस्ट स्टोरी 2' में साथ नज़र आने वाले हैं.

# मनीषा रानी ओटीटी सीजन 2 की हाइलाइट्स में से एक बनकर उभरी

'बिग बॉस ओटीटी 2' का धमाकेदार आगाज हो चुका है. शो में पूजा भट्ट, साइरस ब्रोचा जैसे पॉपुलर सेलेब्स ने बतौर कंटेस्टेंट्स एंट्री की है, लेकिन मनीषा रानी सीजन 2 की हाइलाइट्स में से एक बनकर उभरी हैं. शो में वह अपने भोजपुरिया अंदाज से लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं और अपने चुलबुले अंदाज से न सिर्फ को-कंटेस्टेंट्स को बल्कि ऑडियंस को भी अट्रैक्ट कर रही हैं. 'बिग बॉस ओटीटी 2' के लेटेस्ट एपिसोड में मनीषा रानी ने अपने जीवन में आई कठिनाइयों और संघर्षों के बारे में बात की. उन्होंने खुलासा किया कि वह बिहार की रहने वाली हैं और एक घर छोड़कर भाग गई थीं.

उन्होंने भागने से पहले घर पर एक पत्र भी लिखा. मनीषा रानी ने शेयर किया कि उन्होंने कोलकाता में सर्वाइवल लिए वेट्रेस और बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करना शुरू किया. मनीषा ने कहा, जब मैं घर से भागी तो मैं कोलकाता चली गई. मैं डांस सीखना चाहती थी. मनीषा रानी ने आगे कहा, मेरे पिता मुझे डांस सीखने की परमिशन नहीं दे रहे थे. इसलिए मैंने अपने पिता के नाम एक पत्र लिखा और मैं अपने एक दोस्त के साथ भाग गई. मैं बिना टिकट ट्रेन में चढ़ गई थी.मनीषा रानी आगे कहा, मैं गिरफ्तार होने से भी नहीं डरी और 2 घंटे जेल में बैठी रही. मैंने 5 रुपये का प्लेटफॉर्म टिकट भी नहीं खरीदा था. मैं एक ऐसे घर में रही जो इतनी बुरी हालत में था कि मेरे परिवार का कोई भी सदस्य रह पाएगा.मनीषा रानी ने आगे कहा कि वह कभी घर लौटना नहीं चाहती थी इसलिए उन्होंने वेट्रेस और बैकग्राउंड डांसर काम किया. उन्होंने कहा, मैं घर वापस नहीं जाना चाहती थी. मैं कोलकाता में रहना चाहती थी और किसी भी कीमत पर सर्वाइव करना चाहती थी.

मनीषा रानी ने कहा, वो समय था जब मैं शादियों में बैकग्राउंड डांसर और वेट्रेस के रूप में काम करती थी. मैं सफेद शर्ट और काली पैंट पहनती थी और 8 घंटे खड़ी रहती थी. मैं अपने सामने बहुत फैंसी खाना देखते थे लेकिन खाने की परमिशन नहीं थी. मनीषा रानी कहा, मैं खड़ा रहता थी 8 घंटे तक वेट्रेस के रूप में और टेस्टी खाने को घूरती रहती थी. हम बारी-बारी से बैठते थे और जल्दी से कुछ फूड को खा लेते थए. मैं कोलकाता को कभी नहीं भूलूंगी क्योंकि मेरी जर्नी वहीं से शुरू हुई थी.

# कियारा आडवाणी की मदद करते दिखे कार्तिक आर्यन

**कार्तिक आर्यन** और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्य प्रेम की कथा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले दोनों स्टार्स अपनी इस मूवी को खूब प्रमोट कर रहे हैं। इसी बीच कार्तिक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसे देखकर फैंस एक्टर की तारीफ कर रहे हैं। 21 जून को सत्य प्रेम की कथा का नया गाना 'सुन सजनी' रिलीज किया गया, जिसके लॉन्च इवेंट में दोनों पहुंचे थे। इस दौरान कार्तिक- कियारा ने साथ में जमकर डांस भी किया।

इसी बीच कियारा डांस करने से पहले अपनी हील्स उतार देती हैं। फिर डांस खत्म होते ही कार्तिक उनकी सैंडल अपने हाथों से उठाते हैं और उन्हें पहनने के लिए लाकर देते हैं। इतना ही नहीं जब कियारा सैंडल पहनती हैं तो कार्तिक उनके हाथ पकड़कर उन्हें सहारा भी देते हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आते ही कुछ लोगों ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया तो वहीं कई लोग कार्तिक के इस स्वीट जेस्चर की जमकर तारीफ कर कर रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कितने शरीफ आदमी हैं'। दूसरे ने लिखा, 'जेंटलमैन'। तो वहीं तीसरे ने लिखा, 'कार्तिक आर्यन काफी स्वीट हैं'।

सत्य प्रेम की कथा 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। समीर विदवान्स ने फिल्म का डायरेक्शन किया है। वहीं इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। बता दें, भूल भुलैया 2 में कियारा- कार्तिक की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था, अब इस फिल्म में उन्हें दोबारा देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

# बेटी के बचाव में उतरीं कृति सेनॉन की मां कहा- 'गलतियों को नहीं भावनाओं को समझो'

**बॉलीवुड की** जानी-मानी एक्ट्रेस कृति सेनॉन और साउथ स्टार प्रभास की रामायण पर आधारित फिल्म 'आदिपुरुष' का लोग जमकर विरोध कर रहे है। इसका फिल्म की कमाई पर साफ दिखाई दे रहा है। कोई फिल्म के डायलॉग्स का विरोध करता दिखा, तो किसी को किरदारों का लुक पसंद नहीं आ रहा है। आम लोगों के साथ-साथ बॉलीवुड स्टार्स भी इस फिल्म को लेकर अपना रिएक्शन देते हुए नजर आए। लेकिन हर कोई फिल्म का विरोध करता ही दिखाई दिया। लेकिन इन सब के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनॉन की मां गीता सेनॉन एक पोस्ट शेयर की है। जिसमें वो अपनी बेटी का बचाव करती नजर आ रही है।

**गीता सेनॉन ने शेयर किया ये पोस्ट**

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनॉन के फैंस को फिल्म 'आदिपुरुष' से काफी उम्मीदे थी। लेकिन कृति सेनॉन की ये फिल्म खास कमाल नहीं दिखा पाई। उल्टा 'आदिपुरुष' का विरोध होना शुरू हो गया। जिसके बाद मेकर्स से लेकर स्टार्स तक सभी परेशान दिखाई दिए। लोगों ने वीएफएक्स से लेकर डायलॉग्स तक को लेकर सवाल उठा दिए। इन सब के बीच फिल्म 'आदिपुरुष' में सीता माता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस कृति सेनॉन की मां गीता सेनॉन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने पोस्टर शेयर कर लिखा, 'जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।' इसके आगे उन्होंने इसका अर्थ बताते हुए लिखा, 'इसका अर्थ है कि अच्छी सोच और दृष्टि से देखो तो दुनिया खूबसूरत ही दिखाई देगी! इंसान की गलतियों को नहीं उसकी भावनाओं को समझो।' गीता सेनॉन के इस पोस्ट को फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर हो रहे विरोध से जोड़ा जा रहा है। लोगों का मनना है कि इस पोस्ट के जरिए गीता सेनॉन अपनी बेटी कृति सेन का बचाव कर रही हैं।

**लगातार आ रही है फिल्म 'आदिपुरुष' की कमाई में गिरावट**

प्रभास और कृति सेनॉन की इस फिल्म का सोशल मीडिया पर जो विरोध हो रहा है, उसका असर फिल्म की कमाई पर साफ देखने को मिल रहा है। इंडिया में फिल्म 'आदिपुरुष' की कमाई लगातार नीचे जा रही है। जिसकी के बाद मेकर्स ने टिकट के दाम कम करने का फैसला लिया है। लेकिन देखना होगा फिल्म 'आदिपुरुष' को इसका फायदा मिलेगा या नहीं। कृति सेनॉन की मां की पोस्ट को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

# कभी जेब में सिर्फ 100 रुपये लेकर मुंबई पहुंचे थे राज बब्बर

**बॉलीवुड के** दिग्गज एक्टर राज बब्बर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर हैं. वह अपने करियर में अलग-अलग तरह के कई रोल निभाकर ऑडियंस का दिल जीत चुके हैं. सबसे ज्यादा लोगों ने सिल्वर स्क्रीन पर उनकी खलनायकी पसंद की है. हालांकि, इस मुकाम तक पहुंचना राज बब्बर के लिए आसान नहीं था. वह दिल्ली में थिएटर करने के बाद अपनी जेब में सिर्फ 100 रुपये लेकर मुंबई पहुंचे थे, लेकिन करियर के शुरुआत में ही उन्हें बड़ा झटका लगा था क्योंकि उन्हें एक बड़ी फिल्म से बाहर कर दिया गया था.

राज बब्बर ने खुलासा किया कि नमक हलाल फिल्म के लिए उन्हें कास्ट कर लिया गया था. सबकुछ फिक्स हो गया था, लेकिन जब वह मुंबई पहुंचे तो पता चला कि उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया है. राजश्री अनप्लग्ड के साथ इंटरव्यू के दौरान राज बब्बर ने बताया, 'प्रकाश मेहरा ने मुझे 2 फिल्मों के लिए साइन किया था. वह 'मुकद्दर का सिकंदर' की रिलीज के लिए दिल्ली आए थे. उन्होंने 'नमक हलाल' और एक दूसरी फिल्म के लिए मुझे कास्ट कर लिया था.'

**फिल्म करने से पहले रखी ये शर्त**

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने उनसे (प्रकाश मेहरा) कहा कि आप मुझे बहुत बड़ा रोल दे रहे हैं. जो फिल्म विनोद खन्ना करने वाले थे, आप मुझे वो रोल दे रहे हैं, लेकिन मेरे पास वहां पर रहने के लिए कोई जगह नहीं है. मैं चाहता हूं कि मैं ये फिल्म कर रहा हूं, तो मुझे आप मुंबई में एक साल तक रहने के लिए जगह दे दीजिए. इसके बाद मेरे पास एक स्कूटर था, जिसे मैंने बेच दिया और घर का खर्च चलाने के लिए पैसे अपनी पत्नी को दे दिए. उस वक्त मेरी बड़ी बेटी जूही पैदा हुई थी. मैंने पत्नी से कहा कि मैं एक साल के लिए मुंबई जा रहा हूं.'

**'नमक हलाल' से निकाल दिया गया**

राज बब्बर ने बताया कि, 'मैं अपनी जेब में 100 रुपये लेकर मुंबई पहुंच गया. उसके बाद मुझे नमक हलाल से निकाल दिया गया था क्योंकि बहुत सारे लोग मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे. मैंने प्रकाश मेहरा से कहा कि आपने मुझसे वादा किया था कि आप मुंबई में मेरे रहने के लिए व्यवस्था करेंगे. इसके बाद उन्होंने रहने के लिए मुझे एक कमरा दे दिया.'

**राज बब्बर ने नहीं मानी हार**

'नमक हलाल' जैसी बड़ी फिल्म से बाहर होने के बाद भी राज बब्बर ने हार नहीं मानी और स्ट्रगल शुरू कर दिया. धीरे-धीरे उन्हें फिल्में लगीं और वह पॉपलुर होते गए. फिल्म इंसाफ का तराजू में राज बब्बर ने खतरनाक विलेन का रोल निभाया था, जिसके बाद वह रातोंरात स्टार बन गए थे. इसके बाद उन्होंने 'निकाह', 'आज की आवाज' जैसी तमाम फिल्मों मे काम करके अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया.

# 'आदिपुरुष' विवाद के बीच 'सालार' की अपडेट!

**'आदिपुरुष' के कलेक्शन** और विवाद के बीच प्रभास के नेक्स्ट बिग प्रोजेक्ट 'सालार' की कुछ डिटेल्स सामने आने लगी हैं. 'आदिपुरुष' प्रभास के कॅरियर में मील का पत्थर बनते हुए नहीं दिख रही है. ऐसे में फिल्म 'सालार' पर फोकस किया जा रहा है ताकि प्रभास को इस साल कुछ फायदा हो सके. इस कड़ी में फिल्म के टीजर से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है.

प्रभास को फिल्म 'आदिपुरुष' से बहुत उम्मीदें थीं लेकिन फिल्म को सकारात्मक रीव्यू नहीं मिल रहे हैं. प्रभास ने फिल्म को लेकर हो रहे विवादों पर फिलहाल चुप्पी नहीं तोड़ी है.

खबरों के अनुसार, अब प्रभास अपने नेक्स्ट प्रोजेक्ट पर फोकस करने में जुट गए हैं. प्रभास का पूरा फोकस अब अपनी फिल्म 'सालार' पर है. इस एक्शन फिल्म को प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं और यह 200 करोड़ के बजट में बनी है. फिल्म के टीजर को लेकर बड़ी प्लानिंग की गई है और खबरों की मानें तो जुलाई के पहले सप्ताह में फिल्म का टीजर दस्तक देने वाला है.

प्रभास की एक्शन फिल्म 'सालार' में कई बड़े सितारे बिल्कुल जुदा अंदाज में नजर आने वाले हैं. इस लिस्ट में पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम भी शामिल है. वे फिल्म में वरधाराज मन्नार की भूमिका में नजर आएंगे. फिल्म में नकारात्मक भूमिका की बात की जाए तो प्रशांत नील अपनी फिल्म में जगपति बाबू को खास किरदार दिया है. जगपति साउथ इंडस्ट्री के जाने माने एक्टर हैं और वे फिल्म में 'राजा मन्नार' की भूमिका निभा रहे हैं. प्रभास की इस एक्शन थ्रिलर में लीड एक्ट्रेस के तौर पर श्रुति हासन नजर आएंगी. श्रुति फिल्म में 'आद्या' की भूमिका में हैं. फिल्म में श्रुति, प्रभास के लव इंटरेस्ट के तौर पर दिखेंगी. मधुगुरुस्वामी, ईश्वरी राव, श्रीया रेड्डी के साथ ही फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी अहम किरदार में नजर आएंगी. बता दें कि 200 करोड़ के बजट वाली यह फिल्म 28 सितम्बर को रिलीज होगी और फिल्म के प्रमोश के लिए अगस्त में कई इवेंट्स होंगे.

# क्या नवाजुद्दीन से अलग होकर पछता रही हैं आलिया?

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की एक्स वाइफ आलिया पिछले दिनों काफी चर्चा में रही थीं और अब एक्टर की एक्स वाइफ बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आ रही हैं, जहां वह नवाजुद्दीन से अपने तलाक से लेकर इटालियन मैन के साथ अपने प्यार भरे रिश्ते के बारे में भी बात करती दिखीं. आलिया सिद्दिकी ने बिग बॉस ओटीटी में अपने जीवन के हर पहलू पर खुलकर बात की. लेकिन, इस बार आलिया बहुत ही भावुक नजर आईं. शो में वो फूट-फूट कर अपने बेटे के लिए रोते नजर आईं. जी हां, हाल ही के एपिसोड में इस मां की ममता का सैलाब टूट पड़ा और शो में वो अपने बच्चे को याद कर रोने लगीं. खासकर अपने बेटे को याद कर आलिया बेहद इमोशनल हो गईं. आलिया को अकेले रोता देख, शो में उनके अच्छे दोस्त बने अभिषेक मल्हान ने उनसे रोने की वजह पूछी ,तब आलिया ने कहा कि,"मेरा छोटा बच्चा (बेटा) मेरे जैसा ही है. वह सब कुछ अपने अंदर रखता है, अगर उसे मेरी याद आती है तो वह किसी के साथ अपना दर्द नही बाटता. मैं भी ऐसी ही हूं, मैं अपनी समस्याएं अपने अंदर ही रखती हूं और नहीं किसी के साथ साझा करती हूं."आलिया अपने बेटे के बारे में बात करते हुए कहती हैं- "वो बोल नहीं पता, मेरी बेटी बोल लेती है फिर मेरा बेटा बीमार पड़ जाता है, समस्याओं के बारे में सोचकर अस्वस्थ हो जाता है. उसको बुखार हो जाएगा या कुछ और तभी उसे मेरी जरूरत होती है. अगर मैं तलाक नहीं लेती, तो मैं कभी नहीं आती उनको छोड़ करकभी नहीं. यह मेरे करियर की वजह से है. लेकिन आपने जो काम अपने हाथ में लिया है उसे खत्म करना जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है."

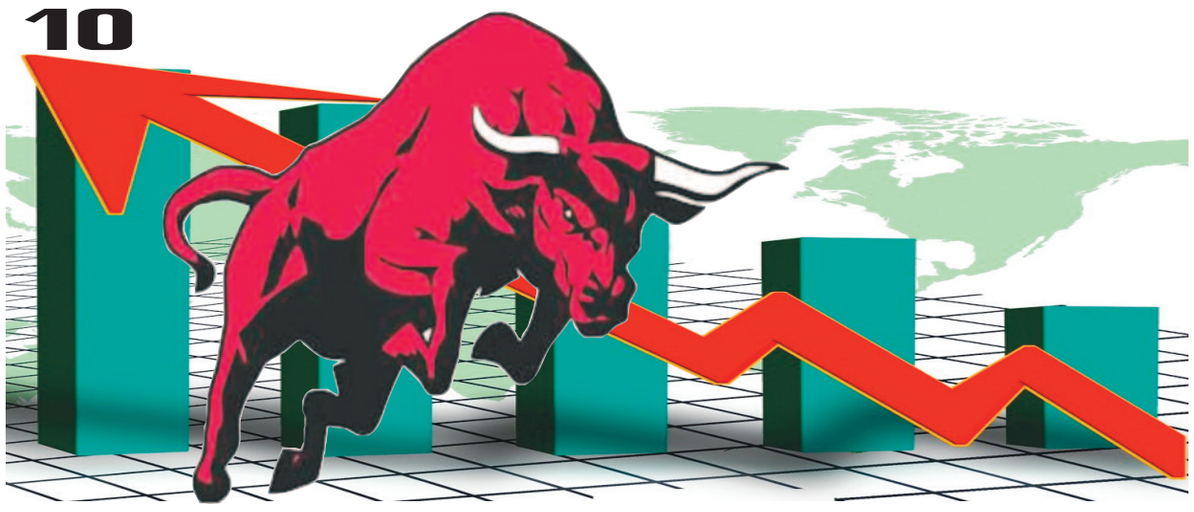

# महंगाई दर में गिरावट और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रिकवरी के बाद 2023-24 के लिए फिच रेटिंग्स ने बढ़ाया भारत के जीडीपी का अनुमान

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। इंटरनेशनल रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने 2023-24 वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को बढ़ा दिया है।

फिच ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3 फीसदी के दर से विकास करेगी।इससे पहले फिच ने 6 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर आउटलुक और पहली तिमाही में ग्रोथ रेट के बेहतर रहने के अनुमान के चलते फिच ने अपने रेटिंग्स के अनुमान में सुधार किया है। सांख्यिकी मंत्रालय ने 31 मई 2023 को आंकड़े जारी करते हुए बताया था कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी 7.2 फीसदी रही है जो अनुमान से बेहतर था।इस आंकड़े के घोषित होने के बाद ही अर्थशास्त्रियों से लेकर एजेंसियां




2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेज गति से विकास करने का अनुमान जता रहे हैं।इससे पहले फिच ने मार्च 2023 में मौजूदा वित्त वर्ष के लिए विकास दर के अनुमान को 6.2 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया था।फिच ने अपने अनुमान में कहा था कि महंगाई दर के ज्यादा होने , ऊंची ब्याज दर और वैश्विक मांग में कमी का खामियाजा भारतीय अर्थव्यवस्था को उठाना होगा।लेकिन मार्च के बाद से हालात बदलते दिख रहे हैं।पिछले दो मॉनिटरी पॉलिसी बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक ने पॉलिसी रेट्स यानि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है।इस दौरान अप्रैल और मई में खुदरा महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली और मई में तो ये घटकर 4.25 फीसदी पर आ चुकी है। ऐसे में कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद बढ़ने लगी है जिसका फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था को मिल सकता है.फिच ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में जीडीपी ग्रोथ शानदार रहा था।दो तिमाही तक लगातार गिरावट का सामना करने के बाद मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रिकवरी देखने को मिली है, कंस्ट्रशन सेक्टर में सुधार देखने को मिला है साथ कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी आई है जिसके चलते घरेलू अर्थव्यवस्था में तेजी देखी जा रही है।इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए रेटिंग एजेंसी ने विकास दर के अनुमान को बढ़ाया है।फिच ने अपने अनुमान में कहा है कि 2024-25 और 2025-26 में भारत का जीडीपी 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

## फेड रिजर्व के गवर्नर के बयान के बाद बिट्कॉइन में लौटी जोरदार तेजी, फिर भाव पहुंचा 30,000 डॉलर के पार



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी के निवेशकों के लिए अच्छी खबर सामने आई है।अप्रैल 2023 के बाद पहली बार सबसे दिग्गज क्रिप्टोकरेंसी बिट्कॉइन 30,000 डॉलर को पार करने में सफल रहा है।बिट्कॉइन में इस तेजी का श्रेय अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व के गवर्नर जेरोम पॉवेल को जाता है।अमेरिकी कांग्रेस को दिए अपने बयान में उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी इंडस्ट्री में टिके रहने की क्षमता नजर आ रही है।मॉनिटरी पॉलिसी पर होने वाली सुनवाई को संबोधित करते हुए जेरोम पॉवेल ने कहा कि, हम पेमेंट स्टेबलकॉइंस को पैसे के रूप में देखते हैं।और सभी एडवांस अर्थव्यवस्थाओं में पैसे में विश्वसनीयता का आखिरी सोर्स सेंट्रल बैंक है।उन्होंने कहा हमारा मानना है कि काफी मजबूत संघीय भूमिका का होना उचित रहेगा।उन्होंने कहा कि स्टेबलकॉइंस पर निगरानी रखने के लिए फेडरल रिजर्व की मजबूत भूमिका होना बेहद जरुरी है।क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों के डेटा पर नजर डालें तो बिट्कॉइन 30,423 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है।पिछले सात दिनों में बिटकॉइन में 21 फीसदी का उछाल देखने को मिला है।पिछले 24 घंटों में बिट्कॉइन के भाव में 5.87 फीसदी की तेजी आई है।बिट्कॉइन को लेकर इस वर्ष कई भविष्यवाणी देखने को मिली है। स्टैंडर्ड चार्टड ने इसी वर्ष अप्रैल में कहा था कि बिट्कॉइन 2024 के अंत एक लाख डॉलर के ऐतिहासिक लेवल को छू सकता है।स्टैंडर्ड चार्टड के डिजिटल एसेट रिसर्च ने अपने नोट में कहा कि हालिया बैंकिंग सेक्टर क्राइसिस, अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें बढ़ाने के सिलसिले पर ब्रेक , क्रिप्टो माइनिंग में बढ़ते मुनाफे के चलते बिट्कॉइन को जबरदस्त फायदा होगा।

## सोने-चांदी के दामों में गिरावट जारी

### इस महीने अब तक 1400 से ज्यादा सस्ता हुआ गोल्ड, 44 हजार पर आई 18 कैरेट सोने की कीमत

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। आज यानी गुरुवार (22 जून) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 207 रुपए गिरकर 58,670 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,742 रुपए हो गई है। इस महीने अब तक सोने की कीमत में 1,400 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है।

**69 हजार के करीब आई चांदी**

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 1,380 रुपए सस्ती होकर 68,753 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 70,133 रुपए पर थी।

**इस महीने सोने में रही गिरावट**

इस महीने यानी जून में अब



तक सोने में गिरावट देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 जून को ये 60,113 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 58,670 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,443 रुपए की गिरावट आई है।

**सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका**

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम (एसजीबीएस) 2023-24 की पहली सीरीज 19 जून से खुल चुकी है। इसमें 23 जून तक निवेश कर सकते हैं। ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से इसमें निवेश किया जा सकता है। ऑनलाइन अप्लाई करने पर 50 रुपए की छूट मिलती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश करते हैं।

## तगड़ी पड़ी है महंगाई की मार खर्च करने के लिए नहीं बच रहे पैसे, भारत में हुआ इतना असर

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। हालिया कुछ महीनों के दौरान महंगाई दर में भले ही नरमी आई है, लेकिन इसने अभी भी लोगों को परेशान करना कम नहीं किया है।एक हालिया सर्वेक्षण से पता चलता है कि उच्च महंगाई के कारण पिछले 12 महीने के दौरान करीब 40 फीसदी भारतीयों की खर्च करने योग्य कमाई कम हुई है।हालांकि राहत की बात यह है कि अन्य देशों की तुलना में देखें तो भारत में आई गिरावट कम है। एक सर्वे के अनुसार, इस सर्वे में 18 देशों के लोगों ने हिस्सा लिया और उनमें से 50 फीसदी लोगों ने कहा कि महंगाई की ऊंची दरों के कारण उनकी खर्च योग्य कमाई में गिरावट आई है।हालांकि कुछ लोगों की आमदनी इस दौरान बढ़ी भी है।सर्वे के अनुसार, वैश्विक स्तर पर करीब 25 फीसदी लोगों ने पिछले एक साल में खर्च योग्य आमदनी बढ़ने की बात की, जबकि भारत में ऐसे लोग सिर्फ 14 फीसदी रहे।

डिस्पोजेबल इनकम खर्च योग्य आमदनी यानी डिस्पोजेबल इनकम कमाई के उस हिस्से को कहते हैं, जो किसी परिवार के पास टैक्स चुकाने तथा घर के किराये समेत अन्य खर्चे और ईंधन के खर्च के बाद बचता है।

डिस्पोजेबल इनकम पर महंगाई का सीधा असर होता है, क्योंकि महंगाई बढ़ने से घर व ईंधन के खर्चे भी तत्काल बढ़ जाते हैं.सर्वे के अनुसार, जिन 18 देशों के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया, सभी में डिस्पोजेबल इनकम में गिरावट आई है।ब्रिटेन में इसका असर सबसे ज्यादा हुआ है, क्योंकि वहीं के 65 फीसदी लोगों का मानना है कि उनकी डिस्पोजेबल इनकम कम हुई है, जबकि 20 फीसदी लोगों ने बढ़ने की बात की है।इसी तरह कनाडा के 58 फीसदी, फ्रांस के 55 फीसदी और डेनमार्क, पोलैंड व स्वीडन के 54-54 फीसदी लोगों ने खर्च योग्य कमाई में गिरावट की बात की है।

## पीएम मोदी के दौरे के बीच भारतीयों को तोहफा देने की तैयारी में अमेरिका

### एच-1बी वीजा पर होगा बड़ा एलान

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं और उनके दौरे के बीच ही अमेरिका ने भारतीयों को तोहफा देने की तैयारी कर ली है। दरअसल अमेरिका की सरकार, भारतीयों को अमेरिका में रहने और वहां काम करने की प्रक्रिया को आसान बनाने की तैयारी कर रही है। दरअसल अमेरिका का विदेश विभाग गुरुवार को ये एलान कर सकता है कि कुछ भारतीय और अन्य देशों के कामगार, जो एच-1बी वीजा धारक हैं, वह अपने वीजा को अमेरिका में रहकर ही रिन्यू करा सकते हैं। अभी तक एच-1बी वीजाधारकों को अपने देश लौटना होता था और उसके बाद ही एच-1बी वीजा रिन्यू हो पाता था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका अभी पायलट प्रोजेक्ट के तहत एच-1बी वीजाधारकों को यह सुविधा दी जाएगी और आने वाले सालों में इस सेवा में विस्तार किया जा सकता है। इस योजना से सबसे ज्यादा भारतीयों को फायदा होगा क्योंकि एच-1बी वीजा लेकर अमेरिका में काम करने वाले लोगों में सबसे ज्यादा तादाद भारतीयों की ही है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022 में अमेरिका सरकार द्वारा जारी किए गए कुल एच-1बी वीजा में से 73 प्रतिशत करीब 4,42,000 वीजा भारतीयों को ही जारी किए गए थे। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग इस प्रोजेक्ट में बदलाव भी कर सकता है। व्हाइट हाउस ने भी इसे लेकर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

## एसबीआई अमृत-कलश स्कीम में 15 अगस्त तक कर सकेंगे निवेश

### इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60% और अन्य को मिल रहा 7.10% सालाना ब्याज

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्पेशल फिक्स डिपॉजिट (एफडी) स्कीम अमृत कलश की लास्ट डेट बढ़ा दी है। अब इसमें 15 अगस्त 2023 तक निवेश किया जा सकेगा। इससे पहले 30 जून को इसमें निवेश करने की आखिरी तारीख खत्म हो रही थी।इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को एफडी पर 7.60% और अन्य को 7.10% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप एफडी पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं।




**ये एक स्पेशल टर्म डिपॉजिट**

अमृत कलश एक स्पेशल रिटेल टर्म डिपॉजिट यानी एफडी है। इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60% और आम नागरिकों को 7.1% के दर से इंटरेस्ट रेट मिलता है। इसमें अधिकतम 2 करोड़ रुपए की एफडी करा सकते हैं। अमृत कलश स्कीम के तहत आपको ब्याज का भुगतान प्रति महीना, प्रति तिमाही और हर छमाही किया जाता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एफडी ब्याज का पेमेंट तय कर सकते हैं।

**ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकते हैं निवेश**

इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक के ब्रांच जाकर भी निवेश कर सकते हैं। वहीं नेटबैंकिंग और एसबीआई योनो ऐप के जरिए भी इसमें निवेश किया जा सकता है।

अमृत कलश पर आम एफडी की तरह ही लोन लेने की सुविधा भी मिलती है। स्कीम के बारे में अधिक जानकारी के लिए, यहां क्लिक करें।

## डब्बा कारोबार करने के आरोप में शेयर ब्रोकर गिरफ्तार

### सिर्फ तीन महीने का टर्नओवर 4,672 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने 45 वर्षीय एक शेयर ब्रोकर को गिरफ्तार किया है उस पर करीब तीन महीने में 4,672 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ कथित तौर पर अवैध 'डब्बा कारोबार' में लिप्त रहने का आरोप है। "डब्बा ट्रेडिंग' शेयरों में ट्रेडिंग का एक अवैध रूप है, जहां ऑपरेटर लोगों को स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के बाहर इक्विटी में कारोबार करने की सुविधा देते हैं।



करीब 4,672 करोड़ रुपये था।

**मूडी नामक एप के जरिए चल रहा था 'डब्बा कारोबार' का खेल**

उन्होंने कहा कि मुंबई अपराध शाखा के पास शेयर ब्रोकर के बारे में

**सरकार को कथित तौर पर 1.95 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया, कांदिवली से गिरफ्तार**

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को उपनगर कांदिवली से गिरफ्तार आरोपी जतिन सुरेशभाई मेहता ने प्रतिभूति लेनदेन कर, पूंजीगत लाभ कर, राज्य सरकार के स्टांप ड्यूटी शुल्क, सेबी टर्नओवर शुल्क और स्टॉक एक्सचेंज टर्नओवर राजस्व जैसे विभिन्न करों का भुगतान नहीं करके सरकार को कथित तौर पर 1.95 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया। अधिकारी ने कहा कि ब्रोकर कथित तौर पर बिना वैध लाइसेंस के स्टॉक एक्सचेंज के बाहर शेयरों का कारोबार करता था और 23 मार्च से 20 जून 2023 के बीच उसका कारोबार विशेष सूचना थी जो स्टॉक एक्सचेंज से बिना किसी वैध लाइसेंस के 'मूडी' नामक एक एप की मदद से 'डब्बा कारोबार' कर रहा था। उन्होंने बताया कि अपराध शाखा की एक टीम ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के अधिकारियों के एक दस्ते के साथ मंगलवार को कांदिवली इलाके के महावीर नगर में शेयर ब्रोकर के कार्यालय पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कार्यालय से 50,000 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैब, एक कागज का टुकड़ा और एक पेन ड्राइव के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए।

## चौतरफा बिकवाली के चलते लुढ़का भारतीय शेयर बाजार, मिड कैप इंडेक्स में 380 अंकों की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दो दिनों की शानदार तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार में फिर से मुनाफावसूली लौटने के चलते




गिरावट देखने को मिली है।बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली है।निफ्टी मिड कैप इंडेक्स के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 285 अंकों की गिरावट के साथ 63,238 अंकों पर बंद हुआ है।जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 18,771 पर बंद हुआ है।आज बाजार में इस गिरावट के चलते निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है।निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आ गई है।आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, फार्मा, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।केवल मेटल्स और रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों में मामूली तेजी देखने को मिली है।आज के कारोबार में निफ्टी मिड कैप इंडेक्स और स्मॉल कैप में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है।मिड कैप इंडेक्स 380 अंकों की गिरावट के साथ 35,235 अंकों पर बंद हुआ है।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर तेजी के साथ और 20 नीचे गिरकर बंद हुए।निफ्टी के 50 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए।शेयर बाजार में आज बड़ी गिरावट के चलते निवेशकों को खासा नुकसान हुआ है।आज के ट्रेड में बीएसई का मार्केट कैप बाजार बंद होने पर घटकर 292.30 लाख करोड़ रुपये पर आ गया जो बुधवार को 294.35 लाख करोड़ रुपये रहा था।यानि आज के ट्रेडिंग सेशन में निवेशकों की संपत्ति में 2.05 लाख करोड़ की सेंध लगी है।

## अल नीनो से खेती-बारी होगी प्रभावित !

### किसान समझें लोन चुकाने को लेकर अपने अधिकार

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। अल नीनो का असर किसानों पर साफ दिखने वाला है. सालाना खाद्य आपूर्ति में धान, दलहन, कपास, तिलहन, गन्ना आदि जैसे खरीफ फसलों का योगदान प्रभावित हो सकता है. ये सभी फसलें वर्षा पर निर्भर हैं, लेकिन अल नीनो के कारण मानसून देर से आने की आशंका है। दुनिया के किसी एक हिस्से में समुद्र के औसत तापमान की तुलना में ज्यादा गर्मी या ज्यादा ठंड पड़ने से दुनिया भर का मौसम प्रभावित हो सकता है. इसका मतलब है कि प्रशांत महासागर में तापमान बढ़ने से



भारत में भी मौसम पर प्रभाव पड़ सकता है। प्रशांत महासागर में जब भूमध्य रेखा के समानांतर पूर्वी हवा बहती है और दक्षिण अमेरिका से गर्म हवा एशिया की ओर लेकर आती है तब मानसून सीजन के दौरान भारत में कुल वर्षा की 70 फीसदी बरसात होती है। यह अल नीनो के कारण प्रभावित हो सकता है. मानसून आने में इसी कारण देरी होती है।भारतीय मौसम विभाग ने इस बार के मानसून के दौरान अल नीनो के विकसित होने के करीब 70 फीसदी संभावना का पूर्वानुमान किया है। अगर ये सच होती है तो कृषि सेक्टर पूरी तरह से प्रभावित हो सकता है. यह सेक्टर सकल जीडीपी में 16 फीसदी योगदान करता है और भारतीय आबादी के 52 फीसदी को रोजगार देता है।कृषि देश में कुल बुवाई का लगभग आधा क्षेत्र सिंचाई की सुलभता से वंचित और पूरी तरह वर्षा पर निर्भर है। 91 प्राकृतिक जलाशय, जो बिजली पैदा करते हैं, कारखानों की पानी की जरूरत पूरी करते हैं और पेय जल उपलब्ध कराते हैं। यह मानसून पर निर्भर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुमान के अनुसार, जुलाई, अगस्त और सितम्बर के दौरान अल नीनो के 80 फीसदी तक बढ़ जाने की संभावना रहती है, जिसके कारण मॉनसून के दौरान कम वर्षा होती है.छिटपुट वर्षा से अर्थतंत्र पर एक से ज्यादा रूप में मार पड़ती है। खराब पैदावार के कारण उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च में काफी गिरावट हो जाती है।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | मिथुन | में | मेष-- | 01-30 बजे |
| चंद्र- | सिंह | में | वृष-- | 03-14 बजे |
| मंगल | कर्क | में | मिथुन.. | 05-14 बजे |
| बुध- | वृष | पें | कर्क... | 07-28 बजे |
| गुरु- | मेष | में | सिंह... | 09-39 बजे |
| शुक्र- | कर्क | में | कन्या.. | 11-45 बजे |
| शनि- | कुंभ | में | तुला... | 13-51 बजे |
| राहु- | मेष | में | वृश्चिक. | 16-01 बजे |
| केतु- | तुला | में | धनु..... | 18-14 बजे |
| | | | मकर.. | 20-50 बजे |
| | | | कुंभ... | 22-11 बजे |
| | | | मीन .. | 23-49 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- **05-47**
सूर्य अस्त- **18-49**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - **19 -54** तक उपरान्त षष्ठी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **June 23**
नक्षत्र -मघा - **07- 18** - पूर्ण दिनरात
योग - वज्र - **04 - 30** - तक उप - सिद्ध
करण- बव - **06 -40** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सांई टेंउराम जन्म दिन

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 10:40 से 12:18 तक**

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चंचल. | 05:47 - 07:23 | शुभ | रोग. | 18:49 - 20:14 | अशुभ |
| लाभ. | 07:23 - 09:01 | शुभ | काल. | 20:14 - 21:35 | अशुभ |
| अमृत | 09:01 - 10:40 | शुभ | लाभ. | 21:35 - 22:57 | शुभ |
| काल. | 10:40 - 12:18 | अशुभ | उत्पात | 22:57 - 00:18 | अशुभ |
| शुभ. | 12:18 - 13:57 | शुभ | शुभ | 00:18 - 01:40 | शुभ |
| रोग | 13:57 - 15:35 | अशुभ | अमृत | 01:40 - 03:02 | शुभ |
| उत्पात | 15:35 - 17:14 | अशुभ | चंचल | 03:02 - 04:23 | शुभ |
| चंचल | 17:14 - 18:49 | शुभ | रोग | 04:23 - 05:47 | अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें ।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

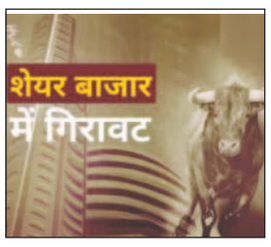

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

**कन्या** टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है ।

**वृश्चिक** लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं। अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

**धनु** ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

**मकर** मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए। किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# क्या यूपी-नेपाल बॉर्डर पर बढ़ रही मुस्लिम आबादी

## नो मेंस लैंड पर बसे गांव, लोग बोले- घर जमाई कल्चर बनी वजह

लखनऊ, 22 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। यूपी में श्रावस्ती से करीब 70 किमी दूर भरथा रोशनपुरवा गांव है। आधा भारत में, आधा नेपाल में। ये गांव नो मेंस लैंड एरिया में बसा है। गांव के आखिरी छोर पर एक मस्जिद और मदरसा है। गांव के शकील बताते हैं- ये मदरसा और मस्जिद 50 साल से ज्यादा वक्त से है। गांव के लोग चंदे से इनकी मरम्मत कराते रहते हैं। मदरसे में 150 से ज्यादा बच्चे पढ़ने आते हैं। भरथा रोशनपुरवा के मदरसे की बात इसलिए कि इस पर और इस जैसे करीब 8,500 मदरसों पर यूपी सरकार कार्रवाई कर सकती है। ये मदरसे बिना मान्यता के चल रहे हैं। बीते साल नवंबर में आई सर्वे रिपोर्ट में इसका पता चला। इनमें से ज्यादातर मदरसे नेपाल से सटे यूपी के जिलों सिद्धार्थनगर और बहराइच में हैं।

2022 में आई पुलिस की एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल से सटे जिलों में मुस्लिम आबादी भी नेशनल एवरेज से 20% तक ज्यादा बढ़ी है। डेमोग्राफी में आ रहे इस बदलाव को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया गया।

नेपाल बॉर्डर से सटे यूपी के तीन जिलों लखीमपुर, श्रावस्ती और बहराइच के लोगों से जब सवाल किया गया तो जवाबों की तलाश लखीमपुर के रामगढ़ गांव से की। लखीमपुर से लगभग 100 किमी दूर चंदन चौकी गेट का रास्ता दुधवा टाइगर रिजर्व से होकर गुजरता है। दुधवा से लगभग 15 किमी बाद चंदन चौकी आती है। नेपाल के रास्ते पर जाने से पहले यहां एक छोटा सा मार्केट पड़ता है। यहां सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि नेपाली भी खरीदारी करने आते हैं। मार्केट में सीमा सुरक्षा बल के जवान तैनात हैं। वे कहते हैं कि चौकी की तस्वीर या वीडियो बनाना मना है। इसके लिए अफसरों की परमिशन लेनी पड़ेगी। चंदन चौकी से एक किमी दूर बिचपटा गांव है। गांव की आबादी करीब 3500 है। इनमें हिंदू परिवार कोई नहीं है। गांव से 100 मीटर पहले रास्ते में ईदगाह बनी है। गांव में मोहम्मद साकिब मिले। उम्र 70 साल। बताते हैं, 'ये गांव आजादी से भी पहले से बसा है। मेरे अब्बू लखीमपुर के गोला से आए थे और यहीं बस गए थे। बाद में और लोग आते गए। कुछ लोग इधर-उधर के रिश्तेदार भी हैं, जो यहीं आकर बस गए और नेपाल का काम करने लगे।'साकिब कहते हैं, 'गांव में मस्जिद और मदरसा भी है। रजिस्ट्रेशन के लिए लखीमपुर में कागज डाल रखा है, लेकिन अब तक कुछ हुआ नहीं। गांव वालों ने चंदा करके मस्जिद बनवाई है। ये भी 10-15 साल पहले ही पक्की हुई है। मदरसे की मान्यता के लिए पिछली सरकार में लगे हुए थे, लेकिन सरकार ही बदल गई। अब तो कोई सुनवाई ही नहीं है।

### गांव में घर जमाई आकर बसे, तो बढ़ी आबादी

गांव में अंदर छोटी सी मस्जिद बनी है। 68 साल के शौकत मस्जिद के सामने रहते हैं। मोहम्मद साकिब की बात को आगे बढ़ाते हुए शौकत कहते हैं, 'हम लोग बहुत पहले से यहां बसे हैं। साकिब के वालिद (पिता) ने ही चंदा जमा करके ये मस्जिद बनवाई थी। अब मौलवी हैं, तो वही नमाज पढ़ाते हैं। बच्चों को इस्लाम की शिक्षा देते हैं। उनकी तनख्वाह गांव वाले चंदा करके देते हैं।'

### नेपाल जाकर कबाड़ बेचते हैं, कमाई ढाई सौ रुपए रोज

बिचपटा गांव के रहने वाले मुन्ना नेपाल में कबाड़ का काम करते हैं। 35 साल के मुन्ना रोज 50- 60 किलो कबाड़ ले जाते हैं। दो-ढाई सौ रुपए कमा लेते हैं। कहते हैं, 'मैं ज्यादा सामान नहीं लाता, वह गलत काम में गिना जाने लगता है। यहां कोई काम नहीं है। ज्यादातर लोग नेपाल में ही काम करते हैं।'

बिचपटा से निकलकर हम बगल के गांव रामगढ़ पहुंचे। यहां गांव की इकलौती मस्जिद के मौलवी मोहम्मद अनस खां मिले। उम्र 22 साल। कहते हैं, 'मेरा गांव पलिया से थोड़ी दूर अतरिया में है। परिवार में मां, बाप और बीवी हैं। उनके खर्च के लिए यहां नौकरी कर रहे हैं।' इतने में खर्च चल जाता है, और सरकार तो बिना मान्यता वाले मदरसों पर कार्रवाई की बात कह रही है, तो वे बोले, 'कुछ दिन पहले सरकार के लोग आए थे। मस्जिद और मदरसे के बारे में पूछ रहे थे। गांव के प्रधान के पास कागज थे, तो उन्होंने दिखा दिए। मौलवी मोहम्मद अनस खां से मिलने के बाद हम रामगढ़ गांव के प्रधान शफीक के पास पहुंचे। शफीक बताते हैं- हमारे पिता की सौ साल में मौत हुई थी। उनसे पहले हमारे दादा थे। उनके भी पूर्वज रहे होंगे, तो हमें नहीं मालूम कि हम लोग यहां कब से रह रहे हैं। सबसे पुराने बाशिंदे हम ही हैं।' शफीक बताते हैं, 'हम लोग कई साल से यहां रह रहे हैं, लेकिन जो सुविधाएं थारू जनजाति के लोगों को मिलती हैं, वो हमें नहीं मिलतीं। गांव के ज्यादातर नौजवान नेपाल कमाने जाते हैं। जमीन का पट्टा भी हमें नहीं मिल पाता।'

शफीक जिस थारू जनजाति की बात कर रहे हैं, उसके लोग नेपाल और भारत के सीमावर्ती तराई इलाके में रहते हैं। नेपाल की पूरी आबादी में करीब 6.6% थारू हैं।

पूर्व प्रधान मो. उमर बताते हैं कि एक परिवार में कई बच्चे होने से आबादी लगातार बढ़ रही है। हमने होश संभाला, तब यहां 24 से 25 परिवार थे। हमारे तीन बेटे हैं। अभी तो एक ही परिवार में हैं, लेकिन मेरे बाद अलग होकर तीन परिवार बन जाएंगे। गांव में कुछ लोग बाहर से आए हैं। उन्हें घर दामाद कहते हैं।'

रामगढ़ गांव से निकलकर चंदन मार्केट पहुंचे। यहां विकास गुप्ता मिले। विकास की साइकिल और स्पेयर पार्ट्स की दुकान है। मुस्लिमों की आबादी बढ़ने के सवाल पर कहते हैं, 'देखिए, चुनाव होता है, तो हर गांव में कुछ न कुछ वोट बढ़ते हैं। मुस्लिम गांव में मुस्लिमों के वोट बढ़ते हैं, तो हिंदू गांव में हिंदुओं के वोट बढ़ते हैं।'

पलिया विधानसभा के बीजेपी विधायक रोमी साहनी के पास पहुंचे। नेपाल बॉर्डर पर चंदन चौकी से गौरीफंटा बॉर्डर तक करीब 40 किमी की दूरी में 40 से ज्यादा गांव बसे हैं। यहां के विधायक रोमी साहनी ने बताया- बॉर्डर पर मुस्लिम आबादी तो बढ़ी है। कुछ लोग आपस के हैं, तो कुछ उनके रिश्तेदार बाहर से आकर बसे हैं। नेपाल बॉर्डर से उनका रोजगार है, इसलिए बसावट ज्यादा हो रही है।'

जिला अल्पसंख्यक विकास अधिकारी वीरपाल ने बताया कि सर्वे में लखीमपुर में 250 मदरसे पाए गए थे, इनमें 245 का रजिस्ट्रेशन नहीं है। नेपाल बॉर्डर के गांवों में क्या स्थिति है, इसका आंकड़ा उनके पास नहीं था।

लखीमपुर से निकलकर हम करीब 300 किमी दूर श्रावस्ती के नेपाल बॉर्डर पर पहुंचे। ककरदरी गांव श्रावस्ती के सिरसिया बॉर्डर का आखिरी गांव है। गांव में मिश्रित आबादी है, यादवों के बाद सबसे ज्यादा मुस्लिम हैं। गांव के आखिरी हिस्से में नेपाल बॉर्डर है। सीमा बताने के लिए पिलर लगे हैं। पिलर के दोनों तरफ का 10 मीटर एरिया नो मेंस लैंड माना जाता है। बॉर्डर के उस तरफ नेपाली गांव हुल्लासपुर का मंदिर है। वहां भी हिंदू-मुस्लिम दोनों रहते हैं।

राजकुमार यादव ककरदरी गांव के प्रधान हैं। वे पहली बार प्रधान बने हैं। बात गांव की परेशानी से शुरू करते हैं। कहते हैं, 'ये गांव बहुत पुराना है। इतने साल बीत गए, लेकिन अब तक न यहां बिजली है, न ही रास्ता। कई बार तो ये हुआ कि मरीज को इलाज के लिए ले जा रहे थे, रास्ते में उसकी मौत हो गई। हर साल बाढ़ का खतरा अलग रहता है। कई बार लिख कर दिया, लेकिन सुनवाई नहीं होती।' गांव में मुस्लिम आबादी बढ़ने के सवाल पर राजकुमार किसी बाहरी के बसने से इनकार करते हैं। गांव में रहने वाले हैदर मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं। हैदर कहते हैं, 'गांव की सुविधाएं देखकर तो लगता है कि हम लोग इंडिया के हैं ही नहीं। नेता इलेक्शन में तो जंगल से होते हुए किसी तरह आ जाते हैं, उसके बाद दोबारा नहीं आते।'

60 साल के मकसूद अली जरूर गांव में बाहरियों के बसने की बात बताते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में कई लोग बाहरी आए हुए हैं। ज्यादातर तो नेपाल की नागरिकता भी लिए हुए हैं। फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवा लिया है।' हम गांव के आखिरी छोर पर पहुंचे तो नेपाल बॉर्डर का पिलर दिखा। पिलर से कुछ कदम की दूरी पर ही मदरसा और उसी में मस्जिद बनी है। मदरसे के बगल में रहने वाले इलियास बताते हैं, 'ये मदरसा 15 साल से बना हुआ है। गांव में मुस्लिमों की आबादी ज्यादा है। हम लोग ही मिलकर मौलवी को तनख्वाह देते हैं। मदरसे में 80 से 90 बच्चे पढ़ने आते हैं।'

ककरदरी से निकलकर हम 11 किमी दूर भरथा रोशनपुरवा पहुंचे। यहां की आबादी करीब 5 हजार है। ये गांव नो मेंस लैंड पर बसा है। एक तरफ भारत का रोशनपुरवा गांव है, दूसरी तरफ नेपाल का रोशनपुरवा गांव। यहां मिले मोहम्मद शकील हमें गांव के आखिरी छोर तक ले गए। यहां एक मस्जिद और मदरसा है।

बताते हैं ये मस्जिद-मदरसा नेपाल बॉर्डर पर बना है। हालांकि हमें बॉर्डर को अलग करने वाला पिलर नहीं दिखा। इससे ये पता नहीं चलता कि रोशनपुरवा गांव का कौन सा हिस्सा भारत में है और कौन सा नेपाल में। क्या इस इलाके में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है? जवाब में अनवर अली कहते हैं, 'मैं अपने खानदान की पांचवी पुश्त का हूं। मेरी उम्र भी 66 साल है। अब बताइए कि गांव छोड़कर कहां चले जाएं।'

### बहराइच का आखिरी गांव सीतापुरवा, हिंदू आबादी बिल्कुल नहीं

श्रावस्ती से निकलकर हम 100 किमी दूर रूपईडीहा पहुंचे। ये नेपाल बॉर्डर पर बसा बहराइच जिले का आखिरी कस्बा है। कुछ साल पहले ही केंद्र सरकार ने यहां हाईवे बनवाया है। इसलिए आसानी से रूपईडीहा होते हुए नेपाल जा सकते हैं। रूपईडीहा से करीब 7 किमी दूर है बॉर्डर का आखिरी गांव सीतापुरवा। नटों के इस गांव में कोई हिंदू परिवार नहीं रहता। यहां सिर्फ मुस्लिम आबादी है। गांव के पीरगुलाम बताते हैं, 'इस गांव को नटबाजों का गांव तो कहा जाता है, लेकिन यह कला अब खत्म हो चुकी है। अब लड़कों को बाहर मजदूरी करने जाना पड़ता है।' गांव में घूमने पर पता चला कि कई गांव वाले आज भी प्रधानमंत्री आवास के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। वे बताते हैं कि रोजाना का खर्च चलाने के लिए मजदूरी और जंगल से लकड़ियां काट कर लाते हैं। उसे बेचकर ही गुजारा हो पाता है।

यूपी के तीन जिले लखीमपुर, श्रावस्ती और बहराइच से सटे नेपाल बॉर्डर की स्थिति जानने के बाद यूपी सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अंसारी के पास लखनऊ पहुंचे। उन्होंने नेपाल बॉर्डर पर मुस्लिम आबादी बढ़ने के सवाल पर जवाब नहीं दिया। हालांकि मदरसों के बारे में वे बताते हैं कि जब से यूपी में बीजेपी की सरकार आई है, मदरसों का हाल सुधारने में लगे हुए हैं। हमने मदरसों में दीनी तालीम के अलावा दूसरे सब्जेक्ट भी पढ़ाना शुरू किया है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी भी शुरू की है।'

तीनों जिलों में घूमने और लोगों से बातचीत से पता चला कि बॉर्डर पर मुस्लिम आबादी तो बढ़ रही है, लेकिन इसकी वजहें सामाजिक हैं। आबादी बढ़ी है, इसलिए मस्जिद और मदरसे भी बढ़े हैं। गांव वाले इस बात से अनजान थे कि शहरों में उनकी आबादी को लेकर भी चर्चा हो रही है। हालांकि, वे अपनी रोजी-रोटी के लिए जरूर फिक्रमंद हैं।

## खड़े ट्रक में जा घुसी कार, 2 की मौत

बालोद, 22 जून (एजेंसियां)। बालोद जिले से होकर गुजरने वाले रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे- 30 पर गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया है, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। यहां कार सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। कार में 6 लोग सवार थे। मामला गुरूर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरूर चौकी इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, कार सवार सभी लोग राजधानी रायपुर के मोवा इलाके के रहने वाले हैं। मोवा निवासी पंजाबी परिवार कांकेर जिले के गोविंदपुर में किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। वहां से वे वापस अपने घर रायपुर लौट रहे थे, तभी बालोद जिले के गुरूर थाना क्षेत्र में उनकी कार खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसा गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब हुआ।

पुरूर चौकी के उप निरीक्षक रूपेश भगत ने बताया कि सुबह 8 बजे गोविंदपुर से पंजाबी परिवार लौट रहा था। इधर ग्राम मुजालगोंदी और मरकाटोला के बीच डीजल खत्म हो जाने के कारण सड़क पर ट्रक क्रमांक सीजी 04 एचयू 1809 खड़ा था। में कार क्रमांक सीजी 04 पीडी 2897 सीधी जाकर घुस गई।

तेज रफ्तार कार की ट्रक में जोरदार टक्कर होने से कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार सभी 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को धमतरी जिला अस्पताल पहुंचाया।

धमतरी जिला अस्पताल में 3 वर्षीय बच्ची गुरलीन कौर और उसकी बड़ी मम्मी 32 वर्षीय कुलदीप कौर की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं गुरुमुख सिंह, महिंदर पाल, हरप्रीत सिंह और रंजीत सिंह को गंभीर हालत में रायपुर रेफर किया गया है।

## शाह बोले-मनमोहन सरकार में 12 लाख करोड़ का घोटाला हुआ

### छत्तीसगढ़ में बीजेपी और केंद्र में मोदी सरकार बनाने का संकल्प दिलाया, उषा बारले के घर पहुंचकर की मुलाकात

दुर्ग, 22 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम से सभा को संबोधित करते हुए, छत्तीसगढ़ में बीजेपी और केंद्र में मोदी सरकार बनाने का संकल्प दिलाया। इस बीच उन्होंने कहा, 2024 में राहुल बाबा और मोदी में कौन प्रधानमंत्री बनेगा। सोनिया मनमोहन की 10 साल की सरकार ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया है।

संबोधन से पहले अमित शाह भिलाई में उषा बारले के घर पहुंचे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और सांसद विजय बघेल भी मौजूद हैं। सभा को संबोधित करके वे मध्यप्रदेश के बालाघाट के लिए रवाना होंगे।

अमित शाह के दौरे पर सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर लिखा है कि राम के ननिहाल में उनका स्वागत है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि रामायण और राम की छवि बिगाड़ने वाली फिल्म आदिपुरुष को बैन करने की घोषणा करें।

भिलाई पावर हाउस में अमित शाह को काले झंडे दिखाने की कोशिश करने वाले सैकड़ों एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाह की सुरक्षा में पूरे शहर को छावनी में तब्दील किया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। इससे पहले रायपुर एयरपोर्ट पर पूर्व सीएम रमन सिंह ने उनकी अगवानी की थी। उनके साथ अरुण साव, रामविचार नेताम, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत के साथ भाजपा के कई नेता मौजूद थे।

इनसे मुलाकात के बाद शाह दुर्ग के लिए रवाना हुए। दुर्ग में अमित शाह 1 घंटा 40 मिनट रुकेंगे। इस बीच भिलाई के सेक्टर 1 स्थित पद्मश्री उषा बारले के घर जाएंगे। इसके बाद रविशंकर स्टेडियम में दुर्ग पहुंचेंगे और 3 बजे तक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद 3.15 बजे हेलीकॉप्टर से बालाघाट मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो जाएंगे।

पद्मश्री उषा बारले के घर की ओर जाने वाले सभी रास्तों में पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए दुर्ग पुलिस ने 500 से अधिक जवानों को ड्यूटी पर लगाया है। उनके घर फिलहाल किसी भी अपरिचित को एंट्री नहीं दी जा रही।

इसके साथ ही राज्य के कई जिलों से टीआई और अन्य बड़े अधिकारियों को बुलाया गया है। उनके आवास का रंग-रोगन करने के साथ आसपास की सफाई भी की गई है।

## पीलिया की चपेट में 7 लोग

### निगम ने पानी सप्लाई बंद कर टैंकर भेजने की कही बात, कलेक्ट किए गए सैंपल

भिलाई, 22 जून (एजेंसियां)। भिलाई में एक बार फिर से पीलिया का प्रकोप बढ़ रहा है। कैंप क्षेत्र में जोन तीन के वार्ड 38 में 6 से अधिक लोग बीमार हैं। पार्षद पीयूष मिश्रा का कहना है कि शिकायत के बाद भी जोन कमिश्नर ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद उन्होंने निगम आयुक्त से शिकायत की, तब निगम की टीम आई और पानी का सैंपल कलेक्टर किया है। निगम ने पीने के लिए टैंकर से पानी सप्लाई करने की बात कही है। भिलाई नगर निगम के वार्ड 38 सोनिया गांधी नगर के पार्षद पीयूष मिश्रा ने बताया कि उनके क्षेत्र में पिछले कई दिनों से गंदा पानी आ रहा है। यह क्षेत्र बीएसपी का होने के चलते यहां निगम के साथ-साथ बीएसपी की पाइप लाइन बिछी है। इस समय निगम की पाइप लाइन में पानी नहीं आ रहा है। इससे लोग बीएसपी से सप्लाई का पानी पी रहे हैं।

निगम के कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा का कहना है कि बीएसपी का पानी संक्रमित है। लोग इस पानी को पीकर बीमार हो रहे हैं। उन्होंने मोहल्ले के कई घरों के पानी का सैंपल कलेक्ट किया है। उसकी लैब में टेस्टिंग की जाएगी, उसके बाद पता चल पाएगा कि पानी ठीक है या संक्रमित है। फिलहाल निगम ने लोगों को पाइप लाइन का पानी पीने से मना किया है। पीने के पानी के लिए टैंकर से सप्लाई दी जाएगी।

## रैली के दौरान नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

### सोरेन सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

गिरिडीह, 22 जून (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा झारखंड दौरे पर हैं। गिरीडीह में रैली के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने कांग्रेस पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया भी दी है। उन्होंने कहा कि जहां पूरी दुनिया पीएम मोदी की सराहना कर रही है, वहीं कांग्रेस उन्हें सांप, अनपढ़ और चायवाला कहती है। आज के समय में अमेरिका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आर्थिक मंदी का महौल है लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से खड़ी है।

**कांग्रेस पर नड्डा की तीखी प्रतिक्रिया**

गिरिडीह में अपनी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के 75 वर्षों के शासन पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- '75 वर्षों के शासन के दौरान केवल 74 एयरपोर्ट बने, वहीं पीएम मोदी की सरकार के महज नौ सालों के दौरान 74 एयरपोर्ट बनाए गए।

यह है बदलते भारत की तस्वीर।'

उन्होंने बताया कि 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें पायदान पर थी, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत इस क्षेत्र में ब्रिटेन को पछाड़कर पांचवे स्थान पर आ चुका है। एक तरफ जहां पूरी दुनिया पीएम मोदी की प्रशंसा कर रही है, वहीं कांग्रेसी बाई-बहन उन्हें सांप, अनपढ़, चाय बेचने वाला बोलती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पीएम मोदी और देश की प्रशंसा नहीं भाती है।

**भाजपा की योजनाओं का किया जिक्र**

नड्डा ने भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि आयुष्मान भारत के तहत 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। इसके अलावा पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ लोगों को मकान उपलब्ध कराया गया। इस घर की मालकिन महिलाओं को बनाया गया, जो कि मोदी जी के महिला सशक्तिकरण का तरीका है।

**झारखंड सरकार पर साधा निशाना**

जेपी नड्डा ने अपनी रैली में झारखंड सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर राज्य को पीछे धकेलने का आरोप लगाया।

नड्डा ने भाजपा सरकार की तारीफ में कहा कि जहां मोदी जी ने विकास के लिए काम किया है, वहीं हेमंत सोरेन सरकार ने हर तरीके से झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया है। झारखंड सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था चरमरा गई है।

## झारखंड में बारिश को लेकर अलर्ट जारी

उन्होंने झारखंड सरकार पर यह भी कहा कि ज्यादातर बड़े जमानी घोटाले झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के दौरान ही हुआ है। नड्डा ने हेमंत सरकार पर अवैध खनन को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया है। बुधवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नड्डा ने कहा कि कल का दिन ऐतिहासिक था। पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी संस्कृति से जुड़े अपनी विधा योग का नेतृत्व किया।

### एक लाख की इनामी नक्सली महिला ने किया आत्मसमर्पण

#### 12 साल रही प्रतिबंधित संगठन के साथ

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में एक लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस के अनुसार समर्पण करने वाली महिला की पहचान हेमला गंगी के रूप में हुई है। वह पिछले 12 सालों से प्रतिबंधित संगठन से जुड़ी हुई थी।

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। झारखंड में अब मानसून पूरी तरह फैल रहा है। राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए हैं । मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक राज्य में अच्छी बारिश की संभावना जाहिर की है। मौसम विभाग के अनुसार 22 और 23 जून को राज्य के विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना बन रही है। एक तरफ मानसून ने गर्मी से राहत दी है तो दूसरी तरफ राज्य में वज्रपात का खतरा बढ़ा है। दो दिनों में वज्रपात से 25 लोगों की मौत हो गयी है। राज्य में अगले 24 घटे में राज्य के दक्षिणी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी।

झारखंड में मानसून अब धीरे - धीरे आगे बढ़ रही है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई है। राजधानी रांची में मौसम का मिजाज बदला है। आसमान में बादल छाए हैं। गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। अगले दो से तीन दिनों के अंदर इसके पूरे झारखंड में छाने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य में अभी हर जगह बारिश होने की संभावना नजर आ रही है।

## व्यापारी के घर से मिला 2 करोड़ कैश

### 20 लाख की चोरी की जांच करने पहुंची थी पुलिस, पलंग के नीचे रखे थे नोटों के बंडल

सारंगढ़-बिलाईगढ़, 22 जून (एजेंसियां)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के वार्ड क्रमांक-3 में व्यापारी के घर बुधवार तड़के करीब 20 लाख रुपए की चोरी हो गई। इधर इस चोरी में नया मोड़ तब आ गया, जब जांच करने पहुंची पुलिस को व्यापारी के पलंग के नीचे 2 करोड़ 76 हजार 400 रुपए नगद मिले। मामला भटगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात भटगांव के प्रतिष्ठित शोभित नामदेव के घर चोरी हुई। पूरा परिवार रात में खाना खाने के बाद सोने चला गया। बुधवार तड़के 4 से 5 बजे के बीच अज्ञात चोर घर में घुसा। पूजा घर में रखी अलमारी से चोर 15 लाख रुपए नगद और 5 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी कर फरार हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित व्यापारी शोभित नामदेव ने बताया कि वे वार्ड क्रमांक- 3 ब्राह्मणपारा भटगांव में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी खुद की देव जनरल एवं बुक डिपो नाम से बस स्टैंड पर दुकान है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे सुरेश, सतीश और लोकेश एक ही मकान में रहते हैं, वहीं एक बेटा हरीश नामदेव अपने परिवार के साथ दूसरे मकान में रहता है। 20 जून को उसके दोनों बेटे-बहू और बच्चे खाना खाकर अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए। वे भी रात साढ़े 12 बजे टीवी देखने के बाद अपने रूम में सोने के लिए चले गए।

शोभित नामदेव ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे उठकर वे पूजा करने के लिए पूजा घर में गए। मां दुर्गा की पूजा करने के बाद अलमारी खोलने के लिए चाबी लगाई, तो वो पहले से ही खुली हुई मिली। अलमारी खोलने पर लॉकर भी खुला हुआ मिला। लॉकर की चाबी अलमारी में रहती थी। उन्होंने लॉकर में देखा, तो उसमें से 15 लाख रुपए नगद गायब मिले।

## वज्रपात से दो दिनों में 25 की मौत

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून की दस्तक के साथ ही वज्रपात से मौत का आंकड़ा भी अचानक बढ़ने लगा है। 20 जून और 21 जून के आंकड़े बताते है कि इन दो दिनों में राज्यभर में 25 लोगों की मौत हो गयी। बुधवार को 11 लोगों की मौत की खबर आयी जबकि मंगलवार को 14 लोगों की मौत वज्रपात की वजह से हो गयी। जिन इलाकों में वज्रपात से सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा,सिमडेगा, जमशेदपुर और साहिबगंज के इलाके शामिल हैं। 11 लोगों में से 3 लोग गिरिडीह और 2 चतरा के थे। इशके साथ ही गढ़वा, पलामू, लातेहार, सिमडेगा, जमशेदपुर व साहिबगंज में एक-एक मौत का आंकड़ा सामने आया है।

# अफगानिस्तानी रक्षा मंत्री बोले-डूरंड लाइन सिर्फ काल्पनिक रेखा

## कहा- पूरा पश्तून इलाका हमारा, अफगान लोग चाहेंगे तब ये मामला उठाया जाएगा

काबुल, 22 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान की जीत से खुश पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट फैज हमीद का जश्न कुछ ही दिनों में गायब होता दिख रहा है। दरअसल, तालिबान ने 130 साल पुरानी पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर डूरंड लाइन की वैधता पर सवाल उठा दिए हैं।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मौलवी याकूब मुजाहिद ने कहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच का बॉर्डर सिर्फ 'काल्पनिक रेखा' है। अफगान लोग चाहेंगे तब ये मामला उठाया जाएगा। अभी हम किसी के साथ नई जंग शुरू करना नहीं चाहते। 2021 में तालिबान ने पाकिस्तानी जवानों को तारबंदी करने से रोक दिया था।

अफगानिस्तान सीमा पार के पाकिस्तानी हिस्से वाले पश्तून क्षेत्रों पर संप्रभुता का दावा करता

है। जिसमें पूर्व संघीय प्रशासित जनजातीय क्षेत्र और उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत के हिस्से शामिल हैं।

**9/11 आतंकी हमले से पहले पश्तून डूरंड लाइन को पार कर सकते थे**

12 नवंबर 1893 को ब्रिटिश भारत के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के शासक अब्दुर रहमान खान के बीच यह सीमा समझौता हुआ था। 1947 में आजाद होने के बाद से पाकिस्तान इसे अपनी सीमा बताता है। 9/11 आतंकी हमले के बाद आम लोगों के डूरंड रेखा के पार आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। जिससे पश्तून लोग परेशान हैं।

पाकिस्तान सुरक्षा और तस्करी रोकने का हवाला देते हुए 2,640 किमी लंबी डूरंड लाइन पर तारबंदी कर रहा है। जिसे लेकर अफगानिस्तान नाराज है।

**अफगान पक्ष का दावा- पाक डूरंड लाइन को दुनियाभर से मान्यता दिलाना चाहता है**

अफगानिस्तानी विशेषज्ञ अली आदिल का कहना है कि डूरंड लाइन 'औपनिवेशिक रूप से थोपी' हुई है। जो पश्तून जनजातियों के पैतृक घरों को दो देशों में बांट देती है। आदिल कहते हैं कि ब्रिटिश अधिकारियों और रहमान के बीच समझौते की 100 साल की समय सीमा थी, जो 1993 में समाप्त हो गई थी। सुरक्षा और तस्करी का बहाना करके पाकिस्तान डूरंड लाइन को वैश्विक स्तर पर स्थायी सीमा की मान्यता दिलाना चाहता है।

**पाकिस्तान को डर- तालिबान डिप्लोमेसी में नहीं, शक्ति दिखाने में यकीन रखता है**

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार इलियास खान कहते हैं कि तालिबान को गंभीरता से लेना चाहिए। साफ है कि तालिबान के डूरंड लाइन मुद्दे पर पीछे हटने की संभावना नहीं है। मोहम्मद गनी और हामिद करजई सरकार ने भले ही संयम दिखाया हो, लेकिन, तालिबान का डिप्लोमेसी में कोई यकीन नहीं है। पहले यूएसएसआर और फिर अमेरिका जैसी महाशक्तियों को हराने के बाद दंभ में चूर तालिबान ताकत के इस्तेमाल से हिचकिचाएगा नहीं।

**तालिबान को लेकर विदेश नीति फेल**

पाक को उम्मीद थी कि तालिबान के आने से डूरंड विवाद हमेशा के लिए शांत हो जाएगा। विश्लेषक आमेर खान का कहना है कि पाक धोखा खा गया। अगर हमारे पास प्रभावी विदेश नीति होती तो डूरंड का 130 साल पुराना भूत फिर से सामने नहीं आता।

# शेफ के साथ जिल बाइडन ने किया काम

## तिरंगे की थीम पर सजा डाइनिंग स्थल

वाशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा में पीएम मोदी का भव्य स्वागत हुआ है। बुधवार को राष्ट्रपति जो बाइडन और अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने पीएम मोदी के लिए डिनर का आयोजन किया। इसका मेन्यू भी सामने आया है। बताया गया है कि पीएम के लिए डिनर तैयार करने में खुद जिल बाइडन ने शेफ का हाथ बंटाया। अमेरिकी प्रथम महिला जिल बाइडन ने गेस्ट शेफ नीना कुर्टिस के साथ डिनर की तैयारियों में हाथ बंटाया। प्रधानमंत्री के लिए व्हाइट हाउस के कार्यकारी शेफ क्रिस कॉमर फोर्ड और व्हाइट हाउस के कार्यकारी पेस्ट्री शेफ सूसी मॉरिसन ने डिनर का मैन्यू तैयार किया है। डिनर के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति-प्रथम महिला ने ग्रैमी अवार्ड विनर जोशुआ बेल का परफॉर्मेंस साथ देखा। इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया का एक समूह ने भारतीय संगीत के साथ जिल बाइडन के गृह नगर की यादों गाने को बयां किया।

व्हाइट हाउस के दक्षिणी लेन में डिनर आयोजित किया गया। डाइनिंग स्थल को तिरंगे की थीम से सजाया गया। डाइनिंग मंडप हरे रंग से सजा है। वहीं मेज पर केसरिया रंग के फूल रखे गए।

**गेस्ट शेफ ने कही ये बात**

गेस्ट शेफ नीना कर्टिस ने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं। पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष मनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए डिनर में खासतौर से मैरिनेटेड बाजरा शामिल किया गया।

**दौरे के अंतिम दिन कमला हैरिस और ब्लिंकन के साथ लंच**

23 जून को पीएम मोदी अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के साथ अमेरिकी सरकार द्वारा आयोजित लंच कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। वॉशिंगटन डीसी के लफायेते स्कवायर पार्क में पीएम मोदी भारतीय मूल के लोगों से मिलेंगे। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

# चीन के रेस्टोरेंट में ब्लास्ट, 31 की मौत

## गैस लीक होने के कारण धमाका, इलाके में ड्रैगन बोट फेस्टिवल की तैयारी चल रही थी

यिनचुआन, 22 जून (एजेंसियां)। चीन के यिनचुआन शहर में बुधवार देर रात एक रेस्टोरेंट में धमाका हो गया। हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। चीनी मीडिया 'शिन्हुआ' के मुताबिक, गैस के रिसाव के कारण धमाका हुआ। 7 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

हादसे के दौरान इलाके में काफी भीड़ थी। यहां ड्रैगन बोट फेस्टिवल की तैयारियां चल रही थीं। यिनचुआन शहर 'निंगिजया' नाम के स्वशासित प्रांत की राजधानी है। इस प्रांत कि आबादी 68 लाख है। इनमें से 36% लोग मुस्लिम हैं।

चीनी मीडिया 'शिन्हुआ' ने हादसे के बाद की कुछ तस्वीरें जारी की हैं। इसमें आग बुझने के बाद मौके पर मौजूद दमकल विभाग की गाड़ियां नजर आ रही

हैं। दमकलकर्मी घायल लोगों को एंबुलेंस तक ले जाते हुए भी दिख रहे हैं।

**धमाके के बाद आग फैली**

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्टोरेंट में पहले तो एक धमाका हुआ। इसके बाद वहां आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि तेजी से फैल गई।

हालांकि, दमकल की गाड़ियां फौरन मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पा लिया गया। रेस्टोरेंट में हुए धमाके के बाद लोगों की सेफ्टी को लेकर सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। लोग सरकार से घनी आबादी वाले इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए योजनाएं बनाने की मांग कर रहे हैं।

**7 महीने पहले 15 मंजिला इमारत में लगी थी आग**

ये पहली बार नहीं है जब चीन के किसी रेसिडेंशियल एरिया या घनी आबादी वाले इलाके में धमाका हुआ या आग लगी हो। 25 नवंबर 2022 को शिंजियांग में एक बिल्डिंग की 15वीं मंजिल में आग लगी गई थी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी। 9 लोग घायल हुए थे। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इलेक्ट्रिक सॉकेट एक्सटेंशन के चलते आग लगी थी। पुलिस के मुताबिक, इमारत में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे।

# पीएम मोदी और बाइडन की मुलाकात से टेंशन में हैं जिनपिंग

## भारत-अमेरिका की दोस्ती से चीन को क्या है डर?

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच मजबूत होती साझेदारी अगर किसी देश के लिए मुसीबत बन रही है, तो वह है चीन। दोनों देशों के बीच इस साझेदारी का मकसद चीन की बढ़ती आक्रामकता पर लगाम लगाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत हुआ और अब 22 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ उनकी द्विपक्षीय मुलाकात होगी। दोनों देशों की तरफ से यूं तो कई बार साझा बयान जारी किए गए हैं। लेकिन कभी सीधे तौर पर चीन का नाम नहीं लिया गया है। मगर कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि व्हाइट हाउस में गुरुवार को होने वाली मुलाकात के बाद हो सकता है कि दोनों नेताओं की तरफ से जो बयान हो, उसमें चीन का जिक्र हो। हाल के कुछ वर्षों में चीन वह देश बनकर सामने आया है जिसने भारत के सबसे बड़े खतरे के तौर पर पाकिस्तान की जगह ले ली है। भारत की तरफ से अक्सर उन विवादों को तूल देने की कोशिश नहीं की गई है जिसकी वजह से चीन के साथ टकराव बढ़ लेकिन फिर भी चीन

अक्सर सीमा पर उकसावे की कार्रवाई को अंजाम देता रहा है। चीन के साथ बीच दशकों की तनातनी के बाद उन रणनीतिक हितों को जगह मिली है जो अमेरिका और भारत से जुड़े हैं। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान ही बाइडन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तानाशाह करार दे दिया। मोदी की यात्रा से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन चीन पहुंच गए।

**चीन से निबटने की तैयारी**

न तो बाइडन और न ही मोदी भागीदारी मुख्य तौर पर चीन की चुनौती से निपटने के रूप में पेश करेंगे। मगर अधिकारियों की मानें तो भारत एक उभरती हुई शक्ति है और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ऐसे में उसके साथ मिलकर साझा हितों को मजबूत करने के बारे में बाइडन विस्तार से चर्चा कर सकते हैं। बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा था, ' पीएम मोदी की यात्रा चीन के बारे में नहीं है।लेकिन सैन्य क्षेत्र, प्रौद्योगिकी क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र में चीन की भूमिका का सवाल एजेंडे में होगा।'

**चीन की मिलिट्री होगी कमजोर!**

गुरुवार को दोनों नेताओं की तरफ से बड़े ऐलान किए जा सकते हैं। इनमें से फाइटर जेट के लिए जीई इंजन की डील सबसे अहम मानी जा रही है। इसके अलावा प्रीडेटर ड्रोन के बारे में भी बड़ी घोषणा हो सकती है। ये दोनों भारत की सेनाओं को वह ताकत प्रदान कर सकते हैं जिसके बाद वह चीनी मिलिट्री का मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। जीई इंजन की डील के अरबों डॉलर का होने का अनुमान है। इसमें एडवांस्ड जेट इंजन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी नियम शामिल है। अमेरिका ने इस तरह की डील कभी किसी देश के साथ नहीं की है। कहा जा रहा है कि आने वाले कुछ सालों में दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को बांधने की क्षमता है।

**भारत के साथ बड़ी डील**

यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के एक सीनियर समीर लालवानी ने वॉशिंगटन पोस्ट से कहा, 'यह बहुत ही संवेदनशील टेक्नोलॉजी है जिसकी मांग भारत करीब दो दशकों से कर रहा है। अगर यह डील सफल होती है तो भविष्य में जेट इंजनों की कई वर्जन तैयार हो सकते हैं।

अमेरिका के लिए आने वाले 20 से 30 साल भारत के रक्षा उद्योग में भागीदार बनने और उसे आकार देने का एक तरीका है।

**पाकिस्तान में खुलेआम चल रही है मानव तस्करी**

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। ग्रीस के पास प्रवासियों को ले जा रहे जहाज के डूबने की घटना से पाकिस्तान में उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस घटना को लेकर शहबाज शरीफ सरकार की लगातार आलोचना हो रही है। आलोचकों ने कहा है कि सरकार देश में आर्थिक संकट दूर करने में नाकाम रही है, जिस कारण लोग अवैध तरीके से विदेश जाने को मजबूर हो गए हैं। इस बीच सरकार मानव तस्करों पर काबू पाने में भी विफल रही है, जो लोगों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। पिछले हफ्ते लगभग 750 प्रवासियों को ले जा रहा एक जहाज भूमध्य सागर में डूब गया था। यह जहाज लीबिया से चला था। बताया जाता है कि जहाज प्रवासियों का ग्रीस या यूरोप के किसी अन्य देश में गैर-कानूनी ढंग प्रवेश कराने के मकसद से जा रहा था।

# पेरिस की बिल्डिंग में आग लगी, 16 झुलसे

## 7 की हालत गंभीर, पुलिस ने इलाका सील किया

पेरिस, 22 जून (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में लेफ्ट बैंक की एक बिल्डिंग में बुधवार को आग लग गई। इस हादसे में 16 लोग झुलस गए, जिनमें 7 की हालत गंभीर है। जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश में लगी है।

पुलिस ने इलाके को सील कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग गैस लीक होने की वजह से लगी है।

**बिल्डिंग का एक हिस्सा ढह गया**

पेरिस पुलिस के प्रमुख लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आग लगने की वजह से बिल्डिंग का एक हिस्सा ढह गया। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी आग बुझ नहीं पाई है। अभी दमकल की टीम यह पता चलाने की कोशिश कर रही है कि मलबे में कोई दबा है या

नहीं। पेरिस पुलिस की प्रवक्ता लुबना अट्टा ने कहा कि आग लगने की वजह क्या है, अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। कुछ रिपोर्ट्स में गैस लीक होने से आग लगने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने की घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अकील नाम के एक स्टूडेंट ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। उसने बताया कि घटना के वक्त वह 100 मीटर दूर की बिल्डिंग में था।

अकील ने बताया- मैं खिड़की पर बैठा था, तभी जोरदार धमाका हुआ और मैं खिड़की से 2 मीटर दूर जाकर गिरा। फिर हम बिल्डिंग से उतरकर नीचे आ गए, तब हमें पास की इमारत में आग की लपटें दिखीं। पुलिस की मदद से हम जल्दी वहां से निकल गए।

**कम्युनिस्ट प्रचंड के लिए अभिशाप बना पोखरा एयरपोर्ट!**

काठमांडू, 22 जून (एजेंसियां)। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को लेकर नेपाल और चीन में विवाद बढ़ता जा रहा है। इस हवाई अड्डे का उद्घाटन जनवरी की शुरुआत में नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने किया था। इसके उद्घाटन से पहले ही चीनी दूतावास ने ट्वीट कर बताया था कि पोखरा हवाई अड्डा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) सहयोग की एक प्रमुख परियोजना है। इस हवाई अड्डे के उद्घाटन के छह महीने बाद सिचुआन एयरलाइंस की एक चार्टर्ड उड़ान एयरबर ए319 विमान 84 यात्रियों के साथ बुधवार को पोखरा में उतरी।

इस विमान में सवार लोग शुक्रवार को पोखरा में आयोजित होने वाले नेपाल-चीन मैत्री ड्रैगन बोट रेस फेस्टिवल के लिए यहां आए हैं। नेपाल के स्थानीय टूरिज्म से जुड़े लोग इस अंतरराष्ट्रीय उड़ान के आगमन का जश्न मना रहे हैं, लेकिन कोई नहीं जानता है कि नए हवाई अड्डे से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ाने कब संचालित होंगी।

# कौन हैं इल्हान उमर?

## भारत के खिलाफ अमेरिकी संसद में प्रस्ताव लाईं, सगे भाई से शादी का आरोप

वाशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं। यहां पीएम मोदी संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करने वाले हैं। पीएम मोदी के इस संबोधन का अमेरिका की दो महिला सांसदों ने बहिष्कार करने का एलान किया है। इल्हान उमर और रशिदा तलैब नाम की सांसदों ने भारत में अल्पसंख्यकों के शोषण का आरोप लगाया है।

**कौन हैं इल्हान उमर**

इल्हान का जन्म सोमालिया में हुआ। सोमालिया में जारी गृह युद्ध के बीच उनके परिवार ने सोमालिया छोड़कर केन्या के शरणार्थी कैम्प में शरण ली। उस वक्त इल्हान की उम्र आठ साल थी। करीब चार साल तक उनके परिवार ने केन्या का शरणार्थी कैम्प में बिताए। 1990 में उनका परिवार यहां से अमेरिका आ गया। अमेरिका में इल्हान ने राजनीति में अपना करियर बनाया। कहते हैं कि उनके दादा ने इसके लिए उन्हें प्रेरित किया। 2016 में इल्हान उमर चुनाव जीतकर मिनिसोटा की प्रतिनिधि सभा पहुंची। 2019

में इल्हान मिनिसोटा से सांसद चुनी गईं। अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य बनने वाली इल्हान उमर पहली अफ्रीकी शरणार्थी हैं। इसके साथ ही इल्हान उमर मिनिसोटा का प्रतिनिधित्व करने वाली भी पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिकी कांग्रेस पहुंचने वाली दो मुस्लिम-अमेरिकी महिलाओं में भी इल्हान उमर शामिल हैं।

**रशिदा तलैब कौन हैं?**

रशिदा तलैब मिशिगन से सांसद हैं। फिलिस्तीनी मूल के माता-पिता के 14 बच्चों में रशिदा तलैब सबसे बड़ी हैं। उनका जन्म मिशिगन से डेट्रॉइट शहर में हुआ। रशिदा 2008 में मिशिगन की प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गईं। वे मिशिगन की प्रितिनिधि सभा में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम महिला थीं।

**पीएम मोदी के संबोधन पर इन दोनों नेताओं ने क्या कहा?**

इल्हान उमर ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि 'प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाया जाता है। हिंसक हिंदू राष्ट्रवादी समूहों का हौसला बढ़ाया जाता है और पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता है। मैं मोदी के भाषण में शामिल नहीं होऊंगी।' सांसद रशिदा तलैब ने लिखा कि 'यह बेहद शर्मनाक है कि मोदी को हमारी राष्ट्रीय राजधानी में मंच दिया जा रहा है जबकि उनका मानवाधिकारों के उत्पीड़न का लंबा इतिहास है। मुस्लिमों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना और मीडिया को सेंसर करना अस्वीकार्य है। मैं मोदी के संयुक्त सत्र के संबोधन का बहिष्कार करूंगी।' इल्हान उमर ने पिछले साल अप्रैल में अमेरिकी संसद में कहा था, 'आखिर मोदी सरकार मुसलमानों के खिलाफ और क्या-क्या जुल्म करेगी तब जाकर बाइडन प्रशासन कुछ कहेगा?'

# कंगाल पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर 50 साल के लिए होगा यूएई का कब्जा!

## अमेरिका ने झाड़ा पल्ला

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर से कर्ज की भीख मांग रहे पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के बंदरगाह पर अब 50 साल के लिए संयुक्त अरब अमीरात का कब्जा हो सकता है। यूएई ने अब साफ कर दिया है कि वह लगातार भीख मांग रहे पाकिस्तान को तभी कर्ज देगा जब 50 साल के लिए कराची बंदरगाह को उसके हवाले कर देगा। इस बीच पाकिस्तान ने आईएमएफ से कर्ज हासिल करने के लिए आखिरी कोशिश के रूप में अमेरिका के राजदूत से गुहार लगाई थी। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक शहबाज सरकार का यह गिड़गिड़ाना काम नहीं आया है और अमेरिका ने साफ कह दिया है कि वह कोई मदद नहीं करेगा।

यही नहीं अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लोम ने तो अब आईएमएफ का लोन नहीं मिलने की सूरत में पाकिस्तान का प्लान

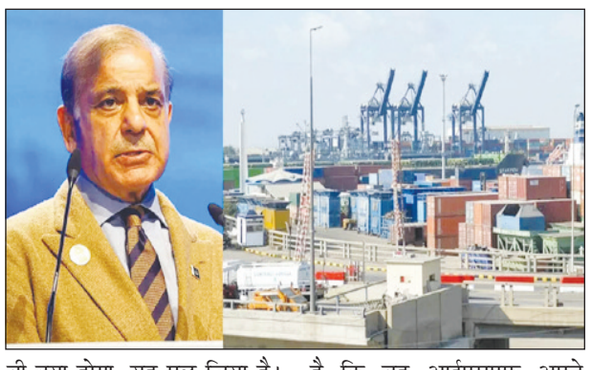

बी क्या होगा, यह पूछ लिया है। डोनाल्ड ब्लोम ने पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार से मुलाकात में साफ कह दिया वह किसी पुख्ता समर्थन का वादा नहीं करते हैं। इशाक डार ने ब्रिटेन के राजदूत से भी गुहार लगाई थी लेकिन वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगी है। पाकिस्तान अब तक कई बार अमेरिका से गुहार लगा चुका है कि वह आईएमएफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके लोन दिलवाए लेकिन अब तक बाइडन प्रशासन ने कोई मदद नहीं की है।

**श्रीलंका के हंबनटोटा वाला होगा कराची पोर्ट का हाल**

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ खुद ही अब आईएमएफ चीफ से कर्ज की भीख मांगने के लिए पेरिस पहुंच गए हैं। इस बीच पाकिस्तान की सरकार अब अपनी संपत्तियां खाड़ी देशों को बेचने जा रही है। इसकी शुरुआत कराची बंदरगाह से होने जा रही है जिसे यूएई को 50 साल तक के लिए लीज पर देने की तैयारी है। यूएई की कंपनी अबूधाबी पोर्ट कंपनी पाकिस्तान को शुरुआत में 5 करोड़ डॉलर देगी और बाद में रॉयल्टी राशि भी देगी। पाकिस्तान की कैबिनेट इसे मंजूरी देने जा रही है। पाकिस्तान को इस महीने के आखिर तक लोन की सख्त जरूरत है और अगर यह पैसा उसे नहीं मिलता है तो जिन्ना का यह देश डिफॉल्ट हो जाएगा। इस बीच पाकिस्तान में मांग हो रही है कि यूएई को पहले 25 साल के लिए ही कराची बंदरगाह दिया जाए। पाकिस्तान अगर कराची बंदरगाह को 50 साल के लिए यूएई को देता है तो उसकी हालत भी ठीक उसी तरह से हो जाएगी जैसे श्रीलंका की है।

# लंदन स्थित अंबेडकर हाउस पर होगा विदेश मंत्रालय का नियंत्रण

## महाराष्ट्र सरकार से मांगी मंजूरी

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के लंदन स्थित आवास पर नियंत्रण के लिए विदेश मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार से मंजूरी मांगी है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने लंदन स्थित अंबेडकर हाउस को खरीदा है। लंदन में पढ़ाई के दौरान डॉ. भीमराव अबंडेकर इस घर में रहे थे। अब इसका प्रबंधन लंदन स्थित उच्चायोग द्वारा किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि तीन मंजिला इस आवास को महाराष्ट्र सरकार ने 31 लाख पाउंड में खरीदा है। यह घर उत्तरी लंदन के किंग हेनरी रोड पर स्थित है। इस घर को महाराष्ट्र सरकार द्वारा साल 2015 में खरीदा गया था और साल 2020 में इस घर को संग्रहालय में तब्दील कर आम जनता के लिए खोल दिया गया था। डॉ. अंबेडकर साल 1920-21 के दौरान लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स में पढ़ाई के दौरान इस घर में रहे थे। 2050 वर्ग मीटर में फैली इस रिहायशी संपत्ति को रियल एस्टेट एजेंट्स ने साल 2014 में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया था। इस पर फेडरेशन ऑफ अंबेडकरवादी और बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन, लंदन ने भारत सरकार को पत्र लिखकर इस घर को खरीदने की अपील की थी। इस पर केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार को इस घर को खरीदने की अनुमति दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने लंदन स्थित इस घर को खरीदा।

इस घर में भारत के विद्वानों को लंदन प्रवास के दौरान अस्थायी आवास भी प्रदान किया जाता है।

# विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में केंद्रीय मंत्री को नोटिस

## वॉयस सैंपल के लिए सरकार ने की थी हाईकोर्ट में अपील, 4 सप्ताह में देना होगा जवाब

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। विधायकों के खरीद-फरोख्त मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने गुरुवार को नोटिस जारी किया है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर केंद्रीय मंत्री के वॉयस सैंपल लेने की इजाजत मांगी थी। इसी याचिका पर वेकेशन जज जस्टिस चंद्र कुमार सोनगरा की अदालत ने नोटिस जारी किया है।

एसीबी ने गजेंद्र सिंह के वॉयस सैंपल लेने के लिए पहले ट्रायल कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था।

इसके बाद एसीबी ने एडीजे कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और यहां ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए रिवीजन याचिका दायर की थी। यहां भी 17 फरवरी को ये रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया गया।

एसीबी की ओर से गुरुवार को हाईकोर्ट की जयपुर बेंच में याचिका लगाई गई। इस पर सुनवाई के बाद नोटिस जारी हुआ है।

**4 सप्ताह में देना होगा जवाब**

जानकारों के अनुसार, इस नोटिस का मतलब ये नहीं है कि उनके वॉयस सैंपल लिए जाएंगे। इस नोटिस पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह को 4 सप्ताह में कोर्ट में जवाब देना होगा।

जवाब पेश होने के बाद दोबारा सुनवाई होगी। इसके बाद तय होगा कि एसीबी को वॉयस सैंपल लेने के लिए इजाजत मिलेगी या नहीं।

**सरकार ने कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट का दिया हवाला**

राज्य सरकार की ओर से गुरुवार को कोर्ट में पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता घनश्याम सिंह राठौड़ ने कहा- ट्रायल कोर्ट व रिवीजन कोर्ट ने केवल इस आधार पर हमारी प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया कि सीआरपीसी में इस तरह का आदेश देने का कोई प्रावधान नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में 2019 का आदेश कहता है कि जब तक संसद इसे लेकर कोई कानून नहीं बना देती है। मजिस्ट्रेट इस तरह का आदेश दे सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में निचली अदालत एक अन्य सह अभियुक्त संजय जैन के वॉयस सैंपल लेने के आदेश दे चुकी है। परंतु गजेंद्र सिंह शेखावत के मामले में अर्जी खारिज कर दी गई।

**मंत्री महेश जोशी ने दी थी शिकायत**

यह पूरा मामला साल 2020 के सियासी संकट से जुड़ा हुआ है। उस समय गहलोत व पायलट गुट के विधायक होटल में बाड़ेबंदी में थे। सोशल मीडिया में तीन ऑडियो क्लिप सामने आए थे। इसके बाद उस समय सरकार में तत्कालीन मुख्य सचेतक महेश जोशी ने एसओजी में इसे लेकर एक शिकायत दी थी।

आरोप लगाया गया था कि राजस्थान की सरकार को गिराने की साजिश की जा रही है। वायरल ऑडियो क्लिप में संजय जैन, गजेंद्र सिंह शेखावत व विधायक भंवरलाल शर्मा (अब दिवंगत हो चुके हैं) की आवाज होने की बात कही गई थी।

इसके आधार पर एसओजी ने जांच करते हुए संजय जैन को गिरफ्तार किया था। बाद में एसओजी ने क्षेत्राधिकार का मामला बताकर एफआर पेश कर दी थी। इसके बाद एसीबी ने संजय जैन, दिवंगत विधायक भंवरलाल शर्मा और केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को आरोपी बनाते हुए मामले की जांच शुरू की थी। संजय जैन फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

# धरना स्थल से किरोड़ी हिरासत में

## पुलिस ने पहले टैंट हटवाया, बैरिकेड लगाए; नहीं माने तो जबरन ले गई थाने

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जेजेएम घोटाले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर सांसद किरोड़ीलाल मीणा पिछले तीन दिनों से धरने पर बैठे थे। लेकिन, गुरुवार सुबह पुलिस उन्हें धरने से उठाकर चाकसू थाने ले गई। जहां पर किरोड़ी के समर्थकों ने थाने के बाहर जमकर हंगामा किया। समर्थकों ने गहलोत सरकार के विरोध में नारेबाजी की।

इससे पहले सुबह किरोड़ी के धरना स्थल से इधर-उधर होते ही पुलिस ने यहां पर लगा टैंट हटवा दिया था। धरना स्थल के आसपास किरोड़ी समर्थकों की गाड़ियों को हटवाकर बैरिकेडिंग कर दी गई थी। वहीं अशोक नगर थाने के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था।

जैसे ही किरोड़ी धरना स्थल पर पहुंचने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस पर किरोड़ी सड़क पर ही धरना देकर बैठ गए। इसके बाद लगातार किरोड़ी लाल से पुलिस ने समझाइश की।

समझाइश के बावजूद भी किरोड़ी लाल मीणा अपनी एफआईआर दर्ज करवाने पर अड़े रहे। तब पुलिस अधिकारियों ने किरोड़ी को जबरन हिरासत में ले लिया। पुलिस उन्हें धरनास्थल से दूर ले गई। बताया गया कि पुलिस किरोड़ी और उनके समर्थकों को चाकसू थाने ले गई है।

किरोड़ी लाल मीणा ने इस दौरान कहा कि एक सांसद 48 घंटे से पुलिस थाने के बाहर एफआईआर दर्ज करवाने बैठा है। लेकिन, FIR दर्ज करने की जगह उल्टा मुझे गिरफ्तार किया जा रहा है। गहलोत सरकार के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की मेरे खिलाफ यह बर्बरतापूर्ण कार्रवाई है।

किरोड़ी लाल मीणा को लेकर पुलिस के बर्ताव पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट के जरिए बयान जारी किया है। उन्होंने लिखा है कि- राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को जबरन पुलिस हिरासत में लेना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार की सच्चाई को जनता को बताना कांग्रेस सरकार को इतना नागवार गुजर रहा है कि वह पुलिस के बल पर आवाज को कुचलने का कुकृत्य कर रही है।

गौरतलब है कि किरोड़ी लाल मीणा जल-जीवन मिशन में कथित घोटाले को लेकर पीएचईडी मंत्री महेश जोशी, एसीएस सुबोध अग्रवाल सहित अन्य अधिकारियों पर मामला दर्ज करवाने आए अशोक नगर थाना पहुंचे थे। लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। वहीं किरोड़ी के समर्थन में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी पहुंचे थे।

# जयपुर पिछड़ रहा है, क्योंकि यहां 3-3 मंत्री, 6-6 विधायक

## धारीवाल बोले- मैं भी कुछ नहीं कर सका, आपसी विवाद में काम अटक जाते हैं

उदयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। स्मार्ट सिटी मिशन में पिछड़ रहे जयपुर शहर के कारणों को लेकर स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि यहां तीन-तीन मंत्री और छह-छह विधायक है। और, ये ही सबसे बड़ी समस्या है।

दरअसल, मंत्री धारीवाल गुरुवार को उदयपुर दौरे पर थे। यहां 180 करोड़ की लागत से सीवरेज प्रोजेक्ट को लेकर रेती स्टैंड स्थित आवरी माता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में समारोह का आयोजन किया गया था। सुबह करीब 11:30 बजे वे उदयपुर पहुंचे थे। यहां आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री धारीवाल ने कहा- हर कार्य की मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने कहा कि जयपुर बहुत बड़ा शहर है लेकिन जयपुर पिछड़ रहा है।

प्रदेश में स्मार्ट सिटी में चार शहर कोटा, अजमेर, जयपुर व उदयपुर लिए गए हैं लेकिन सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ काम जयपुर का है।

उन्होंने कहा कि मै वहीं का हूं लेकिन मै कुछ नहीं कर सका। वहां तीन-तीन मंत्री, छह-छह विधायक है। यही सबसे बड़ी प्रॉब्लम है। अगर न मंत्री होते न विधायक होते तो काम समय पर पूरे हो जाते हैं। धारीवाल ने हंसते हुए चुटकी लेकर कहा कि उन मंत्री-विधायकों के आपसी विवाद जो पैदा हो जाते है, इसलिए काम अटक जाते है। वो कहता है कि यह योजना लाओ, वो कहता यह योजना लाओ, इसको बदलो, इसको करो, इसको करो उसी में मामला उलझता जाता है।

फैसला करने वाला एक व्यक्ति हो और उसका आदेश चलता हो तो निश्चित तौर पर वह काम भी समय पर पूरा होता है।

धारीवाल के इस बयान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की। उनके इन बयान को लेकर जब सवाल किया गया तो वे बोले- कई बार आपस में कॉर्डिनेशन नहीं होने की वजह से यह समस्या होती है। जयपुर ही नहीं जहां-जहां कॉर्डिनेशन नहीं होगा वहां पर योजनाएं पिछड़ेगी। जयपुर इसलिए पिछड़ रहा है कि बात को बैठकर कोई तय ही नहीं किया जाता है। इसलिए मुझे दुःख होता इस बात का।

कार्यक्रम में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उदयपुर नगर निगम में बोर्ड किसी भी पार्टी का भी हो हम शहर के विकास के लिए मिलकर काम करते हैं। कटारिया बोले कि हम कोटा से उदयपुर की तुलना करते हैं तो हम कमजोर पड़ते है, धारीवाल की तरफ देखते हुए बोले कि आप इशारे में समझ गए होंगे मै क्या कहना चाहता हूं।

कटारिया बोले- देश में नंबर वन का शहर उदयपुर टूरिस्ट पॉइंट की दृष्टि में बने इसके लिए हमारी भी मदद कीजिए इस शहर के लिए। ऐसा होगा तो उदयपुर से राजस्थान की इकॉनोमी पर बहुत फर्क पड़ेगा।

**मई 2025 तक पूरा होगा कार्य**

उदयपुर में अमृत 2.0 के फेज प्रथम के तहत 180.53 करोड़ रुपए की लागत से नए सीवरेज सिस्टम का होगा। यह कार्य 11 मई 2025 तक पूर्ण किया जाएगा।

# पार्षदों के साथ प्रभारी रंधावा से मिलने पहुंची महापौर मुनेश

## मंत्री प्रताप सिंह बोले- छोटी-मोटी बातें हैं, जल्द होगा समाधान

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही कांग्रेस की परेशानी लगातार बढ़ रही है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में पिछले 7 दिनों से जारी धरने को लेकर अब मंत्री और विधायकों की अलग-अलग राय सामने आई है। जिसके बाद महापौर मुनेश गुर्जर पार्षदों के दल के साथ राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मिलने पहुंची है।

दरसअल, जयपुर नगर निगम हेरिटेज में पिछले 7 दिनों से अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा के निलंबन की मांग को लेकर महापौर मुनेश गुर्जर पार्षदों के दाल के साथ धरना दे रही है। लेकिन समाधान नहीं होने के बाद बुधवार को पार्षदों का दाल प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मिला था। जिसके बाद रंधावा ने

आज जयपुर शहर के कांग्रेसी विधायकों को मिलने बुलाया था।

इसके बाद मंत्री महेश जोशी, मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक अमीन कागजी और रफीक खान पीसीसी वॉर रुम में प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मिलने पहुंचे थे। जहां विधायकों से लगभग 30 मिनट की मुलाकात के बाद प्रभारी ने धरना दे रही महापौर और पार्षदों को बुलाया है।

वहीं प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा से मिलने के बाद मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि नगर निगम की समस्या को कैसे दूर करना है। उसको लेकर आज हम सब बैठे हैं। जो भी समस्या है। उसको दूर करना हमारी जिम्मेदारी है। हम सबने एक प्लान बनाया है, धारीवाल जी से मिलकर पॉलिसी तय करेंगे। जो धरना चल रहा वह हमारा परिवार के ही लोग है। ऐसे में हम इस समस्या का जल्द ही समाधान करेंगे।

हालांकि इस दौरान खाचरियावास ने धरना दे रहे पार्षदों के विपरीत राजेंद्र वर्मा के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्षदों को लेकर किसी अधिकारी का कोई वीडियो सामने नहीं आया। दलित के सम्मान के लिए हम खड़े है। हमने उनको आश्वासन भरोसा दिया है। हमारी जान हाजिर है, हमारा एक परिवार है। निगम में अधिकारी के खिलाफ कोई वीडियो नहीं है।

वहीं खाचरियावास ने कहा कि धरना हुआ है। लेकिन इसको लेकर मेरे से कोई इजाजत नहीं ली गई। ना ही इस मुद्दे पर मेरे से कोई भी पार्षद मिला है। जो पार्षद धरने पर बैठे हैं। उनकी संख्या ज्यादा नहीं है। ऐसे में हम चारों विधायकों की मीटिंग बुलाएंगे। इसके बाद भी अगर जरूरत होगी। तो पार्षद दल की मीटिंग होगी। वहीं मंत्री महेश जोशी ने कहा कि प्रभारी जी ने बुलाया है। इसलिए हम सब यहां पहुंचे है।

## थानों पर लिखी पंच लाइन बदल देनी चाहिए

# पूनिया बोले- तुष्टिकरण-धर्मनिरपेक्षता के नाम आरएसएस-बीजेपी को कलंकित कर रहे हैं

बाड़मेर, 22 जून (एजेंसियां)। बिपरजॉय तूफान से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए उप प्रतिपक्ष नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया बाड़मेर एक दिवसीय दौर पर है। सतीश पूनिया ने मीडिया बातचीत में सीएम अशोक गहलोत के हिंदुत्व के बयान का पलटवार करते हुए कहा कि तुष्टिकरण, धर्म निरपेक्षता के नाम पर संघ और बीजेपी को कलंकित कर रहे हैं, राजस्थान की जनता से अच्छे से समझती है। वहीं बीकानेर खाजुवाला दलित रेप व मर्डर पर प्रतिक्रिया देते हुए कि इतिहास की सबसे कानून व्यवस्था की नजर में सबसे कमजोर सरकार अशोक गहलोत की है। पुलिस थानों पर लिखी पंच लाइन को बदल देना चाहिए। पूनिया ने कहा कि आमजन में भय और अपराधियों में विश्वास

यह पंच लाइन सरकार पर सार्थक हो रही है। दरअसल, बिपरजॉय तूफानी बरसात में चौहटन, सेड़वा, धनाऊ और धोरीमन्ना इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। लोगों को शिफ्ट भी किया गया था। मंगलवार को सीएम अशोक गहलोत ने हवाई सर्वे कर लोगों से मुलाकात की थी। इसके बाद सियासी बयानबाजी का दौर शुरू हो गया। अब बीजेपी के उपप्रतिपक्ष नेता एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया भी इन इलाकों का सर्वे कर हालातों का जायजा ले रहे हैं। सतीश पूनिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि तूफान से पहले सावधानी के तौर पर कोई बंदोबस्त नहीं किया है। तूफान को लेकर राजस्थान की सरकार पूरी तरह फेल रही है। वहीं मीडिया से बातचीत में सीएम अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार किया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हिंदुत्व के बयान पर उप प्रतिपक्ष नेता एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार करते हुए कहा कि इस बयान में कोई दम नही है लेकिन अशोक गहलोत को यह जवाब देना पड़ेगा कि राजस्थान में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा क्यूं है, कन्हैयाला की गर्दन क्यूं कटी, रामनवमी के जुलूस पर प्रतिबंध क्यूं लगा। हिंदू नवर्ष पर धारा 144 क्यूं लगी।

# बाड़मेर में आरएलपी नेता के काफिले पर हमला

## टोल कर्मियों ने महामंत्री के ड्राइवर-पीए को पीटा; लाठियों-डंडों से फॉर्च्यूनर के कांच तोड़े

बाड़मेर, 22 जून (एजेंसियां)।बाड़मेर-सिणधरी स्टेट हाइवे पर सरणू स्थित टोल के कर्मचारियों की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। बुधवार रात 9 बजे रालोपा महामंत्री उम्मेदाराम बेनीवाल और उनके समर्थकों की गाड़ी सिणधरी से बाड़मेर की तरफ आ रही थी।

तभी टोल पर मौजूद दर्जनभर से अधिक लोगों ने बेनीवाल के काफिले पर हमला कर दिया। इस दौरान बेनीवाल के ड्राइवर को पकड़कर मारपीट की। साथ ही उनके पीए लक्ष्मणराम को गाड़ी से उठा ले जाने का प्रयास किया।

गाड़ियों पर पथराव करते हुए लाठियों से शीशे तोड़ दिए। आक्रोशित रालोपा कार्यकर्ताओं ने टोल पर ही धरना दे दिया। सूचना मिलने पर डीएसपी गुड़ामालानी, सिणधरी, नागाणा और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात बाद समझाइश के बाद रालोपा कार्यकताओं ने धरना समाप्त किया। दरअसल, 24 जून को रालोपा सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की धोरीमन्ना में जनसभा प्रस्तावित है।

इसके लिए रालोपा नेता बीते कई दिनों से जनसंपर्क में लगे हैं। बुधवार को सरणु में जनसंपर्क के बाद रालोपा नेता उम्मेदाराम बेनीवाल, गजेंद्रसिह सहित कई नेताओं की गाड़ियों सिणधरी से बाड़मेर की तरफ आ रही थीं।

इस दौरान टोल पर बैठे बदमाशों ने गाड़ियों को रुकवाया और पथराव कर दिया। इसके बाद 15-20 लोग लाठियां लेकर आए और गाड़ी के ड्राइवर को पकड़ कर मारपीट करने लगे।

# सीपी जोशी बोले-गहलोत के सपने में भी आरएसएस-बीजेपी आते हैं

## कहा- सीएम हिंदुत्व पर बयान देकर दलित लड़की से रेप के मुद्दे को भटकाना चाहते हैं

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत के जालौर में आरएसएस-बीजेपी पर दिए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत के सपने में भी आरएसएस-बीजेपी आते हैं। गहलोत इस तरह के बयान देकर बीकानेर के खाजूवाला में दलित युवती के साथ हुई गैंगरेप की घटना से ध्यान भटकाना चाहते हैं। समय आने पर भाजपा इसका अच्छा जवाब देगी। लेकिन आज उस परिवार को न्याय मिलना चाहिए जो सदमे में है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को क्यों इस घटना का दर्द नहीं होता है। वो परिवार को न्याय दिलाने की जगह प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। वो विषय को भटकाना चाहते हैं। लेकिन राजस्थान की जनता सब जानती है।

वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रियंका गांधी को लेकर कहा कि कहां है कांग्रेस की वो नेत्री जो कहती थी लड़की हूं लड़ सकती हूं। उनको तो इस समय राजस्थान आना चाहिए। राजस्थान में महिला अत्याचार चरम पर हैं। वहीं अशोक गहलोत को उन्हें उन परिवारों से मिलवाना चाहिए। जिन पर साढ़े चार साल से बीत रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के लिए राजस्थान केवल पर्यटन स्थल है। यहां वे पीडित महिलाओं के आंसू पोंछने नहीं आती। यहां उन्हें दलित महिलाओं पर अत्याचार नजर नहीं आते हैं।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश में साढे चार साल में महिला दुष्कर्म की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। एनसीआरबी के अनुसार पूरे देश में सबसे अधिक दुष्कर्म की घटनाएं राजस्थान में दर्ज की गई हैं। प्रदेश में महिला अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। जबकि मुख्यमंत्री कहते हैं कि दुष्कर्म के 56 फीसदी मामले फर्जी होते हैं। इन सभी घटनाओं ने प्रदेश को शर्मसार किया है। बेहद शर्म की बात है कि जहां सरकार को खाजूवाला में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना था। परिवार की मदद करनी थी।

# तेंदुए ने बनाया गाय को शिकार

चित्तौड़गढ़, 22 जून (एजेंसियां)। भदेसर उपखंड के आसावरा माता कस्बे में एक तेंदुए ने गाय का शिकार कर लिया। सुबह जब गाय का दूध निकालने के लिए मालिक बाड़े में गया तो उसे इस बात की जानकारी हुई। वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। मौके पर वन विभाग की टीम भी पहुंची और गाय का मौके पर ही पोस्टमार्टम किया गया।

भदेसर उपखंड के आसावरा माता कस्बे में मिट्ठू लाल ने अपनी गाय को रोज की तरह बाड़े में बांधकर सो गए थे। बाड़ी में तीन चार पशु और भी बंधे हुए थे। देर रात को तेंदुआ बाड़े में घुसा और गाय का शिकार कर लिया। गहरी नींद की वजह से गाय की आवाज भी नहीं पहुंची। सुबह करीब 10 बजे जब मिट्ठू लाल गाय का दूध निकालने के लिए बाड़े में गए तो गाय को मरा हुआ पाया। दुधारू गाय के गले में पंजे के निशान भी देखे गए, साथ ही पीछे से मांस भी नोच रखा था। मिट्ठू लाल ने तुरंत इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। परिवार ने वन विभाग को भी इसकी जानकारी दी। मौके पर वन विभाग से शैतान सिंह पहुंचे। मौका देखने के बाद गाय का वहीं पर पोस्टमार्टम किया गया।

# कोठारी बांध में दो किशोरों को डूबने से मौत

## बकरियां चराने गए थे दोनों, बाहर कपड़े और मोबाइल मिला

भीलवाड़ा, 22 जून (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के बीगोद गांव के कोठारी बांध के रपट में दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। शव को गुरुवार सुबह पानी से बाहर निकाला गया है। दोनों बच्चे बकरी चराने गए थे। उस दौरान बांध की रपट पर नहाने गए थे। माना जा रहा है कि पैर फिसलने से दोनों डूब गए। बीगोद थाना प्रभारी मूलचंद वर्मा ने बताया कि कोठारी बांध के नजदीक लाला की नीमड़ी के रहने वाले रामेश्वर भील उम्र 17 वर्ष और देवराज भील उम्र 8 वर्ष बुधवार को बकरियां चलाने के लिए गए थे। दोनों बच्चे जब शाम तक नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरु की। ढूंढते ढूंढते परिजन कोठारी बांध की रपट तक पहुंचे। वहां उन्होंने कपड़े और मोबाइल बाहर पड़े हुए देखा, जिससे उनकी डूबने की आशंका जताई गई।

परिजनों ने तुरंत ग्रामीणों को और पुलिस को सूचना दी। बुधवार रात को ही बच्चों को जुड़ने के लिए पानी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। लेकिन लाश नहीं मिली। ज्यादा रात होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन को बीच में ही रोका गया और सुबह फिर से बच्चों को ढूंढना शुरू किया गया। सिविल डिफेंस की टीम ने सुबह दोनों बच्चों के शव को बाहर निकाला। माना जा रहा है कि दोनों ही बच्चे बकरियां चराते चराते बांध की रपट पर पहुंचे जहां दोनों नहाने के लिए अंदर गए होंगे। दोनों का पांव फिसलने से पानी में डूब कर मौत हो गई।

# बिपरजॉय के बाद राजस्थान में एक्टिव होगा मानसून

## इस बार पूर्वी राजस्थान से प्री-मानसून की एंट्री, रेगिस्तान में बढ़ेगी गर्मी-उमस

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बिपरजॉय ने 16 जून से लेकर 20 जून तक जमकर तबाही मचाई। पिछले दो दिन से बारिश का दौर थम चुका है लेकिन अब प्रदेश में फिर से प्री-मानसून एक्टिव हो रहा है। इसका असर गुरुवार देर शाम या शुक्रवार से शुरू हो जाएगा। बताया जा रहा है कि इस बार प्री मानसून की एंट्री भरतपुर और कोटा संभाग से होगी। यहां के झालावाड़, बूंदी, सवाई माधोपुर और दौसा जिले में बादल गर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। इसके साथ ही 30 से 40 कि.मी की स्पीड से हवाएं भी चलेगी। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 25 जून से मानसून पूर्व की बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन, पश्चिमी राजस्थान में आगामी चार-पांच दिन अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क रहेगा। यहां के जिलों में गर्मी और उमस का असर बढ़ेगा। यहां 27-28 जून से बारिश की गतिविधियों में कुछ स्थानों पर बढ़ोतरी होने की संभावना है। चक्रवात के कारण एक तरफ आधा राजस्थान बाढ़-बारिश झेल रहा है। वहीं, दूसरी और उत्तरी राजस्थान के जिलों के लोग गर्मी-उमस से परेशान है। कई जगहों का यहां दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के अलावा अजमेर और जयपुर संभाग के जिलों में गर्मी के साथ तेज उमस रहेगी। गंगानगर में कल दिन का अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। सूरज की तपन के साथ यहां उमस भी खूब रही। यही स्थिति बीकानेर, चुरू, हनुमानगढ़ में रही।

# अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर से जुलूस निकाला गया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हरिबौली श्री अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिरम समिति के सदस्यों ने अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल के नेतृत्व में अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिरम से गोलकोंडा श्री जगदंबा मंदिरम तक जुलूस निकाला और गोलकुंडा श्री जगदंबा मठ को पटु वस्त्रालु और फल भेंट किए। मंदिर के 75वें बोनालू वज्रोत्सवलु के अवसर पर श्री अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिरम समिति शहर के कुल 30 मठ मंदिरों को पटु वस्त्रालू भेंट करेगी, जिसमें उम्मडी देवालय उरेगिम्पु समिति के 25 मंदिर भी शामिल हैं। मंदिर समिति के प्रतिनिधि जी. राजरत्नम, ए. भरत प्रकाश, ए. सतीश कुमार, एसपी क्रांति कुमार, डीआर प्रभाकर, जगमोहन कपूर, ए. विजय कुमार, ए. कपूर, साईकिरण शिंदे, जी. श्रीनिवास, पी. महेश, ए. रजत कल बल्कमपेट श्री येलम्मा मंदिर और बाद में अन्य मंदिरों में पटु वस्त्रालु भेंट करेंगे। इस मौके पर पी. साई कुमार, अरुण, तनिष सूरी, पवन व अन्य मौजूद रहे। सबसे पहले मंदिर समिति के सदस्यों ने शालीबंडा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा की और मंदिर में शिव जी और गणेश को पटु वस्त्र भेंट किए और बाद में गोलकोंडा मंदिर गए।

# चवाकुल रामकृष्ण राव हिंदी सेवी सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश एवं स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, आमदी नगर, हुडको, भिलाई, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्थान के 27वें वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के दौरान हैदराबाद के हिंदी सेवी मंडल के अध्यक्ष चवाकुल रामकृष्ण राव को हिंदी सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. शहाबुद्दीन नियाज मुहम्मद शेख, पुणे, महाराष्ट्र ने सत्र की अध्यक्षता की। हेमचंद विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने आगे कहा कि साहित्य वर्तमान और भविष्य की निरंतर चिंता करता है। साहित्य के क्षेत्र में और कार्य करने की आवश्यकता है। महिलाएं जब लिखने लगी तब से महिलाओं की स्थिति में सुधार होता गया। विशिष्ट अतिथि चवाकुल रामकृष्ण राव, अध्यक्ष, हिन्दी प्रेमी मंडली, हैदराबाद, तेलंगाना ने कहा कि दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सैकड़ों स्वयंसेवी संस्थाएं तथा हजारों प्रचारक कार्यरत है। हिंदी को सभी राज्यों में अनिवार्य रुप से लागू करने की आवश्यकता है। इस दौरान रामकृष्ण राव ने अपने पिता तथा दक्षिण के गांधी स्व. चवाकुल नरसिम्ह मूर्ति की स्मृति में 7 व्यक्तियों को हिंदी सेवी मंडल की ओर से चवाकुल नरसिम्ह मूर्ति शांति पुरस्कार के तहत शॉल व नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। सत्र का मंच संचालन डॉ. सरस्वती वर्मा, महासमुंद, छत्तीसगढ़ ने किया तथा स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, भिलाई की प्राचार्या डॉ. हंसा शुक्ला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

# एसबीआई ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर एसबीआई के कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

योग गुरुजी श्रीराम कृष्ण मठ के एन. लिवंकर ने एसबीआई, स्थानीय प्रधान कार्यालय, कोटि का दौरा किया और अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए योग सत्र लिया। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को स्वस्थ शरीर और दिमाग बनाए रखने के लिए नियमित रूप से योग करने की सलाह दी है। जितेंद्र कुमार शर्मा (डीजीएम एवं सीडीओ) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और योग गुरुजी को उनके बहुमूल्य इनपुट के लिए धन्यवाद दिया। विनोद कुमार कस्तूरी (डीजीएम पीबीबीयू), पंकज प्रियदर्शी (डीजीएम डी एंड टीबीयू), एलएचओ के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग दिवस समारोह में भाग लिया।

# उत्साह से निकाली गई जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू सेवा संघ शक्ति महिला मंडल बालानगर के तत्वावधान में आज 25वीं भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा भव्य रूप से निकाली गई। बडी संख्या में भक्तों ने भगवान जगन्नाथ के जयकारों के बीच रथ को खींचा।

भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा फतेहनगर ग्राम पंचायत ऑफिस से आरंभ हुई, जो फतेहनगर चौराहा, अमर ज्योति पेट्रोल पंप, नरसापुर चौराहा, एनआरएसए गेट नं-1 से होते हुए पुनः फतेहनगर ग्राम पंचायत ऑफिस पहुंची। समस्त वैदिक रीति रिवाज और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

रथयात्रा में चेयरमैन प्रतिभा तिवारी, अध्यक्ष व संयोजक प्रमोद कुमार मोदी, युवा अध्यक्ष विक्रम तिवारी, परामर्शदाता राजेश अग्रवाल, रथ यात्रा सलाहकार समिति के किशन अग्रवाल, संदीप चौधरी, कृष्ण कुमार, मेघराज अग्रवाल, विनोद पोद्दार, बजरंग मित्तल, सीताराम जागिड, नीलेश खेतान, परम सहयोगी सदस्य बी. राजा, संजू कुमार, विष्णु अग्रवाल, डॉ. किरण, रवि चारी, नंदु पुजारी, अशोक राव, विजय जॉनसन, आलोक पाण्डेय, संतोष कुमार, गोविंद, दीपक, गणेश, डॉ. विनय कुमार, सूरज, बलबीर सिंह, सुशांत, लोकनाथ, गंगाधर रेड्डी, अजय शर्मा, भागीरथी, विनोद, संजय एवं अन्य विशेष सहयोग दिया।

# जरूरतमंदों को उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएं : चाहत बाजपेयी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर जिलाधिकारी चाहत बाजपेई ने कहा कि हमें अपने घरों में जो उपयोगी वस्तुएं उपयोग में नहीं आती हैं, उन्हें उन लोगों को उपलब्ध कराना चाहिए जो उन्हें खरीदने में सक्षम नहीं हैं। गुरुवार को जिले के कागजनगर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल) केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया और केंद्र में मौजूद वस्तुओं का निरीक्षण किया गया. इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि कपड़े, किताबें एवं अन्य वस्तुएं जो हमारे घरों में अनुपयोगी एवं दूसरों के लिए उपयोगी हैं, उन्हें इस केंद्र के माध्यम से उन लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा जो इसे खरीदने में सक्षम नहीं हैं, लोगों को स्वेच्छा से आगे आकर इसमें योगदान देना चाहिए यह आदेश।इस कार्यक्रम में केंद्र के प्रबंधक, संबंधित विभाग के पदाधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम में भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल व वरिष्ठ भाजपा नेता अमर सिंह राजपुरोहित।

# बीएसएस के पदाधिकारियों ने क्रीडा के निदेशक व वरिष्ठ अधिवक्ता से की मुलाकात

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के पदाधिकारियों भाकृअनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा), हैदराबाद के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह व जाने-माने अधिवक्ता तथा देश के प्रख्यात शिक्षण संस्थान तिलकधारी सिंह पीजी कॉलेज के प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष दुष्यंत सिंह से क्रीडा परिसर में मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने अधिवक्ता श्री सिंह से कई मुद्दे पर चर्चा की और कानून के क्षेत्र में उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। श्री सिंह पिछले चार दशकों से उत्तर प्रदेश के दीवानी न्यायालय, जौनपुर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई चर्चित मामलों में पैरवी की है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित क्रीडा के डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह से बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव और महामंत्री राज नारायण सिंह ने क्रीडा की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। डॉ. सिंह ने बताया कि क्रीडा पूरे देश में सूखा वाले क्षेत्रों में कृषि को बढ़ावा देने का काम कर रहा है।

संस्थान की टीम देशभर के किसानों की विभिन्न माध्यमों से मदद कर रही है। बिहार सहयोग समिति के दोनों पदाधिकारियों ने कृषि क्षेत्र में किसानों के कल्याण के लिए की जा रही संस्था की गतिविधियों की सराहना की। इस अवसर पर नीलू सिंह भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह का बिहार सहयोग समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

# एनएमडीसी मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में को मुख्यालय की उच्चस्तरीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अप्रैल-जून, 2023 की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विगत तिमाही में सम्पन्न राजभाषा संबंधी कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति लाने के लिए अनेक निर्णय लिए गए।

एनएमडीसी में उच्च प्रबंध तंत्र राजभाषा कार्यान्वयन को निरंतर प्रोत्साहित करता है एवं सभी विभागाध्यक्ष एवं कार्मिक राजभाषा प्रयोग के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। यही कारण है कि एनएमडीसी को निरंतर विभिन्न उच्चस्तरीय मंचों पर राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी पुरस्कार प्राप्त होते हैं।

# छावनी विकास मंच ने की छावनी के विलय पर तत्काल कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी विकास मंच ने बताया कि सिकंदराबाद छावनी के विलय पर उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मिलने के चार महीने बीत गए, केंद्र सरकार अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि रक्षा मंत्रालय क्या करेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा गया है, जिसमें "सिकंदराबाद छावनी के नागरिक क्षेत्रों के बहिष्कार" का जिक्र किया गया है और उनसे विलय पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय ने 21 जून को जवाब दिया और नागरिक क्षेत्रों के बहिष्कार (विलय) पर एक प्रक्रियात्मक निर्णय लेने की आवश्यकता के बारे में बात की। छावनी विकास मंच द्वारा लिखे गए पत्र पर प्रधानमंत्री कार्यालय की प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि वे छावनी के लोगों को ब्रिटिश कानूनों से मुक्त करने के लिए नीतिगत निर्णय लें।

# हिन्दी महाविद्यालय में मना योग दिवस

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल द्वारा योग का महत्व बताते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बी. वोकेशनल विभाग के प्रवक्ता डॉ. रवि कुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय के छात्रों को योगाभ्यास करवाया। उन्होंने योग के विभिन्न आसन बताए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उप-प्राचार्य अश्विनी सनपूरकर, डॉ. बी. श्रीदेवी सभी प्राध्यापकगण, कार्यालय अधिकारी, कर्मचारीगण विद्यार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिनके विजेताओं को हिन्दी महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष सी.ए. लक्ष्मीनिवास शर्मा, मानद मंत्री शील कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप दत्त ने पुरस्कार वितरित किए जिसमें प्रथम पुरस्कार कृष्ण कुमार गुप्ता, द्वितीय पुरस्कार धीरेंद्र शिव प्रसाद एवं पी.प्रणित को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश बंग ने इक्नामिक्स कमेटी, एक्सीबीशन सोसयटी के नवनिर्वाचित सदस्यों डॉ. गंगाधर अध्यक्ष, जीवी रंगारेड्डी सचिव, बी. सुरेंद्र रेड्डी, अनिल स्वरूप मिश्रा, वनम वरुण, अल्ताफ हुसैन, सरदार जसपाल सिंह को सम्मानित किया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रभा शंकर, सदस्य अश्वाक हैदर और अन्य को भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन के सदस्य गोपाल भंडारी, दीपक बंग भी अवसर पर उपस्थित थे।

स्वामिनारायण गुरुकुल अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय में योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसमें भारत के विभिन्न 25 राज्यों के 4000 से अधिक छात्रों ने सामूहिक योग प्रदर्शन किया।

# राष्ट्रीय पोषण संस्थान के निदेशालय में मना अंतर्राष्ट्रीय योग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान तेलंगाना के निदेशालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान से जुड़े बहुत से चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्माचारियों तथा मेडिकल और पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवराज जेपी ने किया। इस अवसर पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित वरिष्ठ योगाचार्य बलवंत सिंह ने लोगों को विविध प्रकार के आसन प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए योग के सैद्धान्तिक पक्ष पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सस्थान की डायरेक्टर डाक्टर हेमलता जी ने योग गुरू को स्मृति चिन्ह व उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### बंगाल गवर्नर ने चुनाव...

टीएमसी ने राज्यपाल के फैसले पर सवाल उठाए हैं। पार्टी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा, राज्य सरकार ने राज्यपाल के साथ विचार विमर्श कर राजीव सिन्हा को राज्य निर्वाचन आयोग का आयुक्त बनाया था। सिन्हा अपनी व्यस्तता के चलते नहीं आ पाए। राज्यपाल का यह फैसला असंवैधानिक और अनैतिक है। वे भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं।

केंद्र सरकार पंचायत चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में तत्काल प्रभाव से सीएपीएफ की 22 कंपनियों को तैनात करेगी। 15 जून को कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य में सेंट्रल फोर्सेज की तैनाती को लेकर आदेश जारी किया था। इस फैसले को बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती दी थी, जिसे कोर्ट ने 20 जून को खारिज कर दिया था।

### एसएफजे आतंकी...

हालांकि, अंडरग्राउंड होने से पहले पन्नू ने एक स्टेटमेंट को जारी किया।

आतंकी पन्नू ने अंडर-ग्राउंड होने से पहले एक स्टेटमेंट जारी की थी। इसमें पन्नू ने आतंकी निज्जर की हत्या का जिम्मेदार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनएसए प्रमुख अजीत डोभाल, सुमंत गोयल और एनआईए प्रमुख दिनकर गुप्ता को बताया है। इतना ही नहीं, आरोप लगाए हैं कि भारतीय खुफिया एजेंसियों के स्लीपर सेल कनाडा में हैं और उनके द्वारा ही इस घटना को अंजाम दिया गया है।

### बदल रहा है पर्यावरण...

इस कारण आने वाले समय में अन्न की कमी हो सकती है। विश्वभर में करीब 130 लाख वर्ग किलोमीटर भूमि मानवीय क्रियाकलापों के कारण रेगिस्तान में बदल चुकी है। प्रति मिनट करीब 23 हेक्टेयर उपजाऊ भूमि बंजर भूमि में तब्दील हो रही है। इस कारण खाद्यान्न उत्पादन में प्रतिवर्ष दो करोड़ टन की कमी आ रही है। दुनिया के दो-तिहाई हिस्से में भूक्षरण की समस्या गंभीर हो गई है। इस कारण कृषि उत्पादन पर नकारात्मक असर पड़ ही रहा है, सूखे तथा प्रदूषण की चुनौती भी बढ़ रही है।

चीन अपने एक बहुत बड़े रेगिस्तान को तीन दशकों में हरे-भरे मैदान में तब्दील कर दुनिया के सामने मिसाल पेश कर चुका है। चीन का कुबुकी नामक रेगिस्तान बंजर जमीन और निर्धनता का अभिशाप झेलते हुए कभी अपने ही देश में बिल्कुल अलग-थलग पड़ा था। मंगोलिया के भीतरी हिस्से में पड़ने वाला यह रेगिस्तान दुनिया का सातवां सबसे बड़ा रेगिस्तान है और अक्सर पूरे चीन में रेत के तूफान का बड़ा कारण बनता रहा था।

### बंगाल के पूर्व सीएम ...

अब मैं शारीरिक रूप से भी एक पुरुष बनना चाहती हूं। मानसिक रूप से भी मैं एक पुरुष ही हूं। सुचेतना एक एनवायरन्मेंटल साइंटिस्ट रही हैं। साथ ही ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट और सोशल वर्कर भी हैं। 2015 से वे कोलकाता रेनबो प्राइड फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मेंबर हैं।

सुचेतना ने कहा कि सेक्स चेंज सर्जरी के बारे में उन्होंने अपने माता-पिता से भी बात की थी। उन्होंने कहा, मेरी पैतृक पहचान कोई बड़ी बात नहीं है। मैं 41 साल की हूं इसलिए मैं अपने जीवन के फैसले खुद लूंगी। मैंने इसके लिए कानूनी और मेडिकल कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी है।

सुचेतना ने कहा कि उनके दो अनुरोध हैं। उन्होंने कहा, 'मैं सभी राजनीतिक दलों से एलबीटीक्यूआईए+ समुदाय का समर्थन करने का अनुरोध करना चाहती हूं, तभी समाज इस बात को बेहतर ढंग से समझ पाएगा और उन्हें परेशान करना बंद कर देगा। दूसरे, मीडिया को एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय का समर्थन करने के लिए आगे आना चाहिए।

# भारत का कैरेबियाई चैलेंज: पहले टेस्ट से शुरू होगा डब्ल्यूटीसी का सफर

## वेस्टइंडीज के घर में भारत सिर्फ 17 फीसदी टेस्ट जीता

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद अब भारत वेस्टइंडीज के दौरे पर जा रहा है। टूर का आगाज दो टेस्ट की सीरीज से होगा। 12 जुलाई को दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। इसके साथ ही भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अगले राउंड का आगाज भी होगा। इन दोनों टेस्ट मैच के पॉइंट्स डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में जुड़ेंगे।

आकड़ों के हिसाब से भारत का वेस्टइंडीज में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अब तक खेले 51 टेस्ट में भारत को सिर्फ 9 जीत ही मिली है। इसका मतलब टीम ने सिर्फ 17 फीसदी टेस्ट ही वेस्टइंडीज में जीते। हालांकि, यह भी सच है इस सदी में भारत ने टेस्ट फॉर्मेट में वेस्टइंडीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

इस स्टोरी में हम जानेंगे कि वेस्टइंडीज में भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है और इस सीरीज में भारतीय टीम के आगे क्या-क्या चैलेंज खड़े हैं...

**वेस्टइंडीज ने जीते ज्यादा टेस्ट लेकिन पिछले 20 साल में भारत आगे**

ओवरऑल टेस्ट में हेड टु हेड रिकॉर्ड की बात करें तो वेस्टइंडीज ने ज्यादा मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच 98 टेस्ट हुए हैं। इनमें भारत ने 22 मैच जीते। वहीं, वेस्टइंडीज ने 30 मैच में जीत हासिल की। 46 मैच ड्रॉ रहे। 51 टेस्ट वेस्टइंडीज और 47 भारत में खेले गए।

**वेस्टइंडीज में भारत का प्रदर्शन खराब**

भारतीय टेस्ट टीम का वेस्टइंडीज में प्रदर्शन खराब है। कुल 51 मैच में अब तक कैरेबियाई धरती पर भारत ने 9 टेस्ट ही जीते है। जबकि, 16 वेस्टइंडीज ने जीते और 26 मैच ड्रॉ रहे। हालांकि, टीम इंडिया वेस्टइंडीज में 2002 के बाद से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। तब भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

2002 के बाद टीम इंडिया ने 2006, 2011, 2016 और 2019 में 4 सीरीज खेलीं। भारत को चारों में जीत मिली।2019 में 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में 2-0 से

जीती थी।

**कुंबले वेस्टइंडीज में टॉप विकेट टेकर, एक्टिव खिलाड़ियों में ईशांत आगे**

वेस्टइंडीज में भारतीय गेंदबाजों में अनिल कुंबले का बोलबाला रहा है। कुंबले ने वेस्टइंडीज में 11 मैचों में 45 विकेट लिए हैं। इसमें वह वाकया भी शामिल है जब 2002 में कुंबले ने टूटे जबड़े के साथ पट्टी लगा कर बॉलिंग की थी। इस मैच में कुंबले ने 14 ओवर किए थे और उन्हें 1 विकेट मिला था।

एक्टिव खिलाड़ियों में ईशांत शर्मा ने वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। ईशांत के नाम वेस्टइंडीज में खेले 9 मैचों में 41 विकेट हैं। हालांकि पिछले एक साल से भारत की टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके हैं। ऐसे में विंडीज टूर पर भी उन्हें मौका मिलता नजर नहीं ही आ रहा है। अभी के खिलाड़ियों में ईशांत के बाद वेस्टइंडीज में मोहम्मद शमी का नाम आता है, जिन्होंने 6 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

**द्रविड़ ने सबसे ज्यादा रन बनाए, एक्टिव खिलाड़ियों में रहाणे टॉप पर**

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय हैं। द्रविड़ ने वेस्टइंडीज में खेले 17 मैचों में कुल 1511 बनाए हैं। एक्टिव बैटर्स में अजिंक्य रहाणे ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 6 मैचों की 8 पारियों में 514 रन हैं। उनके बाद विराट कोहली का नाम आता है जिन्होंने 9 मैचों की 13 पारियों में 463 रन बनाए हैं।

सीरीज में होंगे बड़े चैलेंज

वेस्टइंडीज सीरीज भारत के कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस दौरान टीम के सामने कई बड़े चैलेंज होंगे। पॉइंट्स में देखें सभी चैलेंज -

नए चेहरों को मौका - वेस्टइंडीज सीरीज में नए चेहरों को मौका मिल सकता है। डब्ल्यूटीसी के आने वाले दो साल में टीम में एक्सपेरिमेंट होंगे। दौरे के लिए भारत का फुल स्क्वॉड जाएगा। ऐसे में नए चहरे जैसे यशस्वी जायसवाल, सौरभ कुमार, मुकेश कुमार और ईशान किशन को टीम आजमा सकती है। टीम के लिए यह रिस्की होगा, क्योंकि डब्ल्यूटीसी हारने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतने का प्रेशर रहेगा। अगर टीम हारती है तो मैनेजमेंट पर सवाल भी उठेंगे, लेकिन फ्यूचर को देखते हुए एक्सपेरिमेंट करने ही होंगे।

स्पिनर्स की परीक्षा - वेस्टइंडीज की पिच वैसे तो फास्ट बॉलर को सपोर्ट करती है। लेकिन, कई बार टर्निंग ट्रैक भी देखने को मिल जाता है। ऐसे में भारतीय स्पिन अटैक पर यहां खुद को साबित करने की जिम्मेदारी होगी।

प्लेयर मैनेजमेंट - टेस्ट सीरीज प्लेयर्स को थका देती है। आगे वनडे भी खेलने है। प्लेयर्स वर्ल्ड कप साल के कारण वनडे पर फोकस करेंगे। टीम मैनेजमेंट के ऊपर जिम्मेदारी होगी कि भारतीय टीम अपनी फिटनेस बनाए रखे और सीनियर प्लेयर्स चोटिल न हो।

वेस्टइंडीज का पेस अटैक - वेस्टइंडीज के पास शानदार तेज गेंदबाज है। जिनमें केमार रोच, जेसन होल्डर, ओडियन स्मिथ, कीमो पॉल और अल्जारी जोसफ जैसे पेसर्स शामिल हैं। इनके सामने भारतीय बैटर्स की कड़ी परीक्षा होगी।

# डेविस कप को अलविदा कहेंगे रोहन बोपन्ना

## सितंबर में अंतिम बार इस टूर्नामेंट में आएंगे नजर

नई दिल्ली

देश के लिए सर्वाधिक डेविस कप लिएंडर पेस (58), जयदीप मुखर्जी, रामानाथन कृष्णन (43), प्रेमजीत लाल (41), आनंद अमृतराज (39), महेश भूपति (35), विजय अमृतराज (32) ने खेले हैं। रोहन सितंबर में मोरक्को के खिलाफ खेलकर विजय को पीछे छोड़ देंगे।

देश के दिग्गज युगल टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने बुधवार को घोषणा की कि सितंबर में वह अंतिम डेविस कप टाई खेलेंगे। बोपन्ना यह टाई अपने समर्थकों के बीच बेंगलुरु में खेलना चाहते हैं, लेकिन अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (आईटा) ने इसकी मेजबानी लखनऊ को दे रखी है। आईटा ने साफ भी कर दिया है कि यह टाई लखनऊ में ही होगा। 2002 में पहला डेविस कप खेलने वाले 43 वर्षीय बोपन्ना 32 बार डेविस कप में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बोपन्ना का कहना है कि वह अंतिम टाई सितंबर में खेलने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने टीम के सभी साथियों और कर्नाटक टेनिस एसोसिएशन से भी बात कर ली है। सभी बेंगलुरु में खेलने को तैयार हैं। कर्नाटक भी इसकी मेजबानी के लिए तैयार है, लेकिन यह आईटा पर निर्भर करता है कि वे इसका आयोजन बेंगलुरु में करना चाहते हैं या नहीं।

देश के लिए सर्वाधिक डेविस कप लिएंडर पेस (58), जयदीप मुखर्जी, रामानाथन कृष्णन (43), प्रेमजीत लाल (41), आनंद अमृतराज (39), महेश भूपति (35), विजय अमृतराज (32) ने खेले हैं। रोहन सितंबर में मोरक्को के खिलाफ खेलकर विजय को पीछे छोड़ देंगे।

# फुटबॉल एसएएफएफ चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को हराया

## 4-0 से जीता मुकाबला, कप्तान सुनील छेत्री ने लगाई हैट्रिक

बेंगलुरु, 22 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल के साउथ एशिया का सबसे बड़ा टूर्नामेंट साउथ एशिया फुटबॉल फेडरेशन (चैंपियनशिप खेली जा रही है। इसमें पहला ही मैच भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ। बेंगलुरु में हुए मैच में भारत ने पाक्सितान को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। भारत के कप्तान सुनील छेत्री ने हैट्रिक लगाई।

पहले हाफ में आए दो गोल

मैच के पहले हाफ में दो गोल आए। दोनों गोल कप्तान सुनील छेत्री ने किए। छेत्री ने 10वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शॉट मारा, जो कि सीधे गोल के बीच में गया। इसे पाकिस्तान के गोलकीपर नहीं रोक सके और गोल हो गया।

दूसरा गोल 17वें मिनट में पेनल्टी के जरिए आया। पेनल्टी बॉक्स में पाकिस्तान के खिलाड़ी का हैंडबॉल हो गया था। इस पर भारत को पेनल्टी मिली। कप्तान छेत्री ने बिना गलती करते हुए बाएं

ओर शॉट मार कर गोल कर दिया।

दूसरे हाफ में छेत्री और उदांता ने गोल किए

मैच के दूसरे हाफ में सुनील छेत्री ने फिर गोल किया। 73वें मिनट में पाकिस्तान के खिलाड़ी ने फाउल किया। रेफरी ने भारत को पेनल्टी दी। कप्तान छेत्री ने इस मौके का फायदा उठाते हुए 75वें मिनट में पेनल्टी से गोल किया और भारत का स्कोर 3-0 हो गया।

76वें मिनट में उदांता सिंह केरला के आशिके कुरियन की जगह सब्स्टीट्यूट हो कर आए। आते ही 81वें मिनट में उदांता सिंह ने अनवर अली के पास पर पेनल्टी बॉक्स के बीच से लेफ्ट साइड गोल दाग दिया और भारत ने 4-0 से बढ़त बना ली।

मैच में पूरी तरह हावी रहा भारत

भारत पूरे मैच में पाकिस्तान पर हावी रहा। पाकिस्तान ने भले ही 6 शॉट मारे, लेकिन गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा सका। भारत ने 23 शॉट लगाए, इसमें से 7 टारगेट पर लगे। वहीं, 70 फीसदी समय बॉल भारत के पास रही। केवल 30% बॉल पजेशन ही पाकिस्तान को मिली।

टेबल टॉप पर पहुंचा भारत

ग्रुप A में भारत 3 पॉइंट्स के टेबल टॉप पर पहुंच गया है। वहीं, पहला मैच हारने के बाद पाकिस्तान आखिरी यानी चौथे पायदान पर आ गया। अब भारत का मुकाबला 24 जून को नेपाल और 27 जून को कुवैत से होगा।

एसएएफएफ चैंपियनशिप में सबसे सफल टीम भारत

एसएएफएफ चैंपियनशिप 1993 से खेली जा रही है। 2023 में 14वां सीजन खेला जा रहा है। अब तक हुए 13 सीजन में भारत ने 8 बार यह चैंपियनशिप जीती है। इसके साथ ही भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है।

# श्रीलंका में एशिया-कप होने से नाराज जका अशरफ

## पीसीबी चेयरमैन पद के दावेदार अशरफ बोले- हाइब्रिड मॉडल से पाकिस्तान को नुकसान

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चेयरमैन पद के सबसे मजबूत दावेदार जका अशरफ ने श्रीलंका में एशिया कप होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड मॉडल से पाकिस्तान को नुकसान होगा। पिछले मैनेजमेंट को पाकिस्तान में ही पूरा टूर्नामेंट आयोजित कराने पर जोर देना चाहिए था।

पाकिस्तानी सरकार ने जका अशरफ को पीसीबी चेयरमैन पद का दावेदार बनाया है। इसी सप्ताह पीसीबी के इलेक्शन होंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार अशरफ ही नए चेयरमैन बनेंगे। अशरफ ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एशिया कप का हाइब्रिड मॉडल किसी भी तरह से पाकिस्तान के लिए फायदेमंद नहीं है। होस्ट के रूप में पीसीबी को आईसीसीऔर बीसीसीआई के सामने मजबूती से अपना पक्ष रखना चाहिए था। श्रीलंका में 9 और पाकिस्तान में 4 ही मैच होना बोर्ड के लिए नुकसानदायक होगा।' एशिया कप

में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत, पाकिस्तान और नेपाल ग्रुप-ए में हैं। वहीं श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ग्रुप-बी में हैं। जका फिर बोले कि आईसीसी और एशियन क्रिकेट काउंसिल ने मिलकर हाइब्रिड मॉडल में एशिया कप कराने का फैसला ले लिया है। इस पर पिछले मैनेजमेंट ने सहमति भी जताई, इसलिए वह फैसले का सम्मान करेंगे और आखिरी समय में वह इसे चैलेंज नहीं करना चाहते। लेकिन आगे जो भी फैसले लिए जाएंगे वो देश और बोर्ड के फायदों को देखते हुए लिए जाएंगे।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फ्यूचर टूर शेड्यूल में पाकिस्तान को 2023 एशिया कप की मेजबानी दी थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने राजनीतिक और सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया। पूर्व पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी ने फिर एसीसी में हाइब्रिड मॉडल का सुझाव दिया, जिसे एसीसी ने अप्रूव कर दिया।

नए मॉडल में 4 से 5 मैच पाकिस्तान और बाकी मैच श्रीलंका में होंगे। भारत के सभी मैच और फाइनल (अगर टीम इंडिया पहुंची) मिलाकर 8 से 9 मैच श्रीलंका में होंगे। टूर्नामेंट 31 अगस्त से शुरू हो कर 17 सितंबर तक चलेगा। वनडे वर्ल्ड कप से एक महीने पहले ही होने वाला यह टूर्नामेंट 50 ओवर का होगा। श्रीलंका टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है और भारत ने 7 बार ट्रॉफी उठाई है।

दिसंबर 2022 में रमीज राजा को चेयरमैन पद से हटाया गया, उनके बाद नजम सेठी के इंटरिम चेयरमैन बनाया गया। सोमवार (20 जून) को उन्होंने भी अपना पद छोड़ दिया, क्योंकि इसी सप्ताह होने वाले पीसीबी इलेक्शन में जका अशरफ के साथ मुस्तफा रामदे को चेयरमैन पद का नया उम्मीदवार बनाया गया। वहीं सेठी की उम्मीदवारी खारीज कर दी गई।

अशरफ को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। जिसे देखते हुए उन्हें ही एसीसी का अगला चेयरमैन बनाया जाएगा। उन्होंने 2011 से 2013 के दौरान भी एसीसी चेयरमैन का पद संभाला है।

भारत और पाकिस्तान एशिया कप के एक ही ग्रुप में हैं, वहीं तीसरी टीम नेपाल में है। भारत-पाकिस्तान ग्रुप स्टेज में भिड़ने के बाद सुपर-4 स्टेज में भी आमने-सामने हो सकती है, इसके लिए दोनों को ग्रुप स्टेज पार करना होगा। सुपर-4 स्टेज की टॉप-2 टीमें फाइनल खेलेंगी, अगर भारत और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचीं तो टूर्नामेंट में 3 बार दोनों टीमें भिड़ते नजर आएंगी।

# ताइपे ओपन : प्रणय और कश्यप अंतिम-16 में पहुंचे

## तान्या हेमंत ने भी प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

ताइपे, 22 जून (एजेंसियां)। टूर्नामेंट में तीसरे वरीय और विश्व नंबर नौ प्रणय को पहले दौर में जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 26 मिनट पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने स्थानीय शटलर लिन यू सिन को सीधे गेमों में 21-11, 21-10 से पराजित किया।

मलयेशिया मास्टर्स का खिताब जीतने वाले एचएस प्रणय और पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता परुपल्ली कश्यप ने ताइपे ओपन बैडमिंटन सुपर 300 टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। महिला एकल में तान्या हेमंत और मिश्रित युगल में रोहन कपूर-एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी ने भी अंतिम-16 में जगह बना ली है।

**प्रणय को सिर्फ 26 मिनट बहाना पड़ा पसीना**

टूर्नामेंट में तीसरे वरीय और विश्व नंबर नौ प्रणय को पहले दौर

में जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 26 मिनट पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने स्थानीय शटलर लिन यू सिन को सीधे गेमों में 21-11, 21-10 से पराजित किया। अंतिम-16 में उनका मुकाबला इंडोनेशिया के टॉमी सुगियार्तो से होगा। कश्यप ने जर्मनी के सैमुअल सियाओ को 21-15, 21-16 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला चीनी ताइपे के सू ली यांग से होगा।

**तान्या का मुकाबला ताई जू से होगा**

प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी के मिथुन मंजूनाथ को तीन गेमों के संघर्ष में दूसरे वरीय और स्थानीय शटलर चेन चोउ तिएन के हाथों 18-21, 21-14, 16-21 से हार मिली। यह मुकाबला एक घंटा 11 मिनट चला। तान्या ने हंगरी की एग्नस कोरोसी को 21-7, 21-17 से पराजित किया, लेकिन वह अगले दौर में खिताब की दावेदार सर्वोच्च वरीय चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से भिड़ेंगी।

रोहन और सिक्की की जोड़ी ने अपने ही साथी नवनीत बोक्का और प्रिया को 21-14, 21-17 से हराया। वहीं एस शंकर मुत्थुस्वामी, किरन जॉर्ज, मेईराबा मेसनाम, सतीश कुमार, रुत्विका शिवानी गाडे, आकर्षी कश्यप को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

# ओलंपिक समिति का निर्देश, जल्द सीईओ नियुक्त करे भारतीय ओलंपिक संघ

## कुश्ती विवाद निपटाने का तरीका बताया

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ को जल्दी ही अपना सीईओ नियुक्त करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा है कि कुश्ती संघ का विवाद भी जल्द से जल्द सुलझाया जाए और नए अध्यक्ष का एलान किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सीईओ/महासचिव की नियुक्ति में भारतीय ओलंपिक संघ की ₹दुर्भाग्यपूर्ण₹ देरी पर चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही आईओए से कुश्ती संघ का विवाद जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। आईओसी ने बुधवार को अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के दौरान कड़े शब्दों में बयान जारी किया, जहां उसे भारत के अलावा अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला और सूडान की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) की स्थितियों पर भी अपडेट प्राप्त हुआ। एनओसी ऑफ इंडिया को कई मौकों पर एनओसी संविधान के अनुसार बिना किसी देरी के नए सीईओ/महासचिव की नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है, ताकि एनओसी के भीतर स्थिति को सामान्य किया जा सके। आईओसी के एक बयान में कहा गया है, दुर्भाग्य से, एनओसी ने अभी तक इस प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है। आईओसी इस मुद्दे की निगरानी जारी रखे हुए है। आईओसी ने आईओए से भारत के खेल महासंघों, यानी भारतीय कुश्ती महासंघ को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ समन्वय करने के लिए भी कहा है। भारतीय कुश्ती पिछले दो महीनों में सुर्खियों में रही है, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की चैंपियन विनेश फोगट सहित शीर्ष पहलवानों ने कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी

की मांग को लेकर नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया है। आंदोलन कर रहे पहलवानों का आरोप है कि बृजभूषण ने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है। भारत के एनओसी से अनुरोध किया गया है कि वह भारतीय खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले कई मौजूदा मुद्दों को समन्वित तरीके से और संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों और निर्देशों के अनुसार संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ मिलकर काम करें। आईओसी ने कहा, इसमें विशेष रूप से भारत में कुश्ती महासंघ की स्थिति शामिल है।

इस साल मार्च में आईओसी ने भी बिना किसी देरी के सीईओ नियुक्त करने में आईओए की ओर से देरी की ओर इशारा किया था। इसी दौरान पुष्टि की थी कि 2023 आईओसी सत्र मुंबई में होगा।

इस मामले पर भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने एक पैनल का गठन किया था, जिसने नया संविधान बनाया और आईओसी ने इसे मान्यता भी दी। नए संविधान के अनुसार, आईओए को नई कार्यकारी परिषद का कार्यभार संभालने के एक महीने के भीतर आईओए अध्यक्ष और पूर्व धावक पीटी उषा को एक सीईओ नियुक्त करना था जो पूर्व महासचिव के कार्यों को करेगा। नई आईओए परिषद ने 10 दिसंबर को कार्यभार संभाला था, लेकिन सात महीने से अधिक समय हो गया है और एनओसी ने सीईओ की नियुक्ति नहीं की है।

आईओए महासचिव कल्याण चौबे सीईओ के कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। सीईओ बिना वोटिंग अधिकार के आईओए कार्यकारी परिषद का पदेन सदस्य होगा। उषा ने मार्च में कहा था कि आईओए ने सीईओ की नियुक्ति के लिए मानदंड तय किए थे, लेकिन केवल एक आवेदक को इस पद के लिए योग्य पाया गया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें और आवेदनों की जरूरत है और आईओए इस पद के लिए दोबारा विज्ञापन देगा।

सीईओ के पद के लिए पात्रता मानदंडों में से एक यह है कि उम्मीदवार को 25 करोड़ रुपये से कम वार्षिक कारोबार वाली कंपनी/इकाई के सीईओ के रूप में 10 साल से कम अनुभव वाला प्रबंधन पेशेवर होना चाहिए।

भारतीय ओलंपिक संघ के संशोधित संविधान के अनुच्छेद 15.3 में यह भी कहा गया है कि सीईओ को एक नामांकन समिति प्रस्तावित करेगी, जिसमें आईओए अध्यक्ष, एथलीट आयोग के अध्यक्ष और भारत से एक आईओसी सदस्य शामिल होंगे।

## 43 साल की वीनस विलियम्स को मिला विंबलडन का वाइल्ड कार्ड, 24वीं बार मुख्य ड्रॉ में उतरेंगी

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। पांच बार की एकल विजेता 43 साल की वीनस विलियम्स को आगामी विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया। अमेरिकी खिलाड़ी वीनस के अलावा एलिना स्वितोलिना, हीथर वॉटसन और केटी बोल्टर को भी तीन जुलाई से शुरू होने वाले विंबलडन का वाइल्ड कार्ड मिला

है। ये खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में खेलती हुई दिखाई देंगी।

वीनस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम में अपना 24वां मुख्य ड्रॉ खेलेंगी, जबकि स्वितोलिना नौवीं बार मुख्य ड्रॉ खेलेंगी। हाल ही में वीनस ने बर्मिंघम में रोथेसे क्लासिक के पहले दौर में कैमिला जियोर्गी पर तीन घंटे 17 मिनट की जीत दर्ज की थी।

## वनडे वर्ल्डकप क्वालिफायर में आखिरी बॉल पर जीता स्कॉटलैंड

### आयरलैंड को एक विकेट से हराया; ओमान की लगातार दूसरी जीत

हरारे, 22 जून (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर के 7वें मैच में स्कॉटलैंड ने रोमांचक मुकाबले में आखिरी बॉल पर आयरलैंड को एक विकेट से हरा दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में ओमान ने UAE को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आयरलैंड के लिए कैम्फर 120 रन की पारी खेली

पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 286 रन बनाए थे। इसके जवाब में स्कॉटलैंड ने 9 विकेट गंवाकर आखिरी गेंद पर टारगेट हासिल कर लिया। स्कॉटलैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज ब्रैडन मैकमुलेन ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट चटकाए।

आयरलैंड के ओर से कर्टिस कैम्फर 120 रन और डॉकरेल ने 69 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा एंडी मैकब्राइन ने 32 रन का योगदान दिया।

**स्कॉटलैंड की ओर से लेस्क ने नाबाद 91 रन बनाए**

287 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत खराब रही। स्कॉटलैंड ने 152 के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे।

## स्केटबोर्डिंग एक ग्रुप के लिए आजादी की भावना का खेल

### 6,700 किमी का सफर तय किया; अब उनपर बन रही 'वुल्फ वीमेन' फिल्म

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। पांच महिलाओं का ग्रुप पहाड़ों से डाउनहिल स्केटबोर्डिंग कर रहा है। देसी भाषा में लकड़ी के फट्टे पर चार पहिए लगाने को स्केटबोर्ड कहते हैं। उसी स्केटबोर्ड से जब पहाड़ों से तेज रफ्तार में नीचे उतरते हैं तो इस खेल को डाउनहिल स्केटबोर्डिंग कहा जाता है। एन्ना समेत इनकी ग्रुप की चार महिलाओं के सफर पर एक फिल्म बनाई गई है। फिल्म का नाम 'वुल्फ वीमेन' है। इस फिल्म में पांच महिलाओं के

2019 के सफर को दिखाया जाएगा। साल 2019 में ये ग्रुप लंदन से सफर की शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रिया के रास्ते तुर्की के पहाड़ों पर गया था। यह सफर 6 हजार 700 किमी का था। राइडर जेनी शॉएर्टे के लिए ये सफर काफी भावुक था।

# सत्ता में पुनः आने पर पटनचेरू से हयातनगर तक मेट्रो रेल सुविधा : केसीआर

## सीएम ने कोल्लुरु में टू- बीएचके डिग्निटी हाउसिंग टाउनशिप का उद्घाटन किया * पटनचेरू में 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की आधारशिला रखीं

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को संगारेड्डी जिले के कोल्लूर गांव में केसीआर नगर नाम से डबल बेडरूम गरिमा आवास परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मुख्यमंत्री ने 2 बीएचके डिग्निटी हाउसिंग टाउनशिप के परिसर में एक तोरण का अनावरण किया और एक पेड़ लगाया। बाद में, केसीआर ने लाभार्थियों को हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में 60,000 से अधिक आवास इकाइयों के वितरण की प्रक्रिया शुरू की। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री केटी रामाराव, टी. हरीश राव, वेमुला प्रशांत रेड्डी, पी सबिता इंद्रा रेड्डी, तलसानी श्रीनिवास यादव, जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, मुख्य सचिव शांति कुमार आदि उपस्थित रहे। 1,474.75 करोड़ रुपये की लागत से 145.50 एकड़ भूमि में 117 ब्लॉकों में विभाजित होकर कुल 15,660 आवास इकाइयों का निर्माण किया गया। प्रत्येक आवास इकाई में एक हॉल, दो छोटे शयनकक्ष, दो शौचालय, एक रसोईघर और 560 वर्ग फुट कुर्सी क्षेत्र और 398 वर्ग फुट कालीन क्षेत्र के भीतर एक उपयोगिता शामिल है। इस परियोजना को एशिया में सबसे बड़ी सरकारी वित्त पोषित आवास परियोजना कहा जाता है। प्रति एकड़ केवल 108 इकाइयों के साथ परियोजना का केवल 37 प्रतिशत निर्माण उद्देश्यों के लिए उपयोग किया गया है। 145.5 एकड़ टाउनशिप का लगभग 63 प्रतिशत हिस्सा सड़क, फुटपाथ, खेल के मैदान, सामाजिक बुनियादी ढांचे और भूदृश्य सहित खुली जगहों के लिए आवंटित किया गया है। पर्याप्त हरियाली सुनिश्चित करने के लिए पूरी टाउनशिप में लगभग 30,000 पेड़ लगाए गए हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने घोषणा की है कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में बीआरएस सरकार सत्ता में आती है तो मेट्रो रेल कनेक्टिविटी को पठानचेरुवु से हयातनगर तक बढ़ाया जाएगा। गुरुवार को संगारेड्डी जिले के पठानचेरुवु में 183 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद शहर में, पठाननचेरुवु-दिलसुखनगर खंड सबसे व्यस्त यातायात गलियारा है और इन क्षेत्रों में मेट्रो रेल सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता है। केसीआर ने घोषणा की कि मैं व्यक्तिगत रूप से वादा करता हूं कि पठानचेरुवु से हयातनगर तक मेट्रो रेल कनेक्टिविटी का प्रस्ताव पहली कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा और अगर बीआरएस सरकार आगामी विधानसभा चुनावों में फिर से सत्ता में आती है तो इसे तुरंत मंजूरी दे दी जाएगी। उन्होंने आगे यह भी बताया कि मेट्रो रेल कनेक्टिविटी के विस्तार के संबंध में प्रस्ताव हैदराबाद के सभी क्षेत्रों से आ रहे है और उन्होंने शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी द्वारा की गई ऐसी मांग को भी याद दिलाया, जिन्होंने महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र के लिए मेट्रो रेल सुविधा की मांग की थी। पठानचेरुवु विधायक महिपाल रेड्डी के अनुरोध पर, केसीआर ने पठानचेरुवु में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज भी स्वीकृत किया और संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में तुरंत एक जीओ जारी करने का निर्देश दिया।

### तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है टीएस-आईपास : सीएम

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि राज्य सरकार की नई नीति टीएस-आईपास ने तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं और नीति की शुरूआत के साथ, राज्य करोड़ो रुपए से अधिक के निवेश को आकर्षित करने में सक्षम है। गुरुवार को यहां रंगारेड्डी जिले के शंकरपल्ली मंडल के कोंडाकल में भारत की सबसे बड़ी निजी कोच फैक्ट्री मेधा रेल कोच फैक्ट्री का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि टीएस-आईपास प्रणाली ने 15 दिनों के भीतर अनुमति देकर प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है। दिन और इसमें संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना लगाने की भी सुविधा है जो निर्धारित अवधि के भीतर मंजूरी देने में विफल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मेधा कंपनी के संस्थापकों कश्यप रेड्डी और श्रीनिवास रेड्डी की सफलता पर गर्व का क्षण महसूस कर रहे हैं क्योंकि तेलंगाना के दोनों बेटों ने पूरी दुनिया को रेल कोचों की आपूर्ति करने के लिए इतनी बड़ी विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। इस अवसर मंत्री केटी रामा राव, टी हरीश राव, पी सबिथ इंद्रा रेड्डी, सांसद, विधायक और एमएलसी के साथ मुख्य सचिव ए शांति कुमारी, आईटी और उद्योग के प्रमुख सचिव जयेश रंजन, मेधा सर्वो समूह के एमडी कश्यप रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

# देश में शिक्षा के विकास के लिए केंद्र पूर्ण प्रयासरत : पुरुषोत्तम रूपाला

## केंद्रीय मंत्री ने किया गुरुकुल विद्यालयों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

**कुमरम भीम आसिफाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)।** केंद्रीय डेयरी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि केंद्र सरकार देश में शिक्षा के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रही है। गुरुवार को जिले के अपने दौरे के तहत, उन्होंने जिला अपर कलेक्टर चाहत के साथ जिले के कागजनगर शहर में राष्ट्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में स्थापित तेलंगाना एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और गुरुकुल विद्यालयों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

इस मौके पर केंद्रीय डेयरी, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री ने कहा कि देश को साक्षरता के साथ विकसित करने के इरादे से केंद्र सरकार ने शिक्षा विकास को उच्च प्राथमिकता देते हुए देश भर में 700 गुरुकुल स्कूल स्थापित किए हैं। इसके अलावा, 23 स्कूल तेलंगाना राज्य को आवंटित किए गए हैं और कागज नगर शहर में स्थापित किए गए हैं। आदिवासी छात्रों के लिए सीबीएसई उन्होंने कहा कि 250 विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम के साथ गुरुकुल बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण में 32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से भवन निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भवनों के पहले चरण का उद्घाटन 28 दिसंबर 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की वर्चुअल प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था और केंद्र सरकार देश में शिक्षा के विकास के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में प्राचार्य शैलू, आरसीओ गंगाधर, गुरुकुल स्टाफ एवं नेताओं ने भाग लिया।

### अधूरे वादों को लेकर कांग्रेस ने सीएम के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने पिछले नौ वर्षों में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा किए गए वादों को पूरा नहीं करने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर और अन्य बीआरएस नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत कांग्रेस विधायक दानासारी सीताक्का और खैरताबाद (हैदराबाद सेंट्रल) डीसीसी अध्यक्ष डॉ. सी. रोहिन रेड्डी द्वारा बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री द्वारा घोषणापत्र जारी करने की तस्वीरों के साथ 2014 और 2018 में जारी टीआरएस घोषणापत्र की प्रतियां संलग्न कीं। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, कांग्रेस विधायक सीताक्का ने पिछले दो चुनावों में लोगों से किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं करने के लिए सीएम केसीआर और बीआरएस पार्टी की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने पहले चुनावी वादों का सम्मान न करके लोगों को धोखा दिया और अब वह तेलंगाना गठन के दशक के जश्न के नाम पर धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "सार्वजनिक धन का उपयोग करके 21 दिनों तक चलने वाले समारोहों का आयोजन करके, केसीआर एक भ्रम पैदा कर रहे हैं जैसे कि उनकी सरकार ने लोगों के साथ किए गए सभी वादे पूरे कर दिए हैं।" सीताक्का ने कहा कि बीआरएस सरकार कांग्रेस नेताओं को अवैध रूप से नजरबंद करके और आवाज उठाने पर झूठे मामलों में फंसाकर उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के "दशाब्दी दागा" विरोध को विफल करने के लिए पूरे तेलंगाना राज्य में कांग्रेस पार्टी के सभी शीर्ष नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है और उन्हें अलोकतांत्रिक और तानाशाही बताया। मीडिया को संबोधित करते हुए, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष डॉ. रोहिन रेड्डी ने कहा कि सीएम केसीआर और अन्य बीआरएस नेताओं के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की मांग करते हुए पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है। अगर पुलिस एफआईआर दर्ज करने में विफल रहती है, तो हम न्याय मांगने के लिए अदालत जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनावी घोषणापत्र को भागवत गीता, कुरान और बाइबिल जैसी पवित्र पुस्तकों की तरह माना जाना चाहिए। लेकिन केसीआर ने लुभावने वादे करके और बाद में उन्हें पूरा न करके आम लोगों को धोखा देने के लिए घोषणापत्र को एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया।

# पुरी-काशी-अयोध्या सर्किट में तीन अतिरिक्त भारत गौरव ट्रेन सेवाओं की घोषणा की

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 'भारत गौरव' ट्रेन की अवधारणा दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। हाल की यात्राओं के लगातार बहुत अच्छा परिणाम मिला है। रेल यात्रियों की सहज प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने पूरे भारत में अन्य प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को कवर करने वाली भारत गौरव ट्रेनों के संचालन के लिए और अधिक पर्यटक सर्किट की योजना बनाई है। इसके हिस्से के रूप में, आईआरसीटीसी ने पुण्य क्षेत्र यात्रा की 3 और यात्राओं की घोषणा की है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से पुरी-काशी-अयोध्या, भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें, क्रमशः 28 जून, 12 और 26 जुलाई को ट्रेने देश के पूर्वी और उत्तरी भाग में महत्वपूर्ण तीर्थ और ऐतिहासिक स्थानों को कवर करेगी, जबकि दो तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में नौ महत्वपूर्ण मार्ग स्टेशनों पर बोर्डिंग तथा डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करेगी। पर्यटक सर्किट ट्रेन "पुण्य क्षेत्र यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या" बोर्डिंग प्रदान करेगी। तेलंगाना में सिकंदराबाद, काजीपेट, खम्मम के साथ-साथ आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा, एलुरु, राजमुंदरी, समालकोट, पेंडुर्ती और विजयनगरम में डी-बोर्डिंग सुविधा है। ट्रेन उत्तर भारत के पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज जैसे दिव्य/तीर्थ स्थानों को कवर करेगी। पूरी यात्रा 8 रातों/9 दिनों की अवधि में तय की जाएगी। यह ट्रेन व्यक्तिगत योजना बनाने और यात्रियों के लिए उपयुक्त ट्रेन, आवास, भोजन आदि जैसी सभी संबंधित व्यवस्थाएं करने में आने वाली सभी कठिनाइयों से बचाती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना-ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों), पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, सुरक्षा शामिल हैं।

# हैदराबाद सीपी ने गोलकोंडा बोनालू की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ गोलकोंडा किले का दौरा किया और बोनालू उत्सव के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

कमिश्नर गोलकोंडा की पहाड़ी चोटी पर स्थित जगदंबा मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। उनके साथ डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) किरण खरे और अन्य अधिकारी भी थे। आनंद ने अधिकारियों को गोलकुंडा बोनालु उत्सव के संचालन के लिए उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने जुलूसों और उत्सवों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने को कहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

# कॉलेज अधिकारी पर सुपारी हत्या का प्रयास, सात हिरासत में

सूर्यापेट, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोडाद टाउन पुलिस ने यहां गेट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के सचिव बुडे कांता राव की हत्या के कथित प्रयास के सिलसिले में कथित तौर पर सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों के मुताबिक, डीसीएम वैन के ड्राइवर कोर्रा रामुलु (32), बलुरु वेंकटेश्वरलू (30), बड़े लिंगैया (40), पेंड्रा रामू (38), थांगुरी श्रीनिवास राव (57), बुड्डे राममूर्ति (58) और नीला सत्यनारायण शामिल हैं। गिरफ्तार किये गये व्यक्ति थे। अन्य पांच लोग, जो इस मामले से जुड़े थे, फरार बताये गये हैं। यह गिरफ्तारी कांता राव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद हुई, जिसमें कहा गया है कि 19 जून को कोडाड के बाहरी इलाके में बाबू नगर के पास कुछ लोगों ने उनकी कार को डीसीएम वैन से टक्कर मारकर उन्हें मारने की कोशिश की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कोशिश उन्हें मारने और इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने की थी। पुलिस को कथित तौर पर पता चला कि एक व्यवसायी नीला सत्यनारायण ने 50 लाख रुपये की पेशकश करके कांथा राव को मारने के लिए एक सुपारी गिरोह को शामिल किया है। सूत्रों ने कहा कि उसने गिरोह को अग्रिम राशि के रूप में 5 लाख रुपये भी दिए थे, उन्होंने बताया कि गिरोह ने दो बार कांता राव की कार को डीसीएम वैन से टक्कर मारकर हत्या करने की कोशिश की थी, एक बार मुनागला में और दूसरी बार कोडाद में। हालाँकि, कांताराव मामूली चोटों के साथ बच गए। इस संदेह पर कि दोनों घटनाएं उसे मारने का प्रयास थीं, उसने कोडाद टाउन पुलिस से संपर्क किया। पता चला है कि कोडाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज में साझेदारी को लेकर कांता राव और सत्यनारायण के बीच मतभेद पैदा हो गए थे।

### रेवंत ने बीआरएस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस शहीद स्मारक के निर्माण में भी भ्रष्ट है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पत्थर की नक्काशी पर शहीदों के नाम नहीं हैं, टीपीसीसी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा, उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक का निर्माण आंध्र के ठेकेदारों को दिया गया था और शहीद स्तूप के निर्माण में गुणवत्ता संबंधी खामियां हैं। गुरुवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि शहीद स्मारक के निर्माण कार्य में अनियमितताएं बरती गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एमए एंड यूडी मंत्री केटीआर के इशारे पर अनुमानित लागत में वृद्धि की गई थी। उन्होंने कहा कि केसीआर ने शहीदों के बलिदान का इस्तेमाल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया. यह कहते हुए कि तेलंगाना आंदोलन में 1,569 लोग शहीद हुए थे, उन्होंने कहा कि बीआरएस उन लोगों का अपमान कर रहा है जिन्होंने बलिदान दिया है।

### सांसद कोमटीरेड्डी ने भोनगीर में किसानों की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज यदाद्री-भोनगीर जिले के किसानों की हालिया गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने सीएम केसीआर से पूछा कि क्या वह उनसे सवाल करने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करेंगे? पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे "सीएम केसीआर की दशकों पुरानी धोखाधड़ी" नाम से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने शुरू में पार्टी के एक दलित नेता को तेलंगाना राज्य का पहला मुख्यमंत्री नियुक्त करने का वादा करके लोगों को धोखा दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम ने बाद में तीन एकड़ जमीन और डबल बेडरूम का वादा करके लोगों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि अकेले सिरसिल्ला, सिद्दीपेट और गजवेल विधानसभा क्षेत्रों में 10,000 घरों का निर्माण किया गया, लेकिन राज्य में कहीं और नहीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कोई शुल्क प्रतिपूर्ति नहीं है, कोई आरोग्यश्री योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में शहीदों के परिवारों का सम्मान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस पार्टी द्वारा सीएम केसीआर कार्यक्रम की एक दशक पुरानी धोखाधड़ी को रोकने के आह्वान के बाद तेलंगाना के शहीद श्रीकांत चारी की मां को अपने कार्यालय में आमंत्रित किया था और उन्हें एमएलसी बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने तेलंगाना के गठन का विरोध किया, उन्हें बीआरएस पार्टी ने पद दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीआरडी पार्टी के 'स्वर्णिम तेलंगाना राज्य' में एक भी टीआरटी अधिसूचना जारी नहीं की गई है और कहा कि तेलंगाना में पांच लाख तक बीएड स्नातक हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले साढ़े नौ वर्षों से एक भी अधिसूचना जारी नहीं की गई है और कहा कि अब तक 70,000 शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं और 6000 सरकारी स्कूल अब तक बंद हो चुके हैं। यह कहते हुए कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) सभी कांग्रेस शासित राज्यों में लागू की जा रही है, उन्होंने सीएम केसीआर से पूछा कि वह मौजूदा सीपीएस के बजाय ओपीएस लागू करने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर सके।

# बंडी संजय ने करीमनगर में जन संपर्क अभियान में भाग लिया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज करीमनगर के ज्योति नगर इलाके में पार्टी के चल रहे जन संपर्क अभियान में भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र के 120 घरों के लगभग 200 मतदाताओं से मुलाकात की। उन्होंने अपनी सभा के दौरान मतदाताओं को पर्चे बांटे।

मुलाकात के दौरान संजय ने उनसे बातचीत भी की। उन्होंने निवासियों के घरों की दीवारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के बारे में बताते हुए स्टिकर भी चिपकाए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य भर के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को एक ही दिन में राज्य के 35 लाख परिवारों से मुलाकात की. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इस माह के अंत तक आयोजित किया जायेगा. उन्होंने कहा कि वे राज्य के हर परिवार से मिलेंगे और पीएम मोदी के शासनकाल के बारे में बताएंगे।

इस बीच, पार्टी की ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष इटेला राजेंदर ने गुरुवार के जन संपर्क कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया, जिससे पार्टी के अन्य राज्य नेताओं में खलबली मच गई। वह पिछले कुछ समय से पार्टी की सभी गतिविधियों से दूर चल रहे हैं। पार्टी के अन्य नेता जैसे कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, जित्ता बालकृष्ण रेड्डी, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी भी खुद को पार्टी गतिविधियों से दूर रख रहे हैं।

### एमपी परिवार अपहरण मामले में पांच और लोग गिरफ्तार

विशाखापत्तनम, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टणम के सांसद एमवीवी सत्यनारायण के परिवार के सदस्यों के अपहरण के मामले में शहर पुलिस ने गुरुवार को पांच और लोगों को गिरफ्तार किया। एक कुख्यात अपराधी हेमंत कुमार, राउडीशीटर राजेश और एक घर चोर ई सहाद ने फिरौती के लिए सांसद के बेटे शरत चंद्र, पत्नी ज्योति और ऑडिटर जीवी का अपहरण करने की साजिश रची। तीनों के मुक्त होने के बाद, पुलिस ने फिरौती के रूप में दिए गए 1.75 करोड़ रुपये में से एक करोड़ रुपये से अधिक बरामद कर लिया और हेमंत कुमार और राजेश को हिरासत में ले लिया। गुरुवार को गिरफ्तार करने वालों में साई, बालाजी, आनंद, गोवर्धन और चाइना साई शामिल हैं। उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया। ऐसा पता चला है कि उस दिन गिरफ्तार किए गए पांच लोगों का पैसे के परिवहन में हाथ था।

पुलिस राजेश की मां, जिसने फिरौती के रूप में एकत्र किए गए धन से सोना खरीदा था, उसकी बहन और हेमंत कुमार की प्रेमिका सुभालक्ष्मी से भी पूछताछ कर रही है, जिन्हें भी हिरासत में लिए जाने की संभावना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.